हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्ष:- 03, अंक:-246, पृष्ठ:-08, मूल्य:- 2 रु.

लखनऊ, बुधवार 18 फरवरी 2026

असम के मुख्यमंत्री ने मां के चरणों में टेका मत्था...02

संजय दत्त करेंगे 'नेट ज़ीरो' सरोजनीनगर अभियान का...06

सेंसेक्स 173 अंक चढ़कर 83,450 पर बंद

चांदी आज 8 हजार गिरी, 2.33 लाख पर आई

घर खरीदने की औसत उम्र 38 से 34 साल हुई

प्रौद्योगिकी से सशक्त एमएसएमई

योगी सरकार ने यूपी को बनाया डिजिटल औद्योगिक शक्ति केंद्र

नई एमएसएमई नीति और प्लग एंड प्ले मॉडल से निवेश को गति

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र को प्रौद्योगिकी से जोड़ने की दिशा में प्रदेश सरकार ने बहुस्तरीय पहल की गति तेज कर दी हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, तकनीकी उन्नयन और नीतिगत सुधारों के माध्यम से प्रदेश के 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयों को प्रतिस्पर्धी और बाजारोन्मुख बनाने का प्रयास किया गया है। योगी सरकार के इन कदमों से उत्पादन क्षमता बढ़ी है और रोजगार सृजन को नई गति प्राप्त हुई है। डिजिटल अवसंरचना, नीतिगत सरलता और वित्तीय सहयोग के संयोजन ने प्रदेश को अग्रणी औद्योगिक केंद्र बनाने की आधारभूमि को तैयार करने का काम किया है। एमएसएमई सेक्टर की योजनाओं के लिए प्रदेश सरकार के बजट 2026-27 में 3,822 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं, जो वर्ष 2025-2026 की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना अंतर्गत मार्केटिंग डेवलपमेंट, टूलकिट वितरण और प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म विकसित किया गया है। एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग के कारीगरों को तकनीक आधारित कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पारंपरिक उत्पादों को ई-कॉमर्स और डिजिटल मार्केटिंग से जोड़ने से स्थानीय वस्तुओं की पहुंच राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक बढ़ी है।एमएसएमई चौम्पियनशिप इनीशिएटिव चौंपियंस पोर्टल के अंतर्गत चयनित इकाइयों को आधुनिक मशीनरी को अपनाने, गुणवत्ता सुधार और डिजिटल टूल्स के उपयोग के लिए तकनीकी सहायता दी जा रही है। उद्देश्य उत्पादन लागत को घटाकर प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को और विकसित करना है। लाखों इकाइयों को डिजिटल उन्नयन और विपणन सहयोग का लाभ मिल रहा है।उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 24 जनवरीव2021 को लॉन्च की गई उद्यम सारथी ऐप के जरिए डिजिटल रजिस्ट्रेशन, योजनाओं की जानकारी और संचालन मार्गदर्शन एक ही मंच पर उपलब्ध कराया गया है। इससे उद्यमियों की सरकारी योजनाओं और प्रोत्साहनों तक त्वरित पहुंच प्राप्त हो जाती है। आरएएमपी राइजिंग एंड एक्सेलेरेटिंग एमएसएमई परफार्मेंस योजना विश्व बैंक समर्थित केंद्रीय पहल है, वित्तीय और तकनीकी समर्थन भी प्रदान किया जा रहा है, जिससे इकाइयों के विस्तार आधुनिकीकरण को बल मिला है। 2022 से लागू एमएसएमई नीति के माध्यम से प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है। प्लग एंड प्ले मॉडल से 72 घंटे में संचालन शुरू करने की सुविधा दी गई है। क्रेडिट प्रवाह में वृद्धि और पांच लाख रुपये तक बीमा कवरेज जैसी व्यवस्थाओं ने उद्यमियों को जोखिम प्रबंधन में सहूलियत प्रदान करने का काम किया है। इन उपायों से निवेश वातावरण मजबूत हुआ है।प्रौद्योगिकी आधारित सुधारों का असर रोजगार सृजन पर भी पड़ा है। एमएसएमई क्षेत्र पहले से ही करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार रहा है और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन से इसमें नए अवसर जुड़े हैं।

कृषि विकास और प्रशिक्षण के लिए 70.61 करोड़ मंजूर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 के अंतर्गत कृषि क्षेत्र की क्षमता, कौशल विकास और उत्पादन वृद्धि की विभिन्न योजनाओं के सफल संचालन हेतु महत्वपूर्ण वित्तीय स्वीकृतियां प्रदान की गई हैं। यह कदम राज्य के किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने, प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार करने और कृषि बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया है।सरकार द्वारा जारी स्वीकृतियों में सर्वाधिक 34.44 करोड़ रुपये की धनराशि श्नेशनल मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एण्ड टेक्नोलॉजीश् के अंतर्गत सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन योजना हेतु आवंटित की गई है। इसी क्रम में, कृषि क्षेत्र की क्षमता एवं कौशल विकास तथा उत्पादन वृद्धि योजना के अंतर्गत मानक मदों में बचत के माध्यम से 29.49 करोड़ रुपये की एक और बड़ी धनराशि विकास कार्यों हेतु प्रदान की गई है। कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के अंतर्गत नवीन संरचनाओं, मशीनों, उपकरणों की खरीद और परिसंपत्तियों के विकास के लिए सरकार ने 4.17 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी है।

अराजक तत्वों ने तोड़ी संत रविदास की प्रतिमा, नाराज ग्रामीणों ने काटा हंगामा

बलिया, एजेंसी। जिले के फेफ्ना क्षेत्र में संत रविदास की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किये जाने का मामला सामने आया है। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि फेफ्ना थाना क्षेत्र के बंधैता गांव में सोमवार की रात शरारती तत्वों द्वारा संत रविदास की प्रतिमा और एक स्तम्भ को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। मंगलवार की सुबह इसका पता लगने पर बड़ी संख्या में मौके पर एकत्र हुए ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। सूत्रों ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही उप जिलाधिकारी (सदर) तिरुम राज सिंह और अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। सिंह ने बताया कि मौके पर नयी प्रतिमा लाकर स्थिति को संभाला गया। उन्होंने बताया कि आठ माह पहले सरकारी भूमि पर संत रविदास की प्रतिमा रखी गई थी। प्रतिमा स्थल पर सोमवार को स्तम्भ का निर्माण कराया जा रहा था। इस बीच रात में यह घटना हुई। सिंह ने बताया कि आयोजकों से स्पष्ट कहा गया है कि प्रदेश शासन से आवश्यक स्वीकृति मिलने के बाद ही आगे कोई कार्य कराया जाएगा।

दुनिया के दिग्गजों ने कहा, इमरान का हो इलाज

14 कप्तानों ने शहबाज सरकार से की अपील, इनमें कोई पाकिस्तानी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और 1992 विश्व कप विजेता कप्तान इमरान खान को लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जगत में चिंता बढ़ गई है। 73 वर्षीय इमरान की बिगड़ती सेहत की खबरों के बीच दुनिया के 14 पूर्व अंतरराष्ट्रीय कप्तानों ने पाकिस्तान सरकार को एक संयुक्त पत्र लिखकर उन्हें तत्काल और उचित चिकित्सा सुविधा देने की मांग की है। हालांकि, आश्चर्य की बात तो यह है कि इस लिस्ट में एक भी पाकिस्तानी कप्तान नहीं है। इन 14 पूर्व कप्तानों में भारत के महान सुनील गावस्कर और कपिल देव भी शामिल हैं। इन सभी 14 दिग्गज कप्तानों ने इमरान की बिगड़ती सेहत पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से अपील की है कि उनकी सरकार इमरान को विशेषज्ञ डॉक्टरों से समुचित इलाज कराए और जो भी जरूरी हो वह उपलब्ध कराए। इस पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में भारत के सुनील गावस्कर और कपिल देव के अलावा ग्रेग चैपल, बेलिंडा क्लार्क, माइकल एथरटन, नासिर हुसैन, इयान चैपल, एलन बॉर्डर, माइकल ब्रियरले, डेविड गावर, किम ह्यूज, क्लाइव लॉयड, स्टीव वॉ और जॉन राइट शामिल हैं।

गौर करने वाली बात यह है कि इस सूची में किसी भी पूर्व पाकिस्तानी कप्तान का नाम नहीं है। पत्र में पूर्व कप्तानों ने लिखा है, हम, अपने-अपने देशों की राष्ट्रीय क्रिकेट टीमों के पूर्व कप्तान, इमरान खान की हिरासत और उनके साथ हो रहे व्यवहार को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं।

भारत और फ्रांस साझेदारी की कोई सीमा नहीं : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम मोदी के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अपने संबोधन में सबसे पहले भारत में अपने चौथे औपचारिक दौरे के दौरान गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस के बीच द्विपक्षीय संबंध विशेष और अद्वितीय हैं, जो विश्वास, पारदर्शिता और महत्वाकांक्षा पर आधारित हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत फ्रांस की साझेदारी एक फोर्स फॉर ग्लोबल स्टैबिलिटी है। हम बहुपक्षीय डायलॉग पर जोर देना जारी रखेंगे। हम एकमत हैं कि वैश्विक संस्थानों के सुधारों से ही वैश्विक चुनौतियों का समाधान निकलेगा। उन्होंने कहा कि यूक्रेन, पश्चिमी एशिया या वैश्विक दक्षिण हम हर समस्या के खात्मे के लिए साथ काम करते रहेंगे। भारत और फ्रांस दोनों ही प्राचीन और समृद्ध सभ्यताएं हैं। हम जल्द ही फ्रांस में स्वामी विवेकानंद कल्चरल सेंटर खोलने जा रहे हैं। भारत-फ्रांस पार्टनरशिप को लेकर आपकी गहरी

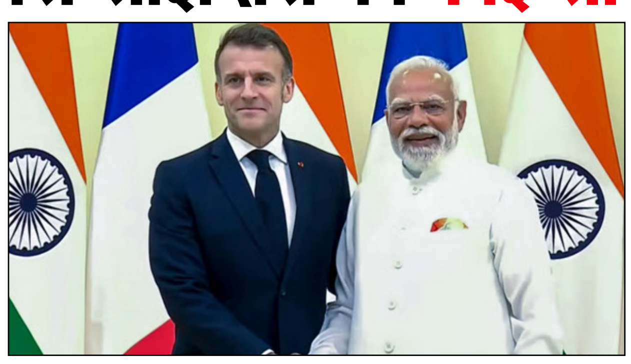

प्रतिबद्धता रही है। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने आगे कहा कि अब हम अपनी कूटनीतिक साझेदारी को हमारे लोगों की साझेदारी बनाने जा रहे हैं। रक्षा या स्वच्छ ऊर्जा हो या स्पेस हम सब जगह अपने उद्योग को कनेक्ट करेंगे। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हमारे छात्र-रिसर्चर्स के आदान प्रदान को और सुगम करेंगे। इसके अलावा जॉइंट इनोवेशन के नए सेंटर तैयार करेंगे। हम क्रिटिकल मिनरल्स, बायोटेक्नोलॉजी में अपना सहयोग मजबूत कर रहे हैं। फ्रांसे के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ बैठक के बाद पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत फ्रांस साझेदारी की कोई सीमा नहीं है। वर्ष 2026 भारत और यूरोप के संबंधों में एक टर्निंग पॉइंट है। कुछ ही दिन पहले हमने यूरोपीय संघ के साथ भारत के इतिहास का सबसे बड़ा और ऐतिहासिक मुफ्त व्यापार समझौता किया। आपसी व्यापार को बढ़ावा देने के लिए हम आज समझौते कर रहे हैं। इनके जरिए अब आपसी कंपनियों को डबल टैक्स नहीं देना होगा। यही शेयर्स प्रॉसपैरिटी का रोडमैप है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कर्नाटक के वेमगल में टाटा एयरबस की एच-125 लाइट यूटिलिटी हेलिकॉप्टर की अंतिम असेंबली लाइन का उद्घाटन किया। इस मौके पर दोनों नेताओं ने भारतीय रक्षा उत्पादन और रक्षा उद्योग में निजी क्षेत्र की भूमिका पर जोर दिया। एच-125 हेलिकॉप्टर उत्पादन भारत में नई तकनीक और नवाचार को बढ़ावा देने के साथ-साथ रक्षा निर्यात को मजबूत करने का भी मार्ग खोलता है। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों ने इस परियोजना को भारत-फ्रांस साझेदारी का उदाहरण बताते हुए कहा कि यह कदम दोनों देशों के तकनीकी सहयोग और रक्षा उद्योग में आपसी सहयोग को आगे बढ़ाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने मुंबई के लोक भवन में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक की। बैठक में दोनों नेताओं ने भारत और फ्रांस के बीच संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की।

राजनीतिक दल आपसी सम्मान के आधार पर चुनाव लड़ें व बंधुत्व को बढ़ावा दें : सुप्रीमकोर्ट

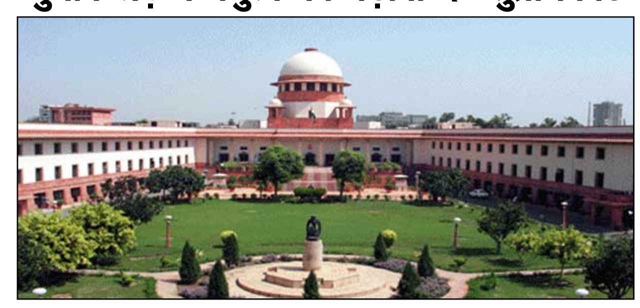

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि देश में विभिन्न राजनीतिक दलों को बंधुत्व को बढ़ावा देकर आपसी सम्मान के आधार पर चुनाव लड़ने चाहिये। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची की पीठ असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के हाल के भाषणों पर नौ लोगों की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। उच्चतम न्यायालय ने सुनवाई के दौरान देश में राजनीतिक दलों के भाईचारे को बढ़ावा देने और आपसी सम्मान के साथ चुनाव लड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया है और संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों की ऐसी बयानबाजी पर ध्यान देते हुए कहा कि ऐसा आचरण संवैधानिक मर्यादा के अनुकूल नहीं है। याचिकाकर्ताओं की पैरवी कर रहे वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि न्यायालय को इसमें कुछ अवश्य करना चाहिए। तो न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि मौजूदा याचिका वापस ली जाए और इसकी जगह जो याचिका आए उसमें संवैधानिक मूल्यों पर ध्यान केंद्रित किया जाए।

एआई वैश्विक सम्मेलन में कुप्रबंधन की खबरें सरकार की अक्षमता का परिणाम : खरगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि एआई पर वैश्विक सम्मेलन का आयोजन दुनिया में भारत की क्षमताओं को प्रदर्शित करने का एक बेहतर अवसर था लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रचार पाने की भूख के कारण इस शिखर सम्मेलन का पूरा माहौल अराजक हो गया है। श्री खरगे ने मंगलवार को यहां एक बयान में कहा कि भारत की डिजिटल और एआई क्षमताओं को प्रदर्शित करने का यह एक शानदार अवसर था लेकिन इस एआई शिखर सम्मेलन में अव्यवस्थाओं को लेकर खबरें आ रही हैं। उनका कहना था कि खबरों के अनुसार प्रचार की भूखी मोदी सरकार के घोर कुप्रबंधन के कारण यह सम्मेलन अराजकता में तब्दील हो गया है। इसमें शामिल संस्थाएं, अपने उत्पादों का प्रदर्शन करने वाले लोगों तथा आगंतुकों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहले ही दिन फोटो खिंचवाने के लिए सम्मेलन स्थल पर अचानक पहुंचने के कारण लोगों को सुरक्षा कारणों से भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। उन्होंने अपने बयान में कहा बताया जा रहा है कि प्रदर्शकों को भोजन और पानी नहीं मिला, उनके उत्पाद चोरी हो गए, डिजी यात्रा बुरी तरह विफल रही, लैपटॉप, व्यक्तिगत इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और यहाँ तक कि बैग भी प्रतिबंधित कर दिए गए, डिजिटल यूपीआई भुगतान के बजाय केवल नकद भुगतान स्वीकार किया गया और हितधारकों को बुनियादी सुविधाओं के बिना भारी रकम चुकानी पड़ी। उन्हें और भी कई कारणों से परेशानी हुई। श्री खरगे ने कहा यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे देश को अपनी ही सरकार की अक्षमता के कारण इस वैश्विक शर्मिंदगी का सामना करना पड़ रहा है।

राहुल को अदालत ने दी बड़ी राहत, बीजेपी की तरफ से दर्ज यह मामला किया खारिज

बेंगलुरु, एजेंसी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बड़ी राहत देते हुए, कर्नाटक हाई कोर्ट ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) द्वारा उनके खिलाफदायर मानहानि केस में उनके खिलाफ चल रही क्रिमिनल कार्रवाई को रद्द कर दिया। जस्टिस सुनील दत्त यादव ने कांग्रेस नेता की अर्जी पर अपने फैसले में कहा, याचिका मंजूर की जाती है। कार्रवाई जारी रखने की इजाजत देना कानून के प्रोसेस का गलत इस्तेमाल होगा। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, कोर्ट ने निर्देश दिया, जहां तक पिटीशनर (राहुल गांधी) का सवाल है, कार्रवाई रद्द की जाती है। बता दें कि बीजेपी नेता केशव प्रसाद ने राहुल गांधी, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के खिलाफ 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी द्वारा जारी किए गए विज्ञापनों और कैंपेन नारों को लेकर मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी। उन विज्ञापनों में कांग्रेस ने राज्य में उस समय सत्ताधारी पार्टी बीजेपी पर आरोप लगाया था कि वह सरकारी काम करने के लिए ठेकेदारों और दूसरों से 40 प्रतिशत तक कमीशन मांग रही है। अपनी शिकायत में, बीजेपी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने उस समय के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई समेत पार्टी के सदस्यों को टारगेट करते हुए गुमराह करने वाले और बदनाम करने वाले विज्ञापन आगे बढ़ाए थे। इससे पहले मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार को 1 जून, 2024 को जमानत दी, जबकि राहुल गांधी को 7 जून, 2024 को जमानत दी गई थी।

तारिक रहमान बांग्लादेश के प्रधानमंत्री बने

संसद भवन में शपथ हुई, 1 हिंदू समेत 49 मंत्री बने, इनमें 25 कैबिनेट, 24 राज्य मंत्री

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान नए प्रधानमंत्री बन गए हैं। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने संसद भवन में तारिक को पीएम पद की शपथ दिलाई। इसके साथ ही 18 महीने से चल रही अंतरिम सरकार का कार्यकाल खत्म हो गया। तारिक रहमान पहली बार प्रधानमंत्री बने हैं। इससे पहले आज दोपहर में बीएनपी के सांसदों ने उन्हें संसदीय दल का नेता चुना था। वह पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान के बेटे हैं। 17 साल तक लंदन में रहने के बाद वह दो महीने पहले ही बांग्लादेश लौटे थे। रहमान के अलावा 25 कैबिनेट मंत्रियों और 24 राज्य मंत्रियों को भी पद की शपथ दिलाई है। इनमें एक हिंदू मंत्री निताई रॉय चौधरी भी शामिल है। वह कैबिनेट मंत्री बने। 25 कैबिनेट मंत्रियों में से 17 नए चेहरे हैं। सभी 24 राज्य मंत्री नए हैं। पिछले गुरुवार को हुए आम चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी बीएनपी ने 299 में से 209 सीटें जीतकर बहुमत के लिए जरूरी 150 के आंकड़े को पार कर लिया था। इसके अलावा 3 सीटों पर उसकी सहयोगी पार्टियों ने जीत हासिल की। इस बीच संविधान में बदलाव को लेकर सियासी टकराव तेज हो गया है। दरअसल, 12 फरवरी को संसद चुनाव के साथ 'जुलाई चार्टर' पर जनमत संग्रह भी हुआ था। इसमें 62 प्रतिशत लोगों ने 'हां' में वोट दिया। जुलाई चार्टर के मुताबिक नई संसद 180 दिनों के लिए संविधान सभा की तरह काम करेगी। इस अवधि के दौरान संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं में बदलाव किए जाते। जुलाई चार्टर का मकसद देश में ताकत का एकाधिकार खत्म करना और संतुलन बनाना है। इससे प्रधानमंत्री की ताकत घट जाती और राष्ट्रपति को अधिकार दिए जाते। बीएनपी ने जुलाई चार्टर पर हस्ताक्षर तो किए थे, लेकिन उसके नेता कई प्रावधानों पर आपत्ति जता रहे हैं।

लाल आतंक का अंत करीब

सुरक्षाबलों को मिली कामयाबी, सुकमा में 22 नक्सलियों ने डाले हथियार, एक महिला भी

सुकमा, एजेंसी। नक्सल मुक्त भारत अभियान के तहत सुरक्षाबलों को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। सुकमा जिले में 22 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर सुरक्षाबलों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। इसमें एक महिला नक्सली भी शामिल है। इस घटना को नक्सलवाद के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। आत्मसमर्पण की यह प्रक्रिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रोहित शाह और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। इस बड़ी सफलता में जिला रिजर्व गार्ड, जिला पुलिस बल, क्षेत्रीय फील्ड टीम, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और कोबरा बटालियन की सराहनीय भूमिका रही। सुरक्षाबलों द्वारा लंबे समय से चलाए जा रहे सघन तलाशी व घेराबंदी अभियानों के कारण नक्सली संगठनों पर लगातार दबाव बना हुआ था।

एआई समिट में भीड़ और अव्यवस्था से डेलीगेट्स परेशान, सामान चोरी हुआ

घंटों कतार में खड़े रहे, आईटी मिनिस्टर वैष्णव ने माफी मांगी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के भारत मंडपम में दुनिया के सबसे बड़े टेक इवेंट में से एक एआई इम्पैक्ट समिट 2026 चल रहा है। इसके पहले दिन 16 फरवरी को हुई अव्यवस्थाओं पर केंद्र सरकार ने माफी मांगी है। पहले दिन हजारों की संख्या में स्टार्टअप फाउंडर्स, टेक एक्सपर्ट्स और विदेशी डेलीगेट्स पहुंचे थे। भारी भीड़ और कड़ी सुरक्षा के कारण एंट्री पॉइंट्स पर लंबी कतारें लग गईं। ग्लोबल टेक कंपनियों के प्रतिनिधि और डेलीगेट्स को घंटों इंतजार करना पड़ा। कुछ के सामान भी चोरी हुए। केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज 17 फरवरी को कहा कि यह दुनिया की सबसे बड़ी एआई समिट है। पहले दिन ही 70 हजार से ज्यादा लोग कार्यक्रम में पहुंचे। अब इंतजाम ठीक हैं, लेकिन अगर कल किसी को परेशानी हुई तो हम उसके लिए माफी मांगते हैं।

पुणे जमीन घोटाला, पार्थ पवार को क्लीन चिट, दो अफसरों पर गिरी गाज

मुंबई, एजेंसी। पुणे की चर्चित जमीन खरीद मामले में राष्ट्रवादी कांग्रेस (एनसीपी) नेता पार्थ पवार को बड़ी राहत मिली है। समिति ने पार्थ पवार को क्लीन चिट देते हुए दो सरकारी अधिकारियों पर कार्रवाई की सिफारिश की है। अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) विकास खरगे की अध्यक्षता वाली जांच समिति ने पाया कि जमीन सौदे में पार्थ पवार की सीधी अनियमितता साबित नहीं होती, हालांकि सौदे की प्रक्रिया में शामिल दो अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। रिपोर्ट में हवेली के तहसीलदार सूर्यकांत येवले और असिस्टेंट रजिस्ट्रार रविंद्र तारू के खिलाफकार्रवाई की सिफारिश की गई है। दोनों अधिकारियों को पहले ही निलंबित किया जा चुका है और वे फिलहाल जेल में हैं।

चुनाव आयोग की असम में सर्वदलीय बैठक

ज्ञानेश कुमार ने चुनाव की तैयारियों पर लिया फीडबैक

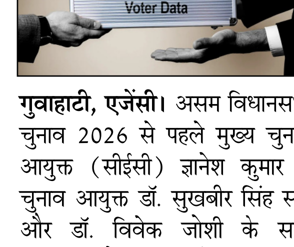

गुवाहाटी, एजेंसी। असम विधानसभा चुनाव 2026 से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ मंगलवार को गुवाहाटी में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य दलों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया। इस बैठक में असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) और भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। ये परामर्श आयोग की ओर से आगामी राज्य विधानसभा चुनावों के स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने के लिए की जा रही प्रारंभिक प्रक्रियाओं का हिस्सा हैं। इस संवाद में कई मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में उपस्थित राष्ट्रीय दलों में आम आदमी पार्टी (आप), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) सीपीआई (एम) और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस शामिल थीं। इसके अलावा, अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ), असम गण परिषद (एजीपी), बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) ने चर्चा में भाग लिया।

हिन्दी दैनिक तीसरा विकल्प न्यूज़ लखनऊ से प्रकाशित

बुधवार, 18 फरवरी, 2026

असम के मुख्यमंत्री ने मां के चरणों में टेका मत्था

⇨ राहुल गांधी बीमार है और उनका दिमागी हालत सही नहीं कांग्रेस को उनका ट्रीटमेंट करवाना चाहिए – हेमंता विश्वा शर्मा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

विंध्याचल। असम के मुख्यमंत्री हेमंता विश्वा शर्मा मां विंध्यवासिनी देवी धाम में पहुंचकर विधि विधान पूर्वक दर्शन पूजन किया। दर्शन पूजन का कार्य पंडित धीरज मिश्र ने कराया। इस दौरान सुधाकर मिश्र जी ने रक्षा सूत्र बांधकर उनकी कल्याण की प्रार्थना किया। नगर विधायक पंडित रत्नाकर मिश्र जी ने अंगवस्त्र पहनाकर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। दर्शन पूजन के पश्चात उन्होंने पत्रकारों से वार्ता किया वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि मैं कामाख्या धाम से मां विंध्यवासिनी देवी धाम में सेवा करने और प्रणाम करने तथा आशीर्वाद लेने आया हूं। इससे पहले मैं ढाई साल पहले आया था लेकिन विंध्य कॉरिडोर का कायाकल्प देखकर बहुत अच्छा लगा इसके लिए विधायक जी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री जी और उत्तर प्रदेश सरकार को बहुत बहुत धन्यवाद देता हूं। कांग्रेस पर एक प्रशन उन्होंने कहा कि देखिए यह कांग्रेस अपना मामला है। हमें इस पर टिप्पणी करना नहीं है। दुनिया में कोई राहुल गांधी वादी नहीं हो सकता क्योंकि राहुल बीमार है और दिमागी

हालत भी नहीं सही है। उनका तो अच्छा सा ट्रीटमेंट करवाना चाहिए। शिवा जी महराज और टीपू सुल्तान के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि एक हिंदू रक्षक थे तो दूसरा हिंदू भक्षक था। शिवाजी की महानता के लिए श्रेष्ठ थे फिर दोनों बराबर कैसे हो सकते हैं। यह बात जो बोलते है मुझे नहीं लगता है कि हिस्ट्री की थोड़ी सी भी जानकारी उनके पास होगा। असम में घुसपैठियों के प्रशन पर उन्होंने कहा कि असम की स्थिति एकदम नाजुक है। असम का जो हिंदू मुस्लिम का डेमोग्राफी है। अभी वहां मुस्लिमों की जनसंख्या 40 प्रतिशत होगा। 30 से 60 प्रतिशत मुस्लिम ऐसा है जो देश का ही है बाकी जो 36 प्रतिशत मुस्लिम है किसी न किसी समय वह लोग बांग्लादेश से आए हैं। जो कांग्रेस के समय से ही आए थे। जो बढ़ते बढ़ते 40 प्रतिशत हो गए थे। राजस्थान में कांग्रेस के हिंदू नेता रिपुन बोरा ने कांग्रेस से इस्तीफा देने पर बोले कि वह राज्तशन में एक हिंदू नेता है और मैं चाहता हूं कि वह भाजपा में शामिल हो और हमारी बात हो चुकी है कल मैं उनके घर जाऊंगा और वह भाजपा में शामिल हो जाएंगे। गोगई के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ की बात पर हम भारत सरकार को स्थानांतरित किया है अब वह सबूत इकट्ठा कर रहे है। सबूत को देखते हुए भारत सरकार फैसला लेगा। यू एस डील पर राहुल गांधी ने कहा कि यू एस डील किसानों के हित के लिए नहीं है पर उन्होंने कहा कि क्या राहुल यू एस डील पढ़ सकता है क्या? किसी को कही भी जाना हो जाए लेकिन मैं जो भी बोलता हूं असम के हित के लिए और हिंदू के हित के लिए बोलता हूं और आगे भी बोलता रहूंगा और मेरा यह मानना है कि मैंने कभी भी संविधान के दायरे से हटकर नहीं बोलता। देश में सबसे सफल मुख्यमंत्री के तौर में उन्होंने जिस प्रकार से बांग्लादेशियों को बाहर निकाला है उस पर उन्होंने कहा कि मैं डेली 100 से 150 बांग्लादेशियों को भगाता हूं। अभी भी उनकी संख्या बहुत अधिक है। पांच वर्षों में मैंने 50 हजार एकड़ जमीन से इन लोगों को हटाया है। मैंने प्रधानमंत्री जी के एक सभा से संबोधित किया है कि इस बार मैं डेढ़ लाख एकड़ जमीन से इन लोगों को भगाऊंगा। इस समय उन लोगों का 10 लाख एकड़ जमीन पर यह लोग कब्जा है। मैं वहीं काम करता हूं जो शोभा देता है मैं वह काम नहीं करता जो शोभा नहीं देता। लेकिन एक बार हमेशा याद रखते असम में हमारी संख्या 80 से 60 प्रतिशत घट गया है। इस विषय पर भी सेकुलर लोगों को चिंता करनी चाहिए। जो कोलकाता में बाबरी मस्जिद बनाया जा रहा है वह पुतला बाबरी मस्जिद है। जब वर्जिनल बाबरी मस्जिद ढह गया तो यह पुतला मस्जिद कितना देर तक रह पाएगा।

अच्छा लेखन वही जो समाज के काम आए – डॉ. रीता बहुगुणा जोशी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। अशोका इंस्टीट्यूट के बुद्ध सभागार में वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक विजय विनीत की पुस्तक 'सपनों की पगडंडियां' का विमोचन हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. रीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि साहित्य तभी सार्थक है जब वह समाज को वास्तविक लाभ पहुंचाए। उन्होंने पुस्तक को संघर्ष, संकल्प और शिक्षा के प्रति समर्पण की प्रेरक गाथा बताया। पुस्तक में प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह कुशवाहा के जीवन को रेखांकित किया गया है। डॉ. जोशी ने कहा कि कुलपति रहते हुए उन्होंने शिक्षा और क्षेत्रीय भाषाओं को नई दिशा दी तथा छात्रों के बीच सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम में नवभारत टाइम्स लखनऊ के संपादक सुधीर मिश्रा, वरिष्ठ लेखक व्योमेश शुक्ल, काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. मनोज कुमार सिंह सहित अनेक वक्ताओं ने पुस्तक की सराहना की। वक्ताओं ने विजय विनीत को संवेदनशील और निर्भीक पत्रकार बताया। अंत में अतिथियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन अशोक आनंद ने तथा धन्यवाद ज्ञापन सोनम उपाध्याय ने किया।

भाजपा राज में यूपी अपराध और पाप का गढ़ बन गया है – अखिलेश

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा राज में यूपी अपराध और पाप का गढ़ बन गया है। भाजपा राज में यूपी ने संतों के मान से अपमान तक का रास्ता तय किया। भाजपा ने यूपी को गर्त में धकेल दिया है। यूपी में अपराधियों के डर व वसूली की वजह से कर्फ्यू जैसी पाबंदी रहती है। पूरे यूपी में गैरकानूनी लोगों का राज है। उत्तर प्रदेश में अब भाजपा सरकार से कोई उम्मीद नहीं करता इसीलिए सुरक्षा व्यवस्था पर अब सवाल नहीं उठता। भाजपा राज में कमीशनखोर ही सरकार चला रहे हैं। यूपी में अमन-चैन नहीं है अब हर तरफ अशांति है। इस सरकार में 8 साल में बीसों लाख नौकरियाँ चली गईं। 2017 के बाद यूपीड उथल-पुथल प्रदेश बना है। भाजपा की कोई सोच है ही नहीं। मुखबिर संगी-साथी स्वतंत्र भारत में रहे लेकिन वंदे मातरम कभी नहीं गाया। भाजपा ने कुंभ और माघ मेले की सनातन परंपरा को तोड़ा, परम पूज्य शंकराचार्य जी का अपमान

किया। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने लोकमाता पूज्यनीय अहिल्या बाई होल्कर की धरोहर को तोड़ने का पाप किया उसे एआई बताने का झूठा प्रचार किया।ड धोखेबाज भाजपा लोगों को ठगने का काम कर रही है। भाजपा आस्था का व्यापार करती है, धर्माधिकारियों से सर्टिफिकेट माँगने का पाप करती है। भाजपा ने सनातनी घाटों पर बुलडोजर चलवाया। भाजपाइयों ने महिलाओं को लगातार असुरक्षित व अपमानित किया है। विपक्ष के नेता की धर्म-पत्नी जी का सदन में अपमान किया गया। भाजपा सरकार ने 8 साल में जनता से महंगाई, बिजली बिल बढ़ाकर इतना पैसा वसूल लिया कि वो टैक्स देने लायक ही नहीं बची। 2017 के बाद से उप्र में नकारात्मक साम्प्रदायिक सोच गतिमान है। भ्रष्ट भाजपा राज में आज यूपी पिछड़ता उत्तर प्रदेश है। उत्तर प्रदेश में वन स्टेट, वन माफिया है। भाजपा ने तीर्थ स्थलों को व्यावसायिक बुराइयों से भर दिया है। यूपी शासन से दुशासन तक पहुंचा है। शिक्षामित्र को न मान मिला है, न सम्मानित जीवन जीने योग्य मानदेय। पहले अन्नदाता अपना पेट तो भर लेते थे अब भाजपा ने डील करके अन्नदाताओं के खेत और खाते दोनों खत्म करने की साजिश की है। भाजपा राज में गोशाला के नाम पर घोटाले बहुत बढ़ गये हैं। नशे के पदार्थों की आवक बहुत बढ़ गयी है। लखनऊ और दिल्ली में दूरी बहुत बढ़ गयी है। भाजपा राज ने पीडीए समाज पर सबसे अधिक जुल्म, ज्यादती और नाइंसाफी करने का रिकॉर्ड बना दिया है। भाजपा राज में हातों पर हमले हो रहे हैं। यूपी में भाजपा राज में बैठकों व सहभोज पर पाबंदी लग गयी है। सत्ता-सजातीय हनक का बेहद गलत चलन शुरू हुआ है। यूपी में भाजपा सरकार ने सदैव के लिए अपना अंतिम भाषण पढ़ा है।

खबर का असर सिटी स्टेशन छत्ता में शुरू हुई सफाई,सीमा विवाद के बीच हरकत में आया नगर निगम

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सिटी स्टेशन क्षेत्र स्थित छत्ता में गंदगी,जलभराव और नगर निगम के सीमा विवाद को लेकर प्रकाशित खबर का असर दिखने लगा है। शिकायत सामने आने के बाद संबंधित अधिकारियों ने संज्ञान लेते हुए इलाके में सफाई अभियान शुरू करा दिया है। मंगलवार को सिटी स्टेशन क्षेत्र का छत्ता ज़ोन-1 और ज़ोन-2 के बीच सीमा विवाद में फंसा हुआ था। क्षेत्रीय जिम्मेदारी तय न होने के कारण स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।प्रतिदिन नालियों का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा था और सड़क किनारे कूड़े के ढेर लगे रहते थे। साफ-सफाई और जलनिकासी की उचित व्यवस्था न होने से इलाके में बदबू फैल रही थी तथा संक्रमण का खतरा भी बढ़ गया था। यही रास्ता सरकारी अस्पताल और कई सरकारी दफ्तरों को जोड़ता है,जिससे समस्या और गंभीर बन गई थी। संबंधित अधिकारी और क्षेत्रीय परिषद अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रहे थे, जिससे जनता को राम भरोसे छोड़ दिया गया था। खबर प्रकाशित होने के बाद अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कराते हुए क्षेत्र में सफाई कार्य शुरू कराया और कूड़ा हटाने तथा जलनिकासी दुरुस्त करने की कार्रवाई कराई।फिलहाल सफाई शुरू होने से स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है,लेकिन अब निगाहें इस बात पर हैं कि व्यवस्था स्थायी रूप से सुधरती है या नहीं।

के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम में हुआ मॉडल क्रिकेट लीग सीजन-3 का भव्य आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ स्थित केडी सिंह बाबू स्टेडियम में मॉडल क्रिकेट लीग सीजन-3, 2026 का भव्य और आकर्षक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए मॉडल, इंफ्लुएंसर, एक्टर और सोशल मीडिया स्टार्स ने प्रतिभागी के रूप में क्रिकेट खेलकर लोगों का खूब मनोरंजन किया। इस कार्यक्रम का आयोजन

संस्कृति इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन, एग्जॉटिक अंशिका एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड और एनएच फैशन एंड फिल्म के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पवन सिंह चौहान मौजूद रहे, जबकि मृत्युंजय सिंह की वीवीआईपी उपस्थिति भी खास रही। आयोजन का मुख्य उद्देश्य ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता फैलाना और बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम के संयोजक श्वेतांक प्रकाश चतुर्वेदी, अंशिका सिंह और नेहिल मोहन श्रीवास्तव ने बताया कि इस तरह के आयोजनों के जरिए युवाओं में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ बालिका शिक्षा जैसी मुहिम को देशभर में आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। एक दिवसीय इस आयोजन में कई रोमांचक क्रिकेट मुकाबले खेले गए, जिसमें शादी जंक्शन, चैलेंजर्स, दिशा डेयरडेविल्स, ग्लोबल लेजेंड्स और दी शक्ति वॉरियर जैसी टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम में आरसीएम कंपनी, रॉयल कैफे, एसआर मेमोरियल्स, एहसास फाउंडेशन ट्रस्ट, क्रिएटिव विज़न, ग्लोबल सोलर गाइडर्स, शादी जंक्शन, दीशक्ति इंफ्रा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और दीया बाती फाउंडेशन सहित कई संस्थाओं ने स्पॉन्सर और सपोर्टर के रूप में सहयोग किया।आयोजकों ने बताया कि लखनऊ में ऐसे उपयोगी कार्यक्रमों की बढ़ती मांग को देखते हुए जल्द ही इसके नए सीजन भी आयोजित किए जाएंगे, ताकि समाज में जागरूकता बढ़ाने के साथ प्रदेश और देश के विकास में योगदान दिया जा सके।

अडानी सोलर में 38 विद्यार्थियों का चयन, पं. दी. द. उ. में आयोजित हुआ कैम्पस साक्षात्कार।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। पं. दी. द. उ. शोधपीठ में कैम्पस प्लेसमेंट सेल द्वारा अडानी सोलर के सहयोग से कैम्पस साक्षात्कार आयोजित किया गया। इस प्रक्रिया में लगभग 50 विज्ञान स्नातक विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्री-प्लेसमेंट टॉक के दौरान कंपनी प्रतिनिधियों ने टेक्नीशियन पद के कार्यक्षेत्र, प्रशिक्षण एवं वेतन-भत्तों की जानकारी दी, जिसके पश्चात व्यक्तिगत साक्षात्कार लिए गए। चयन प्रक्रिया पूर्ण होने पर कुल 38 विद्यार्थियों का चयन किया गया। साक्षात्कार से पूर्व कुलपति प्रो. आनन्द कुमार त्यागी ने कंपनी प्रतिनिधि अमित कुमार सिन्हा का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों के उवल भविष्य की कामना की। समन्वयक प्रो. शेफाली वर्मा ठकराल ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। आयोजन को सफल बनाने में डॉ. ए.पी. सिंह एवं करियर काउन्सलिंग प्रभारी श्री मदन लाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आईयूसीटीई में उच्च शिक्षा में पेडागॉजी पर कार्यशाला का दूसरा दिन संपन्न।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र (आईयूसीटीई) में आयोजित पाँच दिवसीय कार्यशाला ट्रांसफॉर्मिंग पेडागॉजी इन हायर एजुकेशन के दूसरे दिन विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। प्रथम सत्र में प्रो. सी. बी. शर्मा, कुलपति, विनोबा भावे विश्वविद्यालय ने पेडागॉजिकल इनोवेशन इन ह्यूमैनिटीज़ विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि मानविकी शिक्षण में आलोचनात्मक चिंतन और वास्तविक जीवन से जुड़ी अध्ययन पद्धति को अपनाना आवश्यक है। उन्होंने शिक्षकों को नवाचारपूर्ण शिक्षण विधियाँ अपनाने तथा विश्वविद्यालयों में स्वायत्तता और उत्तरदायित्व का संतुलन विकसित करने पर बल दिया। द्वितीय सत्र में डॉ. उदय प्रताप सिंह, एचबीटीयू ने गणित में रूपांतरित शिक्षण पद्धतियों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और उदाहरणों के माध्यम से नवाचारी शिक्षण रणनीतियाँ प्रस्तुत कीं। अंतिम सत्रों में प्रतिभागियों ने विषयवार समूहों में सामाजिक विज्ञान, गणित, विज्ञान, मानविकी एवं प्रबंधन के लिए मॉड्यूल रूपरेखा तैयार की। कार्यक्रम में बिहार, दिल्ली, गुजरात, झारखंड और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से 40 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। आयोजन का संयोजन आईयूसीटीई के संकाय सदस्यों द्वारा किया जा रहा है।

आमने-सामने की टक्कर में महिला समेत दो घायल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

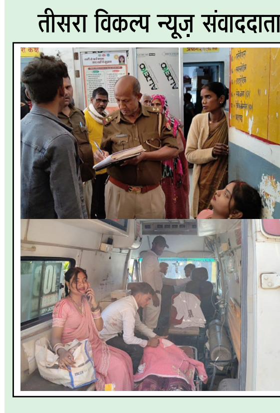

गैपुरा/मिर्जापुर। विंध्याचल थाना क्षेत्र के मीरजापुर-प्रयागराज मार्ग पर मंगलवार दोपहर आमने-सामने हुई बाइक की टक्कर में महिला समेत दो लोग घायल हो गए। घटना भटेवरा गांव के सामने करीब एक बजे की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार मीनू (45) पत्नी राकेश मौर्य, शिवम मौर्य (22) के साथ बाइक संख्या यूपी 63 एवाई 6985 से मांडा से लोहिया तालाब, मीरजापुर स्थित अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान सामने से आ रही एक अन्य बाइक से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र विजयपुर सरोई में भर्ती कराया। वहां चिकित्सक डा. रत्नाकर मिश्रा ने प्राथमिक उपचार के बाद मीनू की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया।पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जिलाधिकारी ने एसआईआर कार्यो का किया औचक निरीक्षण

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य का जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने विधानसभा सदर के सदर तहसील एवं विधानसभा मझवां के ग्राम सभा बजहा में स्थित कम्पोजिट/प्राथमिक विद्यालय में बनाए गए बूथो पर चल कार्यो का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मतदाताओ से प्राप्त प्रपत्रो एवं दिए गए नोटिस तामिला व सुनवाई के प्रगति के बारे में प्रत्येक बी.एल.ओ. से जानकारी प्राप्त की। मझवां विधानसभा के बूथ संख्या-67, 68, 69, 70, 71, 72, 73 बूथ पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने पहुंचकर एस.आई.आर. कार्य प्रगति का निरीक्षण किया गया। बूथ पर उपस्थित नोटिस प्राप्त होने के पश्चात पहुंचे मतदाताओ से जिलाधिकारी द्वारा वार्ता कर कार्य के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। उपस्थित मतदाताओं के द्वारा बताया गया कि बूथ पर कोई समस्या नहीं है सम्बन्धित कार्मिको/बी.एल.ओ. के द्वारा कार्य में अपेक्षित सहयोग प्रदान किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने प्राप्त दस्तावेजो को तत्काल फीडिंग करने का निर्देश दिया। उन्होंने मौके पर उपस्थित उप जिला मजिस्ट्रेट को निर्देशित करते हुए कहा कि जिस बूथ पर फीडिंग व मैपिंग कम हो उस पर विशेष निगरानी रखते हुए प्रगति बढ़ाई जाए। बूथो पर उपस्थित बी.एल.ओ./सुपरवाइजरो को निर्देशित किया कि गम्भीरता के साथ दायित्वो का निवर्हन सुनिश्चित करे ताकि एस.आई.आर. कार्य समय से पूर्ण किया जा सकें। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर गुलाब चन्द्र उपस्थित रहें।

हाउस ऑफ काशी का भव्य शुभारंभ, बनारस को मिला एथनिक फैशन का नया डेस्टिनेशन

➢ हाउस ऑफ काशी परिवार ने आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्रा,डाक्टर अनुराग टंडन डाक्टर शालिनी एवं संतोष अग्रवाल का दुपट्टा ओढ़ाकर और मोमेंटो देकर किया सम्मान।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। सिगरा-महमूरगंज मार्ग पर एथनिक वियर के विशाल और भव्य शोरूम हाउस ऑफ़ काशी का शुभारंभ बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्रा 卐दयालु गुरु卐 ने फीता काटकर किया। समारोह में शहर की कई प्रतिष्ठित हस्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रमुख रूप से डाक्टर अनुराग टंडन व डाक्टर शालिनी टंडन और संतोष अग्रवाल ने कार्यक्रम में शिरकत की इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों, व्यापारियों एवं फैशन प्रेमियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। शोरूम के शुभारंभ अवसर पर हाउस ऑफ़ काशी परिवार की ओर से यश कुमारी गुप्ता,अश्विनी अग्रवाल,माधुरी अग्रवाल,संजीव अग्रवाल,अल्का अग्रवाल, पवन अग्रवाल,अनुराधा अग्रवाल,सार्थक अग्रवाल,खुशी अग्रवाल,साक्षी अग्रवाल, निहारिका अग्रवाल,कार्तिक अग्रवाल, अशोक अग्रवाल एवं शिल्पी अग्रवाल

विशेष रूप से उपस्थित रहे। परिवार की दूरदर्शिता और आधुनिक सोच ने इस भव्य शोरूम को साकार रूप दिया है। शोरूम में ग्राहकों के लिए डिजाइनर साड़ियाँ,प्रीमियम सूट्स,ब्राइडल कलेक्शन तथा इंडो-वेस्टर्न परिधानों की विशेष रेंज उपलब्ध कराई गई है। अत्याधुनिक इंटीरियर,आकर्षक डिस्प्ले और विशाल स्पेस के साथ यह शोरूम बनारस में एथनिक फैशन का नया केंद्र बनकर उभरा है। संचालकों ने बताया कि उनका उद्देश्य ग्राहकों को एक ही छत के नीचे नवीनतम ट्रेंड्स,उत्कृष्ट गुणवत्ता और उचित मूल्य पर परिधान उपलब्ध कराना है। उद्घाटन के साथ ही शहर के फैशन उद्योग में एक नई ऊर्जा और सकारात्मक दिशा देखने को मिल रही है। उद्घाटन अवसर पर ग्राहकों के लिए विशेष छूट एवं आकर्षक उपहारों की घोषणा की गई। पहले ही दिन बड़ी संख्या में ग्राहकों की उपस्थिति रही और लोगों ने कलेक्शन की भूरि-भूरि प्रशंसा की संचालकों ने बताया कि आने वाले समय में हाउस ऑफ़ काशी को राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रतिष्ठित ब्रांड के रूप में स्थापित करने की योजना है। इसके अंतर्गत अन्य शहरों में भी शाखाएं खोलने की तैयारी की जा रही है उनका उद्देश्य बनारस की पारंपरिक विरासत को आधुनिक फैशन के साथ जोड़कर एक नई पहचान देना है।

मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय विधानसभा में बोले नियमों से संचालित होती हैं शैक्षणिक संस्थाएं

☐ महाविद्यालय और विश्वविद्यालय शिक्षकों की सेवा शर्तें अलग, तुलना उचित नहीं- उच्च शिक्षा मंत्री

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने विधानसभा में पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए स्पष्ट किया कि राज्य की प्रत्येक शैक्षणिक संस्था निर्धारित संवैधानिक और वैधानिक नियमों के आधार पर संचालित होती है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय और विश्वविद्यालय दोनों की सेवा संरचना अलग-अलग नियमों से नियंत्रित होती है, इसलिए उनके कर्मचारियों और शिक्षकों की सुविधाओं की सीधी तुलना उचित नहीं है। मंत्री उपाध्याय ने बताया कि राजकीय महाविद्यालयों के शिक्षक राज्य सरकारी सेवकों की श्रेणी में आते हैं, जिनकी नियुक्ति एवं सेवा शर्तें संविधान के अनुच्छेद 309 के अंतर्गत अधिसूचित नियमावलियों से विनियमित होती हैं। वहीं, राज्य

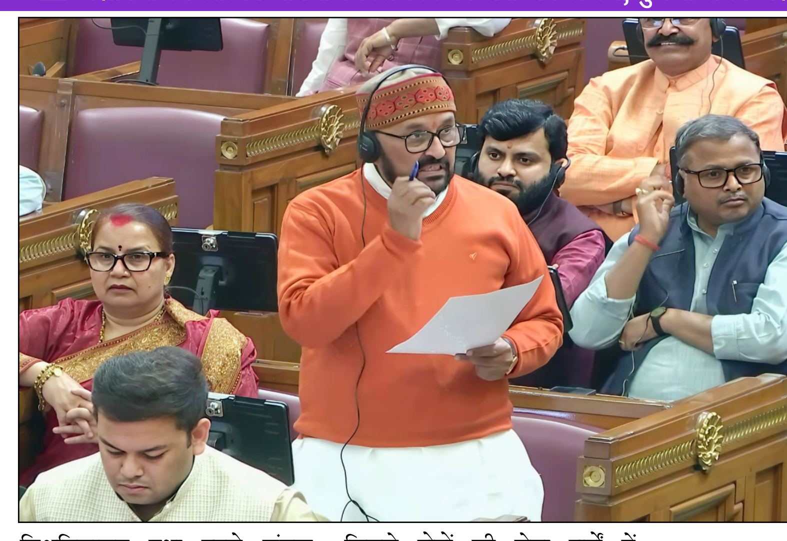

विश्वविद्यालय तथा उनसे संबद्ध महाविद्यालयों के कर्मचारी उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 तथा उससे संबंधित परिनियमों के अंतर्गत आते हैं, जिससे दोनों की सेवा शर्तों में स्वाभाविक अंतर रहता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के शिक्षक 62 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं, जबकि महाविद्यालयों में यह आयु 60 वर्ष है। इसी प्रकार विश्वविद्यालय शिक्षकों को अर्जित अवकाश, विशेष आकस्मिक अवकाश तथा यूजीसी मानकों के अनुरूप अवकाश सुविधाएं प्राप्त होती हैं, जबकि राजकीय महाविद्यालय शिक्षकों के लिए अलग प्रकार की अवकाश व्यवस्था लागू है, जिसमें चिकित्सकीय अवकाश सहित अन्य प्रावधान शामिल हैं। मंत्री उपाध्याय ने कहा कि यूजीसी नियमावली के अंतर्गत विश्वविद्यालय शिक्षकों को अर्ध वेतन अवकाश और संचयी अवकाश जैसी व्यवस्थाएं मिलती हैं, वहीं महाविद्यालयीन शिक्षकों के लिए सेवा अवधि में चिकित्सकीय प्रमाणपत्र के आधार पर दीर्घकालिक अवकाश की व्यवस्था है। इस प्रकार दोनों व्यवस्थाओं में अलग-अलग प्रकार के लाभ निर्धारित हैं। मंत्री उपाध्याय ने स्पष्ट किया कि किसी एक वर्ग को मिलने वाली सुविधा को दूसरे वर्ग पर लागू करना व्यावहारिक नहीं है, क्योंकि दोनों की सेवा शर्तें और नियामक ढांचे अलग हैं। तुलनात्मक दृष्टि के बजाय नियमों के अनुरूप व्यवस्था बनाए रखना ही न्यायसंगत है। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा व्यवस्था को संतुलित और नियमसम्मत ढंग से संचालित करने के लिए प्रतिबद्ध है और सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिए जा रहे हैं।

मनरेगा मुद्दे पर कांग्रेस का विधानसभा घेराव नाकाम, नेताओं की गिरफ्तारी से लखनऊ में सियासी तापमान तेज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। मनरेगा को लेकर केंद्र और प्रदेश सरकार के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाए हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का सोमवार को प्रस्तावित विधानसभा घेराव पुलिस कार्रवाई के चलते विफल हो गया। भारी पुलिस बंदोबस्त और बैरिकेडिंग के बीच प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया गया, जिससे राजधानी में राजनीतिक माहौल गरमा गया। कांग्रेस का आरोप है कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा मनरेगा की संरचना में बदलाव से ग्रामीण रोजगार की गारंटी कमजोर हुई है। इसी मुद्दे को लेकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। एक दिन पहले से ही पार्टी कार्यालय पर कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी, जहां प्रदेश अध्यक्ष अजय राय स्वयं तैयारियों की निगरानी कर रहे थे। निर्धारित कार्यक्रम के तहत कांग्रेस कार्यकर्ता जुलूस की शक्ल में विधानसभा की ओर बढ़े। इस दौरान राष्ट्रीय महासचिव व यूपी प्रभारी अविनाश पांडे, कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना और विधायक वीरेंद्र चौधरी सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। हालांकि, पुलिस ने पहले से की गई कड़ी बैरिकेडिंग के जरिए जुलूस को आगे बढ़ने से रोक दिया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने शीर्ष नेताओं समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। यह कार्रवाई योगी आदित्यनाथ सरकार के निर्देश पर की गई सुरक्षा व्यवस्था के तहत हुई। गिरफ्तारी के दौरान आराधना मिश्रा मोना ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि मनरेगा जैसे रोजगार गारंटी कानून को कमजोर करने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी और पार्टी का संघर्ष जारी रहेगा। वहीं अजय राय ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकारें जनहित की योजनाओं को कमजोर कर उद्योगपतियों के हित साध रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों से जनता में असंतोष बढ़ रहा है, जिसका जवाब आने वाले समय में लोकतांत्रिक तरीके से दिया जाएगा। अविनाश पांडे ने भी चेतावनी दी कि कांग्रेस सड़क से सदन तक आंदोलन तेज करेगी और मनरेगा से जुड़े किसी भी बदलाव का पुरजोर विरोध जारी रहेगा। कांग्रेस नेताओं ने संकेत दिया कि यह आंदोलन आगे और व्यापक रूप ले सकता है। विधानसभा घेराव भले ही प्रशासनिक सख्ती के कारण सफल न हो पाया हो, लेकिन मनरेगा को लेकर सियासी टकराव आने वाले दिनों में और तेज होने के आसार हैं।

विकास नगर व्यापार मंडल का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लक्ष्मी कॉम्पलेक्स, निकट मामा चौराहा विकासनगर, लखनऊ व्यापार मंडल का शपथ ग्रहण समारोह लक्ष्मी कॉम्पलेक्स, निकट मामा चौराहा, विकासनगर, लखनऊ में लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र की अध्यक्षता में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। मंच का संचालन विशाल चौरसिया एवं एडवोकेट पान सिंह भंडारी, ने किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि युवा भाजपा नेता नीरज सिंह उपस्थित रहे। सर्व प्रथम मुख्य अतिथि को अंग वस्त्र माला एवं मोमेंटो देकर स्वागत किया तत्पश्चात लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र एवं लखनऊ व्यापार मंडल के कोषाध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता अरविंद पाठक इमरान कुरैशी नितिन जैन गोपाल दीक्षित राकेश मिश्र (पार्षद) अजय सक्सेना रिंकू यादव आशीष श्रीवास्तव परमजीत सिंह पवन सिंह चौहान एवं आदर्श सिंह का सम्मान किया इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता डाक्टर नीरज सिंह के द्वारा विकासनगर व्यापार मंडल के नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई तथा सभी पदाधिकारियों से संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प दिलाया गया। शपथ ग्रहण करने वाले प्रमुख पदाधिकारी इस प्रकार हैं। संरक्षक- एडवोकेट पान सिंह भंडारी, मोहम्मद सबाहत चेयरमैन- डॉ. अनुपम सिंह भंडारी अध्यक्ष- मोहम्मद शोएब जलाली वरिष्ठ महामंत्री- मोहम्मद शरीफ सिद्दीकी कोषाध्यक्ष- मोहम्मद अकरम महामंत्री- अमन शुक्ला वरिष्ठ उपाध्यक्ष- अमान मुस्तफा खान, मोहम्मद अनवर सिद्दीकी, ऋषभ चौरसिया, अनस अहमद उपाध्यक्ष- डॉ. पूजा सनवाल, सईद बशीर, फैज खान, मनोज कुमार गुप्ता वरिष्ठ संगठन सचिव- सैय्यद अकरम अली, प्रेम चंद गुप्ता संगठन सचिव- राज कुमार सिंह, नफीस खालिद प्रचार मंत्री- मोहम्मद आरिफ रहमानी, डॉ. मोहम्मद काशिफ, डॉ. प्रिया सिंह, मोहम्मद सलीम, फैज अहमद सिद्दीकी, शकीलउररहमान खान, अब्दुल अहद मीडिया प्रभारी- अमीर अब्बास, मोहन सिंह बिष्ट विधि सलाहकार- मोनिस उर रहमान अंसारी, चौधरी मुआज अहमद, हाशमी, प्रवीन कुमार

मुख्य अतिथि ने व्यापारी समाज को हर परिस्थिति में साथ देने का संकल्प लिया और कहा यह समाज देश के साथ हर परिस्थिति में खड़ा रहता है और अर्थ व्यवस्था का स्तंभ है इस लिए हमारी सरकार व्यापारी समाज के साथ मिलकर कार्य कर रही है और उनका हित सदा सर्वोपरि है अध्यक्ष अमर नाथ मिश्र ने निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी और कहा की आपके जुड़ने से व्यापारी परिवार में वृद्धि हुई है कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं व्यापारियों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि विकासनगर व्यापार मंडल व्यापारियों की समस्याओं के समाधान, उनके हितों की रक्षा तथा क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्य अतिथि के द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए व्यापारियों के हितों की रक्षा एवं संगठन की मजबूती हेतु कार्य करने का आह्वान किया।

साइबर जालसाजों ने खाताधारक से ठगे 2.41 लाख रुपये, केस दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। कृष्णा नगर कोतवाली क्षेत्र में रहने वाले एक खाताधारक से जालसाजों ने 2.41 लाख रुपये आनलाइन ठगी कर हडप लिए। कृष्णा नगर कोतवाली प्रभारी पी के सिंह ने बताया थाना क्षेत्र स्थित विनय नगर निवासी अशोक अग्निहोत्री पुत्र स्व श्री राम अग्निहोत्री ने बताया बीते 15 नवंबर को प्रातः लगभग 10 बजे उनके पास एक फोन कॉल आया। कॉल करने वाले ने स्वयं को उनका पुराना मित्र अशोक गुप्ता बताया और हरियाणा में होने तथा पत्नी के अस्पताल में भर्ती होने की बात कहकर अपने पुत्र के खाते में 40 हजार रुपये भेजने का अनुरोध किया। विश्वास में आकर उन्होंने अपने भारतीय स्टेट बैंक, अशोक मार्ग शाखा, लखनऊ स्थित बचत खाते से पेटीएम के माध्यम से बताई गई संख्या पर 40 हजार रुपये भेज दिए। इसके तुरंत बाद और धनराशि की मांग की गई, जिससे उन्हें संदेह हुआ। उन्होंने इसकी सूचना राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दी और बैंक खाते पर स्टॉप पेमेंट करवा दिया। दूसरी घटना 27 जनवरी 2026 को हुई, जब उनके मोबाइल पर पंजाब नेशनल बैंक, कृष्णा नगर शाखा के नाम से एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने जीवित प्रमाण पत्र कोषागार भेजने के नाम पर उनसे उनके बैंक खाते की जानकारी ले ली। अगले दिन 28 जनवरी को उन्हें पता चला कि उनके खाते से पांच बार में कुल 95 हजार रुपये निकाल लिए गए हैं। इसके बाद 31 जनवरी और 1 फरवरी 2026 की रात को भी उनके उसी बैंक खाते से पांच अलग-अलग ट्रांजैक्शन में कुल 1.06 लाख रुपये कुल 2.41लाख रुपये निकाल लिए गए। जिसकी जानकारी होने पर उसने साइबर सेल में शिकायत करने के साथ स्थानीय कृष्णा नगर कोतवाली मे पुलिस से लिखित शिकायत की है। पुलिस के अनुसार पीडित की शिकायत पर सोमवार को आईटी एक्ट की धारा मे केस दर्ज कर विधिक कारवाई की जा रही है।

प्रेम विवाह के विवाद में युवक की चाकू मारकर हत्या

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

काकोरी द्य काकोरी के लालता खेड़ा गांव में वारदात, इलाके में सनसनी राजधानी लखनऊ के काकोरी थाना क्षेत्र अंतर्गत लालता खेड़ा गांव में शुक्रवार देर रात एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना से पूरे गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल है। मृतक की पहचान राम सागर (25 वर्ष) पुत्र इंद्र, निवासी पीलीभीत के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि राम सागर ने लगभग दो वर्ष पूर्व लालता खेड़ा की एक युवती से कोर्ट मैरिज की थी और यहीं रहकर जीवन यापन कर रहा था। बातचीत के बहाने बुलाकर हमला करने का आरोप मृतक के भाई राहुल गौतम ने आरोप लगाया कि युवती के परिजनों ने फोन कर बातचीत के लिए बुलाया था। आरोप है कि वहां पहुंचते ही राम सागर पर अचानक चाकू से हमला कर दिया गया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों व राहगीरों की मदद से उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिवार का कहना है कि युवती के घरवालों ने उसकी शादी दूसरी जगह तय कर दी थी, जिसको लेकर विवाद चल रहा था। इसी रंजिश में हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस जांच में जुटी सूचना मिलते ही काकोरी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद से लालता खेड़ा गांव में सनसनी फैली हुई है और पुलिस एहतियातन इलाके में निगरानी बनाए हुए है।

भारतीय नव वर्ष का करेंगे जोरदार स्वागत

● चैत्र शुक्ल प्रतिपदा विक्रम संवत 2083 कैलेंडर 19 मार्च से प्रारंभ होगा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। भारतीय नव वर्ष गुरुवार से प्रारंभ होगा। इस दिवस पर व्यापारी समाज पूरी शक्ति के साथ नव वर्ष के स्वागत की तैयारी करेगा। यह जानकारी अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल ने दी। उन्होंने बताया कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा विक्रम संवत 2083 कैलेंडर वर्ष 2026 के अनुसार 19 मार्च से नया साल शुरु होगा। उन्होंने कहा कि अगर किसी के मां-बाप सुंदर ना हो तो वह अपने मां-बाप बदलता नहीं है। इस प्रकार हमारी संस्कृति और पहचान हमारे नव वर्ष से है जो चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से प्रारंभ होगा इस अवसर को भव्य बनाने के लिए राजधानी लखनऊ से लेकर उत्तर प्रदेश और पूरे भारतवर्ष में आयोजन किए जाएंगे प्रत्येक दुकान से मिष्ठान वितरित होगा बैनर होर्डिंग लगाए जाएंगे नव वर्ष मेलों का आयोजन होगा शिक्षा जगत को भी इसे जोड़ते हुए स्कूली बच्चों तक इसका प्रचार प्रसार किया जाएगा। इस दौरान लखनऊ महानगर अध्यक्ष सुरेश छाबलानी ने बताया कि भारतीय नव वर्ष के आयोजन को भव्य स्वरूप देने के लिए आगामी 25 फरवरी को लखनऊ की समस्त क्षेत्रीय इकाइयों के अध्यक्षों महामंत्रियों की बैठक आयोजित की जा रही है।

पिंक बूथ 86 की पहल मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को किया जागरूक।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। ठाकुरगंज क्षेत्र में पिंक बूथ 86 टीम ने मिशन शक्ति अभियान के तहत भ्रमण कर महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों व सुरक्षा के प्रति जागरूक किया फ्र थाना ठाकुरगंज क्षेत्रांतर्गत पिंक बूथ 86 टीम ने आसपास के इलाके में भ्रमणशील रहकर महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया और स्थानीय महिलाओं व बच्चों को सुरक्षा सहायता और कानूनी अधिकारों की जानकारी प्रदान की। यह पहल के उद्देश्य को मजबूत करती है और समुदाय में सकारात्मक बदलाव की दिशा में सराहनीय कदम मानी जा रही है। प्रदेश सरकार की पिंक बूथ/महिला हेल्प डेस्क व्यवस्था हिंसा से प्रभावित महिलाओं को त्वरित सहायता और सुरक्षित माहौल देने के लिए महत्वपूर्ण मंच के रूप में काम कर रही है,जहां घरेलू हिंसा,दहेज उत्पीड़न या अन्य समस्याओं से जूझ रही महिलाएं मदद पा सकती हैं। निर्देशन में मिशन शक्ति 5.0 के तहत जनपद के 54 थानों में मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं,जहां महिलाओं की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए हैं फ्रइस जागरूकता अभियान में महिला आरक्षी लक्ष्मी देवी सहित पिंक बूथ 86 टीम सक्रिय।

विवाहिता ने ससुरालियों पर लगाया दहेज उत्पीड़न का आरोप, मुकदमा दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। आशियाना थाना क्षेत्र में रहने वाली एक विवाहिता ने अपने पति सहित ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट समेत जबरन गर्भपात करा तेजाब से चेहरा जलाने की धमकी देने का आरोप लगा नामजद मुकदमा दर्ज कराया हैं। आशियाना थाना थाना क्षेत्र के ख्वाजापुर रमाबाई निवासी दीपा पुत्री स्व. महेश राजपूत के अनुसार उसकी मुलाकात 17 फरवरी 2023 को इंस्टाग्राम के माध्यम से बांदा जनपद के बिसंडा क्षेत्र निवासी शिव हनुमान पटेल से हुई थी। आरोप है कि बातचीत बढ़ने के बाद युवक लखनऊ आकर किराये के कमरे में रहने लगा और डेढ़ वर्ष तक लिव-इन रिलेशन में रहे। इस दौरान युवक ने नौकरी लगने के बाद विवाह करने का आश्वासन दिया। पीड़िता के अनुसार, जब उसने गर्भवती होने की जानकारी दी तो युवक ने नाराज होकर उसके साथ मारपीट की और कथित रूप से जबरन दवा खिलाकर गर्भपात करा मंदिर में विवाह किया और बाद में कोर्ट मैरिज कर पति सहित ससुराल पक्ष ने पांच लाख रुपये नकद, टीवी, फ्रिज, एसी और गहनों की मांग की। दहेज न देने पर उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की गई तथा तेजाब से चेहरा जलाने की धमकी दी गई। पीड़िता का कहना है कि उसे अलग कमरे में रख दिया गया और पति ने उससे बातचीत बंद कर दी। घटना की जानकारी मिलने पर उसका भाई उसे मायके ले आया। पीड़िता की मां ने दहेज देने में असमर्थता जताई तो पति सहित ससुरालियों ने सम्पर्क बंद कर दिया। जिसके चलते उसने पति शिव हनुमान पटेल, ससुर राम लोचन पटेल, सास और ननद के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट और जबरन गर्भपात कराने के आरोप लगा स्थानीय आशियाना थाने मे पुलिस से लिखित नामजद शिकायत की है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कार्रवाई की जा रही है।

अर्जुना क्रिकेट लीग अंडर 16- 2026 आर्गानेकस्ट लाइफ साइंस ने पालिसी मंडी को 8 विकेट से तथा द क्रिकेट स्कूल को पिकैडली पैंथर ने 7 विकेट से हराया

लखनऊ- अर्जुना क्रिकेट लीग अंडर 16 सीजन 2026 के अंतर्गत आज दो मै च खेले गये, जिसमे आर्गानेकस्ट लाइफ साइंस ने पालिसी मंडी को 8 विकेट से, तथा द क्रिकेट स्कूल को पिकैडली पैंथर ने 7 विकेट से हराया।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। मल्टी एक्टिविटी ग्राउंड आशियाना मे चल रही किरन फाउंडेशन के तत्वावधान में रनिक स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित तथा जैन ज्वेलर्स के सरंक्षण में विख्यात क्रिकेट कोच दीपक त्रिपाठी के दिशानिर्देशों पर आयोजित अर्जुना क्रिकेट लीग अंडर 16 के आज के पहले मैच में आर्गानेकस्ट लाइफ साइंस ने पालिसी मंडी को 8 विकेट से करारी हार दी। टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पालिसी मंडी की टीम के बल्लेबाजो ने आर्गानेकस्ट लाइफ साइंस के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की, तथा 6 विकेट के नुक्सान पर 203 रनों का बढिया स्कोर खडा किया। साद अनीस ने 37 रन, चित्रांश पांडे ने 34 आदर्श मनधानी ने 28, प्रियांशु अग्रहरि ने 26 तथा कप्तान कार्तिक तिवारी के 24 रनों के संयुक् प्रयास से 6 विकेट के नुक्सान पर 203 रनों का मजबूत स्कोर खडा किया। आर्गानेकस्ट लाइफ साइंस की ओर से गेंदबाजी करते हुए अमन कुमार ने 35/2, उतकर्ष द्विवेदी ने 26/2, अक्षत तिवारी ने 36/1 तथा विरेन सिंह ने 33/1 विकेट हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आर्गानेकस्ट लाइफ साइंस की टीम ने हरीकिशन के 39 गेंदो पर धुआंधार 109 रनों की मदद से मात्र 17.2 ओवर 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया, हरीकिशन के अतिरिक्त उतकर्ष द्विवेदी ने 43 गेंदो पर 56, कृष्णा यादव वः 21 गेंदो पर 20, तथा विरेन पी सिंह ने 3 गेंदो पर 11 रन बनाए। पालिसी मंडी के गेंदबाजों मे से मात्र आयुष शर्मा ही एक विकेट हासिल करने में सफल रहे। दिन के दूसरे मैच में द क्रिकेट स्कूल को पिकैडली पैंथर ने 7 विकेट से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया, पहले बल्लेबाजी करते हुए द क्रिकेट स्कूल की टीम ने निर्धारित 30 ओवर्स मे से 24 ओवरो मे 110 रन बनाकर आल आउट हो गयी, द क्रिकेट स्कूल की ओर से नीरज कौशल ने 30 गेंदो पर 4 चौंको तथा एक छक्के की मदद से सर्वाधिक 34 रनों की तथा मोहम्मद हसनैन ने 27 गेंदो पर 5 चौंको की मदद से 29 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली अन्य कोई भी बल्लेबाज कोई उल्लेखनीय योगदान नही दे सका। पिकैडली पैंथर की ओर से घातक गेंदबाजी करते हुए अग्रिम पाण्डेय ने 6 ओवर की गेंदबाजी में 2 मेडन डालते हुए मात्र 6 रन देकर 3 विकेट, तथा शलोक असथाना ने 4 ओवर मे मात्र 13 रन खर्च कर 3 विकेट हासिल किए, प्रणव गुप्ता ने 32/2, आदित्य यादव ने 26/1, तथा तन्मय दिक्षित ने 5/1 विकेट हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पिकैडली पैंथर की टीम ने मात 13 ओवर मे 3 विकेट के नुक्सान पर लक्ष्य हासिल कर 7 विकेट से जीत दर्ज की। पिकैडली पैंथर की ओर से शलोक असथाना ने 25 गेंदो पर 5 चौंको तथा 4 गगनचुम्बी छक्को की मदद से 51 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली, आदित्य यादव 21 गेंदो पर 3 चौंको तथा 2 छक्को की मदद से 28 रन बनाए, काव्यांश सिंह ने 11/12 रन, शाश्वत यादव ने 13/10 रन, तथा प्रांजल मिश्रा 10 गेंदो पर 7 रन बनाकर नाबाद रहे। द क्रिकेट स्कूल की ओर से अजिजुर्रहमान, अभिषेक तथा मौर्या जी ने क्रमशः एक एक विकेट हासिल किया। आज के मैच मे मुख्य अतिथी अखिलेश शुक्ला सर तथा हिमांशु कालरा सर रहे, जिनका विख्यात कोच तथा टूर्नामेंट के संयोजक दीपक त्रिपाठी ने ग्राउंड पर स्वागत किया। मुख्य अतिथी अखिलेश शुक्ला सर तथा हिमांशु कालरा सर ने विजेता टीम के खिलाड़ियों को पुरुस्कृत किया तथा मैन आफ मैच रहे खिलाड़ियों को ट्राफी प्रदान की।

समाचार

निवेश के नाम पर जालसाजों ने ठगे 8.72 लाख रुपये, रिपोर्ट दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। आशियाना थाना क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति से जालसाजों ने निवेश के नाम पर आनलाइन 8.72 लाख रुपये यूपीआई द्वारा आनलाइन ठगी कर हडप लिये। आशियाना थाना इलाके स्थित सेक्टर आई निवासी मानसिंह पुत्र स्व नारायण दास ने बताया कि जालसाजों ने फोन कॉल और संदेश खुद को एक जर्मनी ट्रेडिंग प्लेटफार्म से जुड़ा बता निवेश करने के लिए उसे प्रेरित कर उससे 8,72,466 रुपये यूपीआई माध्यम से विभिन्न बैंक खातों में 19 बार मे ट्रांसफर करा हडप लिये। जिसके पश्चात उसने अपने संग ठगी का एहसास होने पर साइबर सेल हेल्पलाइन मे जानकारी दे स्थानीय आशियाना थाने मे पुलिस से लिखित शिकायत की है। पुलिस के अनुसार पीडित की शिकायत पर सोमवार को आईटी एक्ट की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर विधिक कारवाई की जा रही है।

सरकारी नौकरी में चयनित छात्रों को किया गया सम्मानित

तीसरा विकल्प न्यूज़ मोहम्मद अरशद

नजीबाबाद। सरकारी नौकरी के क्षेत्र में मेहनत कर रहे छात्र-छात्राओं के लिए नजीबाबाद में एक कोचिंग सेंटर चल रहा है, जिसमें लगातार कई वर्षों से विद्यार्थी सफलता हासिल कर रहे हैं। अवगत कराना है कि नजीबाबाद के नाइस कोचिंग सेंटर में सोमवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सभी चयनित छात्रों को मेडल से सम्मानित किया गया। कोचिंग सेंटर पर इस खुशी के अवसर पर मिठाइयां बांटी गई। नजीबाबाद का यह कोचिंग सेंटर यहां लगभग तेरह वर्षों से लगातार सरकारी नौकरी के क्षेत्र में बच्चों को सफलता प्रदान कराता रहा है। पूरनपुर गढ़ी निवासी यश बीएसएफ, गाजीपुर निवासी सुधांशु बीएसएफ, रानीपुर निवासी नितिन बीएसएफ, कमालपुर निवासी अक्षित सीआरपीएफ एवं सीतावाली निवासी अमन का सीआरपीएफ में सरकारी नौकरी के क्षेत्र में चयन होने पर परिवार वालों में खुशी की लहर है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि छज्जूमल विद्या मंदिर स्कूल के प्रधानाचार्य केशव शर्मा रहे, जिन्होंने चयनित छात्रों को मुबारकबाद दी एवं वहां अध्ययनरत छात्र छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की और अपना आशीर्वाद दिया।

सीबीएसई दसवीं में गणित के पेपर ने छात्रों को किया परेशान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई)और काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट इग्जामिनेशन (सीआईएससीई) की दसवीं व बारहवीं की परीक्षाएं शुरू हो गयी। सीबीएसई दसवीं में गणित का पेपर था और इंटर में बायोटेक्नोलॉजी व हिन्दी व अंग्रेजी शार्ट हैण्ड की परीक्षा थी। वहीं आईसीएसई की अंग्रेजी और आईएससी की गृहविज्ञान की परीक्षा थी। सीबीएसई में दसवीं की परीक्षा देकर निकले छात्रों ने बताया कि गणित के पेपर ने बहुत परेशान किया। केन्द्रीय विद्यालय के छात्र अजीत ने बताया कि हिन्दी का पेपर काफी लम्बा था। रिजल्ट कैसा रहेगा ये अभी कह नहीं सकते। वहीं दसवीं की छात्रा दिव्या ने बताया ने बताया कि मेरा पेपर बहुत अच्छा हुआ। मैंने समय रहते सभी सवाल कर लिए थे पर पेपर काफी टाइम टेकिंग रहा। कई छात्रों के पेपर छूट भी गए। परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा और निगरानी के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सीबीएसई ने पहली बार लखनऊ में रीजनल सेंटर बनाकर यहां से 31 जिलों की मॉनिटरिंग शुरू की है। जिला स्तर पर कंट्रोल रूम बनाकर परीक्षा की मॉनिटरिंग की जा रही है। इस बार बोर्ड परीक्षाओं में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं।

फिजिक्स में 90+ अंक कैसे लाएं- SUKHMA Study Point की रणनीति

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने के लिए सही मार्गदर्शन, नियमित अभ्यास तथा कॉन्सेप्ट की गहरी समझ अत्यंत आवश्यक है। इसी दिशा में कार्य करते हुए SUKHMA Study Point ने प्रत्येक वर्ष फिजिक्स विषय में शानदार सफलता प्राप्त कर अपनी गुणवत्ता सिद्ध की है। संस्थान के मार्गदर्शन में अनेक विद्यार्थियों ने लगातार 90+ अंक प्राप्त कर सफलता की नई ऊँचाइयाँ छुई हैं। इस वर्ष फिजिक्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्था का नाम रोशन करने वाले प्रमुख विद्यार्थी हैं। मोहम्मद अयान, मोहम्मद मुशाहिद, मेहरुन्निसा, मोहम्मद जीशान, इंद्रजीत तथा अन्य छात्र। भौतिक विज्ञान प्रवक्ता अमित कुमार के अनुसार फिजिक्स में उच्च अंक प्राप्त करने के लिए कॉन्सेप्ट की स्पष्ट समझ, न्यूमेरिकल का नियमित अभ्यास तथा डेरिवेशन और परिभाषाओं की मजबूत तैयारी अत्यंत आवश्यक है। यदि विद्यार्थी सही दिशा में निरंतर अभ्यास करें तो 90+ अंक प्राप्त करना कठिन नहीं है। फिजिक्स में 90+ अंक लाने के लिए महत्वपूर्ण टिप्स एनसीईआरटी और बेसिक कॉन्सेप्ट को मजबूत करें सभी महत्वपूर्ण न्यूमेरिकल का नियमित अभ्यास करें पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र अवश्य हल करें उत्तर स्टेप-वाइज तथा डायग्राम सहित लिखें परिभाषा और डेरिवेशन का बार-बार अभ्यास करें परीक्षा में समय प्रबंधन का विशेष ध्यान रखें।

यूपी बोर्ड की परीक्षाएं आज से बनाए गए है 121 केन्द्र

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाएं 18 फरवरी से 12 मार्च 2026 तक आयोजित की जाएंगी। राजधानी लखनऊ में परीक्षा के लिए 121 केन्द्र बनाए गए हैं। सभी केन्द्रों की निगरानी के लिए राजकीय जुबली इंटर कॉलेज में जिला स्तरीय कंट्रोल रूम बनाया गया है। यूपी बोर्ड की परीक्षा के पहले दिन हाईस्कूल और इंटरमीडियट में हिन्दी की परीक्षा होगी। राजधानी में कुल 1,03,088 छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं जिसमें हाई स्कूल में 51907 और इंटर में 51181 विद्यार्थी हैं। परीक्षा को लेकर शिक्षा विभाग की तरफ से सारी तैयारियां कर ली गयी है। भले ही शिक्षा विभाग की ओर से बोर्ड परीक्षाओं हेतु पूरी तैयारी कर ली गई हो लेकिन परीक्षा केंद्रों पर अधिकांश वाह्य कक्ष निरीक्षको ने अभी अपनी ड्यूटी ज्वाइन नही की है।

संपादकीय

'पिंक' और 'ब्लू' के बीच फंसी स्त्रियां

आम तौर पर यदि गर्भ में बच्ची हो, तो उसे बातचीत में पिंक-पिंक पुकारा जाता है। अपने देश में तो जन्म पूर्व बच्चे का लिंग जानना कानूनी अपराध है लेकिन पश्चिम में यह आम बात है। हां, वे भारतीय माता-पिता को इसे बताने से परहेज करते हैं। इसका कारण भारतीयों की विश्वभर में फैली यह बदनामी भी है कि वे यह पता चलते ही कि गर्भ में लड़की है, उससे निजात पाने की कोशिश करते हैं। यह भी ताज्जुब होता है कि स्त्रियों को पिंक पुकारा जाए। पिंक माने गुलाबी का मतलब खुशियां और कोमलता होता है लेकिन स्त्रियों की जिंदगी की मुश्किलों को देखते हुए उन्हें इस उपाधि से विभूषित करना जैसे उनकी चुनौतियों को किसी रैपर के नीचे दबाना मालूम पड़ता है। लेकिन शायद आप जानते ही होंगे कि कम्पनियां महिलाओं के लिए जो उत्पाद बनाती हैं, उनमें से अधिकांश पिंक रैपर में होते हैं। इन्हें तरह-तरह की खुशबुओं से भरा जाता है। इन्हें आकर्षक ढंग से पैक किया जाता है। यह भी बताया जाता है कि इस तरह के उत्पादों को लांच करके महिलाओं को स्पैशल फील कराया जाता है। इन उत्पादों को महिलाओं के लिए जरूरी कह कर भी बेचा जाता है। इसे उनकी जीवन शैली और बहुत बार अच्छे स्वास्थ्य से जोड़कर भी पेश किया जाता है। जबकि वास्तविक रूप में इनका स्वास्थ्य से कोई लेना-देना नहीं होता। कई ऐसे सर्वे करके यह निष्कर्ष निकाल लिया गया है कि महिलाओं को यदि कोई ब्रांड या उत्पाद आकर्षित करता है, तो वे ज्यादा कीमत चुकाने के लिए भी तैयार होती हैं। यह भी कहा जाता है कि उनके लिए जो चीजें बनाई जा रही हैं, उनकी क्वालिटी अच्छी है। उनमें बेहतरीन सामान का इस्तेमाल किया गया है। इन उत्पादों की कीमत भी अधिक होती है। इसे पिंक टैक्स कहा जाता है। यानी पुरुषों के मुकाबले महिला उत्पादों की कीमत कम्पनियां ज्यादा रखती हैं। कमाल है न कि सिर्फ महिला होने के नाते अधिक कीमत देनी पड़े। आखिर कौन सी अर्थ प्रणाली ऐसा कहती है। इसे लैंगिक समानता से भी जोड़ा जाता है, जबकि है यह असमानता। दरअसल यह कम्पनियों की मार्कीटिंग स्ट्रैटेजी है, जिससे कि वे लैंगिक समानता की बातें करके महिलाओं की जेब से अधिक से अधिक पैसे निकाल सकें। महिलाओं के लिए तमाम तरह के उत्पाद बनाने वालों की सोच यह भी है कि वे अपने लिए बनाए गए सामान पर अधिक कीमत देने के लिए तैयार होती हैं। कई बार तो लगता है कि महिलाओं को शायद इस बात का पता ही नहीं है। और यह भी कि कीमतों की यह बढ़ौतरी या टैक्स सरकार की तरफ से नहीं लगाया जाता। इसे कम्पनियां ही तय करती हैं कि महिलाओं के उत्पाद पुरुषों के लिए काम आने वाले उत्पादों से महंगे बेचने हैं। ध्यान दें तो कम्पनियों की यह रणनीति उन महिलाओं के लिए है, जो शिक्षित हैं, आत्मनिर्भर हैं। जिनकी जेब में पैसा है, जो खरीदने का निर्णय स्वयं ले सकती हैं। ये स्त्रियां ही इन कम्पनियों की टारगेट हैं। लेकिन वे महिलाएं भी तो हैं, जो आत्मनिर्भर नहीं हैं या इतने पैसे नहीं कमातीं कि एक से एक महंगे उत्पाद खरीद सकें। इन महिलाओं की संख्या बहुत ज्यादा है। उत्पाद बनाने वालों को क्या इनकी जरूरत नहीं। वे इन्हें अपना उपभोक्ता क्यों नहीं बनाना चाहते। हालांकि यह भी सच्चाई है कि जिसकी जेब में ज्यादा पैसा होता है, महंगे उत्पादों तक उनकी ही पहुंच होती है। कम्पनियों का जुनून भी इन्हें ही अपनी तरफ खींचना होता है। हां बात जरूर महिला स्वतंत्रता और लैंगिक अधिकारों की की जाती है। अपने देश में भी ऐसे विज्ञापन अक्सर देखे जाते हैं, जहां किसी कार, किसी वाशिंग मशीन, किसी मोबाइल को खरीदने वाली स्त्रियों को एम्पावर्ड या शक्तिशाली दिखाया जाता है। वे ही तरह-तरह के साबुन, शैम्पू और गहने बेचती दिखाई देती हैं। यानी कि स्त्री के सशक्तिकरण को तमाम तरह की उपभोक्ता वस्तुओं से जोड़ दिया गया है। हर अच्छे नारे को अक्सर व्यापार अपने फायदे में बदल देता है। इसीलिए अगर ध्यान से देखें तो सजी-संवरी स्त्री जो ऊपर से नीचे तक किसी न किसी उत्पाद से ढकी होती है, उसे आम मेहनतकश स्त्री के मुकाबले ज्यादा सशक्त की तरह पेश किया जाता है। वे साधनहीन स्त्रियां किसी का टारगेट नहीं होतीं, जिनकी जेब में पैसे नहीं हैं। इन दिनों चूंकि मध्यमवर्ग की स्त्रियां अधिक खरीददारी करती हैं। वे अपने को अच्छा भी दिखाना चाहती हैं तो सबकी नजर उन्हीं पर रहती है। पिंक टैक्स भी ऐसा ही है, जो इन स्त्रियों की जेब और पर्स पर पैनी नजर रखता है। अमरीका के न्यूयार्क में कंज्यूमर अफेयर्स डिपार्टमैंट ने एक सर्वे में पाया था कि महिलाओं को अपने उत्पादों पर 7 प्रतिशत अधिक कीमत देनी पड़ती है। यह टैक्स या कीमत 13 प्रतिशत अधिक भी हो सकती है। ब्रिटेन में तो कई उत्पादों की कीमत 34.28 प्रतिशत अधिक है। दूसरे देशों की तरह भारत में भी महिलाओं के लिए बनाए गए इस तरह के उत्पादों की बढ़ी कीमत पर कोई कानूनी रोक भी नहीं है। इसलिए कम्पनियां जैसी चाहे, वैसी कीमत रखती हैं। महिलाओं के साथ होने वाले इस भेदभाव पर ध्यान देने की जरूरत है।

सावरकर को 'भारत रत्न' देने की मांग को लेकर विवाद

हिंदू विचारक विनायक दामोदर सावरकर को भारत रत्न देने की मांग ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष और भाजपा के बीच चल रही राजनीतिक बहस को फिर से शुरू कर दिया है, जिससे उनके विचारों, विश्वासों और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भूमिका को लेकर गहरे मतभेद सामने आए हैं। इस मुद्दे ने पहली बार 2019 में बड़ा राजनीतिक तूल पकड़ा, जब भाजपा की महाराष्ट्र इकाई ने सावरकर को भारत रत्न देने की सिफारिश की, जबकि कांग्रेस ने इस पर तीखा हमला किया। यह मांग 2024 में भी फिर से उठी, जब शिवसेना (यू.बी.टी.) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सवाल किया कि सावरकर को भारत रत्न पुरस्कार क्यों नहीं दिया गया। 1883 में नासिक के पास भगूर में दामोदर और राधाबाई सावरकर के घर जन्मे, उनकी शुरुआती जिंदगी उत्तरजीविता और व्यावहारिक चयनों से भरी थी, जैसे कि अंग्रेजों से बातचीत करना और दया याचिकाएं दायर करना, जिसने उनकी जटिल विरासत को आकार दिया। बहुत से लोग सावरकर को भारत रत्न देने का विरोध करते हैं क्योंकि उन्होंने अंडेमान की सेलुलर जेल से अंग्रेजों को दया याचिकाएं लिखी थीं। आलोचकों का मानना है कि ये याचिकाएं सालों की कुर्बानी से ज्यादा कमजोरी दिखाती हैं। टॉर्चर खत्म करके नॉर्मल जिंदगी में लौटना इंसान की एक स्वाभाविक इच्छा है। सावरकर ने शहीद बनने की बजाय जिंदा रहना चुना। उनका मानना था कि एक जिंदा क्रांतिकारी, भले ही उसे पाबंद किया गया हो, अंडेमान में मरे हुए हीरो से ज्यादा देश के लिए कर सकता है। सावरकर ने ब्रिटिश सरकार से अपनी याचिकाओं में माफी नहीं मांगी। एक काबिल वकील होने के नाते, उन्होंने कैदियों की स्थिति पर सफाई मांगी। उन्होंने कहा कि उन्हें इस डरावनी जगह पर बिना यह जाने कि उन्हें आम कैदी माना जाता है या पॉलिटिकल कैदी, कैद कर दिया गया था। सावरकर को इस शर्त पर रिहा किया गया कि वह पॉलिटिक्स में शामिल नहीं हो सकते और उन्हें रत्नागिरी जिले में ही रहना होगा। सावरकर ने खुद को एक समाज सुधारक के तौर पर पेश किया जो छुआछूत को खत्म करने के लिए समर्पित थे, इस मुद्दे पर उन्होंने बहुत काम किया। हालांकि, उन्होंने क्रांतिकारी आंदोलन के लिए भूमिगत समर्थन भी बनाए रखा। उन्होंने रत्नागिरी में पतित पावन नाम का एक मंदिर बनवाया, जो सभी समुदायों और जातियों के लोगों के लिए खुला था। इस पहल से ऊंची जाति के हिंदू परेशान हो गए। हाल ही में नेहरू आर्काइव से मिले दस्तावेजों से पता चलता है कि भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को विनायक दामोदर सावरकर को देश का सबसे बड़ा नागरिक सम्मान भारत रत्न न देने की सलाह दी थी। यह बात सावरकर की विरासत और इससे पैदा हुए राजनीतिक मतभेदों को लेकर चल रही बहस को और गहरा करती है।

एआई समिट नयी चुनौतियां

> सोमवार 16 फरवरी से नयी दिल्ली में भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की शुरुआत हुई, जो 20 फरवरी तक चलेगी। एआई पर यह दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा कार्यक्रम है, जिसमें कम से कम 20 देशों के राष्ट्रप्रमुख, 50 से ज्यादा मंत्री और 40 से ज्यादा बड़े सीईओ हिस्सा लेने आ रहे हैं

सोमवार 16 फरवरी से नयी दिल्ली में भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की शुरुआत हुई, जो 20 फरवरी तक चलेगी। एआई पर यह दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा कार्यक्रम है, जिसमें कम से कम 20 देशों के राष्ट्रप्रमुख, 50 से ज्यादा मंत्री और 40 से ज्यादा बड़े सीईओ हिस्सा लेने आ रहे हैं। गूगल के सुंदर पिचाई, ओपन एआई के सैम ऑल्टमैन, एंथ्रोपिक के डेरियो अमोडी, माइक्रोसॉफ्ट के ब्रैड स्मिथ, एडोब के शांतनु नारायण जैसे तकनीकी क्षेत्र के दिग्गजों के अलावा फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ब्राजील के राष्ट्रपति लुला दा सिल्वा भी इसमें शामिल हो रहे हैं। इन तमाम बड़ी हस्तियों की एक साथ एक बैनर के नीचे उपस्थिति यह बता रही है कि दुनिया ने एक बड़े बदलाव की तरफ कदम बढ़ा लिया है, जो ऊपरी तौर पर केवल तकनीकी से जुड़ा नजर आता है, लेकिन असल में इसका असर जिंदगी के हर हिस्से पर पड़ना शुरु हो चुका है। एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस या कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब हर क्षेत्र में दिखाई देने लगी है। विज्ञान, शिक्षा, चिकित्सा, कृषि, व्यापार हर जगह अब एआई का सहयोग लिया जा रहा है। दशकों तक भू राजनैतिक आकलन बंद दरवाजों के पीछे विदेशी राजनयिकों और जांच एजेंसियों के भरोसे होता रहा, क्योंकि सरकारी दस्तावेज और अंदरूनी खबरों तक इन्हीं की पहुंच होती थी। थिंक टैंक्स, रिस्क एनालिस्ट्स (जोखिम विश्लेषकों) या मीडिया के आकलन सब राजनयिकों और जांच एजेंसियों के सूत्रों पर निर्भर होते थे। लेकिन अब एआई ने यह परिदृश्य भी बदल दिया है। अब एआई की मदद से विभिन्न देशों में लिए जा रहे फैसलों, सेटेलाइट छवियों, आयात-निर्यात, पूंजी का प्रवाह, मीडिया में चलाई जा रही खबरों सब पर निगाह रखने के साथ तुरंत ही उसका विश्लेषण भी किया जा रहा है। नतीजा ये है कि एक देश के हालात का असर दूसरे देश पर पड़ने में पहले जितना वक्त लगता था, अब वो कुछ पलों में सिमट चुका है। ऐसे महत्वपूर्ण समय परिदृश्य में भारत में इस एआई समिट के होने के खास मायने हैं, क्योंकि दुनिया इसे ग्लोबल साउथ की बढ़ती ताकत के नजरिए से देख रही है। औपनिवेशिक दासता से मुक्त देश तीसरी दुनिया कहलाते रहे हैं, अब एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका के ऐसे तमाम देश ग्लोबल साउथ का हिस्सा कहलाते हैं। ग्लोबल साउथ एक भौगोलिक शब्द न होकर भू-राजनीतिक और आर्थिक धारणा है। एआई समिट का भारत में होना तीसरी दुनिया के उन तमाम देशों के लिए भी महत्वपूर्ण हो गया है, जिनके डेटा तक वैश्विक शक्तियों की पहुंच है। इन देशों के राजनैतिक, आर्थिक फैसलों पर वैश्विक शक्तियां इसी डेटा की मदद से प्रभाव डालती हैं। और इसमें एआई की मदद ली जाती है। ऐसे में इस समिट के दौरान कुछ बड़े सवाल सामने आ रहे हैं, जैसे क्या भारत बड़ी वैश्विक शक्तियों के सामने अपने डेटा को सुरक्षित रखने के लिए आवाज उठा सकेगा, क्योंकि राहुल गांधी ने संसद में और बाद में भी एआई के खतरों और संभावनाओं दोनों को खुल कर सरकार के सामने रखा है। राहुल ने कहा, एआई क्रांति आ गई है, जो खतरे और मौके दोनों लेकर आ रही है। आईटी और सर्विसेज सेक्टर, हमारी अर्थव्यवस्था का चमकता सितारा है वो खतरे में है। अगर हम आने वाले तूफान के लिए तैयार नहीं हुए तो हजारों सॉफ्टवेयर इंजीनियर और प्रोफेशनल अपनी रोजी-रोटी खो देंगे लेकिन हमारे पास मौके भी हैं। राहुल गांधी ने कहा, डेटा वो पेट्रोल है जो एआई इंजन को चलाता है। जैसा कि मैंने संसद में कहा था कि भारत की सबसे बड़ी संपत्ति हमारे शानदार लोग हैं और वह बहुत सारा डेटा जो हम बनाते हैं। राहुल ने एआई समिट की मेजबानी पर कहा कि यह भारत के लिए नेतृत्व दिखाने का एक मौका होना चाहिए था, यह दिखाने का कि 1.4 बिलियन लोगों का देश अपने डेटा का इस्तेमाल करके ग्लोबल एआई फ्यूचर को अपनी शर्तों पर कैसे बना सकता है। लेकिन बेबस प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रेड डील में अमेरिका के श्चोकहोल्ड्य के आगे समर्पण कर दिया है। राहुल ने देश को सावधान करते हुए कहा कि श्भारत में 1.5 बिलियन भारतीयों का डेटा सुरक्षित रूप से स्टोर करनाश, श्अपने सोर्स कोड और एल्गोरिदम में पारदर्शिता लानाश, श्हमारे डेटा का इस्तेमाल करके होने वाले मुनाफे पर टैक्स लगाना मुश्किल होगी। राजनैतिक पूर्वाग्रह से ऊपर उठकर राहुल गांधी की इस बात पर ध्यान देने की जरूरत है। क्योंकि अभी भारत को यह देखना है कि हमारा आईटी सेक्टर एआई के इस दौर के लिए कब पूरी तरह तैयार होगा। चौट जीपीटी जैसे बड़े लार्ज लैंग्वेज मॉडल भारत को खुद बनाने चाहिए, या छोटे-छोटे सेक्टर जैसे कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा के लिए खास एआई टूल पर फोकस करना चाहिएय एआई को चलाने के लिए बहुत सारे डेटा सेंटर चाहिए, जो बिजली और पानी बहुत इस्तेमाल करते हैं। क्या इससे पर्यावरण को नुकसान होगा? ऐसे कई सवालों पर इस समिट में चर्चा हो, तभी इसकी सार्थकता है। वैसे भारत सरकार ने इरादा जताया है कि एआई सिर्फ बड़े देशों का खेल न रहे, बल्कि सभी देशों के लिए फायदेमंद हो। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी सेक्रेटरी एस कृष्णन ने कहा है कि हमारा ध्यान पीपल, प्लैनेट और प्रोग्रेस पर है। यानी एआई ऐसे बने जो आम लोगों की समस्याएं हल करे, पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाए और प्रगति करे। वहीं इंडिया एआई मिशन के सीईओ अभिषेक सिंह ने कहा, श्अभी एआई कुछ ही देशों में बनता है और बाकी दुनिया सिर्फ इस्तेमाल करती है।

नागरिक परिक्रमा- संजय पराते की राजनैतिक टिप्पणियां

1. योजनाएं आदिवासियों के नाम पर और कल्याण कॉरपोरेटों का!

यह सरकार आदिवासी हितों की लंबी चौड़ी बातें करती हैं, लेकिन विकास के जिस रास्ते पर वह चल रही है, वह मात्र कॉरपोरेटों के विकास का ही रास्ता है। संसद में पेश बजट के छिलके जैसे-जैसे उतर रहे हैं, वैसे-वैसे इस सरकार का आदिवासी विरोधी चेहरा साफ नजर आता है। योजना आयोग ने सरकार को बजट में कुल खर्च का 8.6 प्रतिशत अनुसूचित जनजातियों पर खर्च करने का निर्देश दिया है, जो आबादी में उनके हिस्से के बराबर है। मोदी सरकार बजट पेपर्स के हिस्से के तौर पर 卐अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिए आबंटन卐 नाम से एक अलग स्टेटमेंट नंबर 10ब प्रकाशित करती है, जिसमें हर मंत्रालय से आदिवासी जनजातियों के लिए अपने आबंटन की एक राशि खर्च करने की उम्मीद की जाती है। 2025-2026 आबंटित की गई राशि कुल बजट का सिर्फ 2.58 प्रतिशत थी। लेकिन यह भी खर्च नहीं हुआ। कुल आबंटन 1.3 लाख करोड़ रखा गया था, लेकिन इसमें से 7000 करोड़ से ज़्यादा खर्च नहीं हुए। लेकिन स्टेटमेंट नंबर 10ब में दिखाए गए तथाकथित खर्च का भी असल में आदिवासी कल्याण से कोई लेना-देना नहीं है। उदाहरण के लिए, आईआईटी में अनुसूचित जनजातियों के लिए 700 करोड़ रूपयों से ज़्यादा खर्च होना बताया गया हैं। लेकिन, आरटीआई के जवाबों से पता चलता है कि कई आईआईटी में अनुसूचित जनजाति के सिर्फ़ 2 प्रतिशत छात्र ही पढ़ रहे थे, जो उनके लिए निर्धारित 7.5 प्रतिशत के आरक्षण से बहुत कम है, और कई विभागों में तो अनुसूचित जनजाति के छात्रों की संख्या शून्य थी। तो ऐसे आईआईटी पर खर्च किए गए 700 करोड़ को अनुसूचित जनजाति के कल्याण के लिए खर्च के तौर पर कैसे बताया जा सकता है? एक और धोखा यह है कि 卐सेमी-कंडक्टर इकाईयां卐 बनाने में 561 करोड़ रुपये अनुसूचित जनजाति के लिए कल्याण के तौर पर डाले गए हैं। इनमें से ज़्यादातर इकाईयां निजी क्षेत्र में हैं। वैसे भी इसका अनुसूचित जनजाति के कल्याण से क्या लेना-देना है? ऐसे कई उदाहरण हैं। प्रधानमंत्री ने झारखंड विधान सभा चुनाव से पहले, खास तौर पर कमजोर आदिवासी समूह (पीवीटीजी) के लिए बनाए गए एक नए कार्यक्रम, जनमन योजना की घोषणा की थी। यह लगभग नौ मंत्रालयों का एक कन्वर्जेंस कार्यक्रम था। स्टेटमेंट 10बब के अनुसार, 2025-2026 में इस योजना के तहत सभी मंत्रालयों पर 6351.99 करोड़ रूपये खर्च किए जाने थे। लेकिन सिर्फ 3997 करोड़ रूपये ही खर्च हुए। इस वर्ष 2026-2027 के लिए आबंटित की गई रकम इससे भी कम है। साफ है कि पीवीटीजी की भलाई प्राथमिकता में नहीं है। इसी प्रकार, एक और फ्लैगशिप योजना का नाम धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान है। इसमें 17 मंत्रालयों को शामिल किया जाना था। इस योजना के तहत भी, 2025-26 में दिए गए 6105 करोड़ रूपये में से असल में सिर्फ़ 2186 करोड़ रूपये ही खर्च हुए। एकलव्य स्कूलों का भी हाल देखिए। दो साल पहले वित्त मंत्री का भाषण मोदी सरकार के अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए बेहतरीन स्कूल देने के वादे की तारीफ़ से भरा था। लेकिन हुआ क्या? पिछले साल 7088.60 करोड़ रुपये आबंटित किए गए थे, लेकिन इस साल के बजट के आंकड़े बताते हैं कि सिर्फ़ 4900 करोड़ रूपये ही खर्च किए गए। यह बहुत बुरी हालत है। ऐसे 728 स्कूलों के लक्ष्य में से 245 अभी तक नहीं बने हैं। लगभग 476 स्कूल, जो चालू बताए जा रहे हैं, उनमें से कई में ज़रूरी शिक्षक नहीं हैं। और फिर भी, जो पैसा दिया गया था, वह खर्च नहीं हुआ। आदिवासी इलाकों के स्कूलों के लिए कोई अलग से फंडिंग नहीं है। इनमें से बहुत सारे स्कूल 卐विलय卐 के नाम पर बंद कर दिए गए हैं। प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए मिलने वाली राशि का एक तिहाई रकम भी खर्च नहीं हुआ है। सबसे ज़्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि आदिवासी मामलों का मंत्रालय, जो आदिवासी कल्याण के लिए नोडल एजेंसी है, का भी आदिवासी कल्याण के लिए खर्च न करने का रिकॉर्ड सबसे खराब है। याद कीजिए कि पिछले साल कैसे सरकार ने डींगें हांकी थीं कि उसने अनुसूचित जनजातियों के लिए रकम में भारी बढ़ोतरी की है। लेकिन अब यह साफ़ है कि आबंटित 14861.96 करोड़ रुपये में से असल में सिर्फ़ 10745.16 करोड़ रुपये ही खर्च किए गए। दूसरे शब्दों में, इस मंत्रालय ने 4116.80 करोड़ रूपये या आबंटित राशि का लगभग 35 प्रतिशत खर्च नहीं किया। यह आदिवासी हितों के साथ बहुत बड़ा धोखा है। असल में, इस बात का कोई सही ऑडिट नहीं होता कि मंत्रालय उनको आबंटित सारा पैसा क्यों नहीं खर्च कर रहे हैं? यह ऐसे समय में हो रहा है, जब लाखों आदिवासी तथाकथित विकास परियोजनाओं जैसे खनन, निजी क्षेत्र की बिजली और सिंचाई परियोजनाओं आदि की वजह से बेघर हो रहे हैं। सरकार ने अपनी निजीकरण की नीतियों के चलते सार्वजनिक संपत्ति को कॉरपोरेटों को सौंपकर विनिवेश से करीब 90,000 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। इसका आदिवासियों के जल, ज़मीन और जंगल के अधिकारों पर सीधे-सीधे नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इसी प्रकार, इस बजट में लोगों से सीधे जुड़े सबसे ज़रूरी मुद्दों, जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, श्रम, महिला और बाल कल्याण पर मोदी सरकार ने अपने खर्च में 1.20 लाख करोड़ रुपये की भारी कटौती की है, जो पहले कभी नहीं हुई थी। इसका ग्रामीण जन जीवन पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा, लेकिन सामाजिक संकेतकों में आदिवासियों और दूसरे तबकों के बीच ज्यादा अंतर के कारण ज्यादातर आदिवासी ही सबसे ज़्यादा प्रभावित होंगे। मनरेगा को खत्म किए जाने का सबसे ज्यादा प्रभाव भी इसी तबके पर पड़ेगा, क्योंकि अपनी आबादी से दुगुने से भी ज्यादा और कुल मनरेगा मजदूरों का लगभग 20 प्रतिशत रोजगार की गारंटी देने वाली इसी योजना में काम करता था। राम के नाम पर अब यह गारंटी भी उनसे छीन ली गई है।

2. देश में बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था

द टाइम्स ऑफ़ इंडिया ने 1 फरवरी, 2026 को चंडीगढ़ से एक रिपोर्ट छापी, जिसमें फरीदाबाद के एक मज़दूर की दुर्दशा पर ध्यान दिलाया गया था, जिसे अपनी मृत पत्नी का शव एक सब्जी की गाड़ी पर घर ले जाना पड़ा, क्योंकि परिवार का सारा पैसा इलाज पर खर्च हो गया था और वे निजी एम्बुलेंस का खर्च नहीं उठा सकते थे। उसी अखबार में तीन दिन बाद एक और खबर छपी कि नोएडा में एक परिवार ने दावा किया कि उन्हें अपने 24 साल के मृत व्यक्ति के लिए कफ़न और मदद देने से मना कर दिया गया, जब तक कि वे पोस्टमार्टम केंद्र में 3,000 रुपये अतिरिक्त नहीं पटाते। कुछ दिन पहले, दिल्ली के बीएलके मैक्स अस्पताल पर आरोप लगा कि उसने एक मृत मरीज़ का शव तब तक नहीं छोड़ा, जब तक कि 1 लाख रुपये अतिरिक्त नहीं दिए गए, जबकि पहले की अदायगी की जा चुकी थी। ये उन परेशान करने वाली कई कहानियों में से सिर्फ़ तीन हैं, जो मीडिया में नियमित रूप से रिपोर्ट की जाती हैं। अगर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में यह स्थिति है, तो देश के ज़्यादातर दूसरे हिस्सों में आम लोगों के स्वास्थ्य की हालत के बारे में सोचना भी डरावना लगता है। बस्तर के आदिवासी क्षेत्रों की स्वास्थ्य सेवाओं की कहानियां तो राजधानी दिल्ली के मामलों को पीछे छोड़ देती हैं, लेकिन ये कहानियां कभी राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियां नहीं बनतीं। ये दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएँ दिखाती हैं कि दशकों के नवउदारवादी सुधारों और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सार्वजनिक निवेश में गिरावट के कारण सार्वजनिक स्वास्थ्य अधोसंरचना के कमजोर होने और निजी प्रदाताओं पर बढ़ती निर्भरता की वजह से आबादी का एक बड़ा हिस्सा कैसे वंचित और परेशान है। सरकार अपनी जीडीपी का सिर्फ़ 1.5 प्रतिशत ही सार्वजनिक स्वास्थ्य पर खर्च करती है, जिसकी वजह से लाखों लोग अपनी जेब से खर्च करने पर मजबूर हैं। दरअसल, सार्वजनिक स्वास्थ्य का धीरे-धीरे लाभ से संचालित माल के रूप में रूपांतरण हो रहा है। इसके कारण हर साल 5.5 करोड़ से ज़्यादा लोग गरीबी की दलदल में धकेले जा रहे हैं। इसके साथ ही, पारंपरिक दवा के नाम पर अवैज्ञानिक तरीकों और उपचार को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। पिछले एक दशक से मोदी सरकार जिन नवउदारवादी नीतियों को लागू कर रही है, उस ने स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में सार्वभौमिकता, समानता और पहुंच के सिद्धांतों को कमज़ोर किया है, जबकि कॉर्पोरेट अस्पतालों की श्रृंखला, बीमा-आधारित मॉडल और निजी निवेश हिस्सेदारी के एकीकरण को तेज़ किया है। इसका नतीजा है कि अब स्वास्थ्य देखभाल की लगभग 80 प्रतिशत सेवाएं निजी क्षेत्र द्वारा दी जाती हैं, जिसके पास 60 प्रतिशत से ज़्यादा हॉस्पिटल और बिस्तर हैं। पिछले एक दशक में, निजी स्वास्थ्य देखभाल का क्षेत्र 25 प्रतिशत से ज़्यादा की सालाना दर से बढ़ा है, जिससे दो स्तरीय व्यवस्था मज़बूत हुई है, जिसमें अमीर लोगों को आधुनिक चिकित्सा देखभाल मिलती है, जबकि ज़्यादातर लोगों को वंचना तथा अपर्याप्त और अवहनीय सेवाओं का सामना करना पड़ता है। घर-परिवारों का स्वास्थ्य पर होने वाले खर्च का लगभग 70 प्रतिशत खर्च दवाओं पर होता है और आम जनता की कम आय और गिरती क्रयशक्ति के कारण जीवन रक्षक दवाओं तक उसकी पहुंच लगातार मुश्किल होती जा रही है। एक और बड़ी चिंता की बात है कि आयुष्मान भारत जैसी केंद्र द्वारा लागू की गई योजनाएं राज्यों की स्वायत्तता को कमजोर करती हैं और अलग-अलग स्थानीय स्वास्थ्य ज़रूरतों का ध्यान रखने में नाकाम रहती हैं। केंद्र सरकार का यह रुख केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों के प्रयासों को कमजोर करता है, जहाँ लगातार बढ़ते सार्वजनिक निवेश से बेहतर स्वास्थ्य नतीजे मिले हैं।यह भी ध्यान देने की बात है कि स्वास्थ्य के नतीजे पोषण, रोज़गार, आवास, साफ़-सफ़ाई, पर्यावरण और भेदभाव से आज़ादी जैसे बड़े सामाजिक कारकों से अलग नहीं किए जा सकते। देश के विभिन्न हिस्सों और तबकों में भारी आर्थिक असमानता का सबसे ज्यादा स्वास्थ्यगत प्रभाव सामाजिक रूप से पिछड़े तबकों विशेषकर आदिवासियों और दलितों पर पड़ता है।इस स्थिति का मुकाबला करने के लिए नीतियों में बदलाव की जरूरत है, जिसके तहत स्वास्थ्य देखभाल को एक मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता देने और जीडीपी का कम से कम 5 प्रतिशत सार्वजनिक खर्च करने जैसे कदम उठाए जाने चाहिए और सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित और सार्वजनिक रूप से चलाई जाने वाली स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करना, सार्वजनिक क्षेत्र में दवाओं के उत्पादन को फिर से शुरू करना, निजी अस्पतालों को विनियमित करना और पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप की आड़ में किए जा रहे निजीकरण को खत्म करना, सस्ती दवाएं सुनिश्चित करना, खाद्य सुरक्षा और पोषण को मजबूत करना जरूरी है। स्वास्थ्य को हमारी राजनीति का एक बड़ा और प्रमुख मुद्दा बनाया जाना चाहिए, ताकि एक लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और जनोन्मुख सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को हासिल किया जा सके।

लोकतंत्र में राइट टू रीकॉल की चर्चा जरूरी

इस अधिकार के जमीनी स्तर पर आने से सबसे पहले भ्रष्टाचार पर नकेल कसेगी, आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवार को जनता नहीं चुनेगी और प्रतिनिधि जनता की सेवा और उनके कल्याण के कामों को करने के लिए जवाबदेह रहेगा। क्योंकि ये बात तो तय है कि लोकतंत्र को और मजबूत करने के लिए विशेषकर युवावर्ग में इसके प्रति विश्वास पैदा करना होगा। क्योंकि वोट प्रतिशत का गिरना लोकतंत्र की नींव को हिला रहा है। इस नींव की मजबूती के लिए सभी राजनीतिक पार्टियों को एक मंच पर आना ही होगा। क्योंकि इस प्रकार के निर्णय दूरगामी प्रभाव डालते हैं

अभी हाल में ही आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा द्वारा राइट टू रीकॉल मुद्दे को संसद में उठाया गया, जो वर्तमान की राजनीति और राजनीतिज्ञों की स्थिति को देखकर जरूर इस विषय पर विचार-विमर्श किया जाना चाहिए। क्योंकि लोकतंत्र यानी कि लोगों के लिए, लोगों के द्वारा और लोगों की सरकार, लेकिन क्या तंत्र असलियत में अपना राजधर्म निभा रहा है, इसका निर्णय भी जनता को ही करना चाहिए। हमारा दायित्व सिर्फ वोट डालने तक ही सीमित नहीं होना चाहिए। हालांकि यह आंकड़ा भी चुनावों के दौरान औसतन 50 से 60 प्रतिशत से अधिक नहीं हो पाता। शेष बची 40 से 45 प्रतिशत जनता इसलिए वोट नहीं डालती कि उन्हें उम्मीदवार पसंद नहीं था, उन्हें वोट डालना पसंद नहीं था या वो वर्तमान के राजनीतिक हालात से खुश नहीं हैं। ऐसी कई संभावनाएं हैं जो वोट के प्रतिशत को चुनाव आयोग के कई आयोजनों के बावजूद नहीं बढ़ा पा रहा है। बेशक वोटरों को नोटा जैसा प्रावधान दिया गया हो, लेकिन इसके अलावा राइट टू रीकॉल रूपी हथियार को मजबूती दी जाए तो जरूर लोकतंत्र जमीनी स्तर तक वोटरों की भारी भागीदारी के साथ ऊंचे मुकाम पर पहुंचेगा। राइट टू रीकॉल के अधिकार के इतिहास की बात करें तो प्राचीन एथेंसवासियों में यह प्रथा प्रचलित थी। प्रत्येक वर्ष की निश्चित तिथि पर वे निष्कासन प्रक्रिया का आयोजन करते थे। इस अवसर पर सभी नागरिकों को किसी पात्र में निष्कासन योग्य व्यक्ति का नाम लिखना होता था। जिस व्यक्ति के नाम के सबसे ज्यादा पत्र मिलते थे, उसे 10 महीने के लिए शहर से बाहर निकाल दिया जाता था। यह प्रक्रिया बेशक उस समय भ्रष्ट व तानाशाह प्रवृत्ति पर लगाम जरूर लगाती रहेगी।

आज भी ऐसी प्रक्रिया विश्व के 24 से ज्यादा देशों में चल रही है, जिसे राइट टू रिकॉल का नाम दिया गया है। इस प्रक्रिया में मतदाताओं को किसी प्रतिनिधि को उसके कार्यकाल से पहले ही निष्कासित करने का अधिकार होता है। वर्ष 1995 से ब्रिटिश कोलंबिया और कनाडा विधानसभाओं ने मतदाताओं को ऐसा अधिकार दे रखा है। अमेरिका के जार्जिया, अलास्का, केन्सास जैसे राज्यों में भी ऐसी व्यवस्था है। जबकि वाशिंगटन में ऐसी प्रक्रिया तभी अपनाई जाती है अगर किसी प्रतिनिधि के बुरे आचरण या अपराध में शामिल होना प्रमाणित हो जाए। अगर अपने देश भारत की बात की जाए तो राइट टू रिकॉल की शुरुआत हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के घोषणापत्र में सचिंद्र नाथ सान्याल ने 1924 में की थी। उस घोषणापत्र में लिखा था कि इस गणराज्य में मतदाओं को अपने प्रतिनिधियों को वापस बुलाने का अधिकार होगा, यदि ऐसा चाहें, अन्यथा लोकतंत्र एक मजाक बन जाएगा। भारत की आजादी के बाद वर्ष 1974 में संविधान (संशोधन) बिल जिसमें राइट टू रिकॉल के अंतर्गत विधायक व सांसदों को वापस बुलाने संबंधित बिल लोकसभा में चर्चा के लिए रखा गया, लेकिन पास नहीं हो पाया। वहीं वर्ष 2016 में भी उस समय के सांसद वरुण गांधी ने जनप्रतिनिधत्व कानून (संशोधन) बिल के माध्यम से इस अधिकार को लागू करने के लिए प्रयास किया, लेकिन वे भी असफल रहे। जबकि कई राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, मध्यप्रदेश, छतीसगढ़, महाराष्ट्र, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में ग्राम पंचायत स्तर पर राइट टू रिकॉल को रूपान्तरित किया गया है, लेकिन जमीनी स्तर पर जनता में जागरूकता न होने कारण ये कानून सिर्फ कागजों तक ही सीमित है। इस तरह के कानूनों को राजनीतिक पार्टियां भी जनता तक नहीं पहुंचाना चाहती। जाने-माने राजनीतिक विचारक जेम्स मिल का कहना है कि अगर किसी व्यक्ति को बिना किसी डर के शासन करने का अधिकार दे दिया जाए, तो वे अधिकार का प्रयोग समाज के कल्याण से ज्यादा स्वयं के स्वार्थ के लिए करते हैं। इसलिए हमें सोच समझ कर शासन जिम्मेवार लोगों के हाथ में देना चाहिए। सामाजिक तौर पर कई प्रकार की चुनौतियों भी लोकतंत्र के सामने आती हैं चाहे चुनाव आयोग के खर्च बढने की बात हो या उस डर से राजनीति में रुचि कम लेने की बात हो। लेकिन विस्तृत नजरिए से देखें तो यह अधिकार लोकतंत्र में राजनीतिक पार्टियों और जनता दोनों की जवाबदेही तय करता है। इस अधिकार के जमीनी स्तर पर आने से सबसे पहले भ्रष्टाचार पर नकेल कसेगी, आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवार को जनता नहीं चुनेगी और प्रतिनिधि जनता की सेवा और उनके कल्याण के कामों को करने के लिए जवाबदेह रहेगा। क्योंकि ये बात तो तय है कि लोकतंत्र को और मजबूत करने के लिए विशेषकर युवावर्ग में इसके प्रति विश्वास पैदा करना होगा। क्योंकि वोट प्रतिशत का गिरना लोकतंत्र की नींव को हिला रहा है। इस नींव की मजबूती के लिए सभी राजनीतिक पार्टियों को एक मंच पर आना ही होगा। क्योंकि इस प्रकार के निर्णय दूरगामी प्रभाव डालते हैं। एक साधारण सा सवाल है कि नौकरी पर काम करते हुए समय-समय पर हमारे काम का मूल्यांकन किया जाता है। सही न होने पर विशेषकर प्राइवेट नौकरी में मात्र एक नोटिस देकर निकाल दिया जाता है। तो इस संदर्भ में क्यों नहीं? ये प्रतिनिधि तो देश व समाज की दशा व दिशा तय करते हैं।

सीबीएसई-आईएससी बोर्ड परीक्षा-मैथ्स का पेपर टफ, हिंदी का लेंदी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश भर में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के स्टूडेंट्स की बोर्ड परीक्षाएं मंगलवार से शुरू हो गई हैं। पहली पाली की परीक्षा सुबह 9 बजे से शुरू हुई। सीबीएसई और आईएससी की परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा और निगरानी के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सीबीएसई के 10वीं में मैथ्स और 12वीं में बायोटेक्नोलॉजी और हिंदी का पेपर था। पहली पाली की परीक्षा साढ़े 10 बजे से शुरू हुई। वहीं, आईसीएसई में 10वीं का अंग्रेजी और 12वीं का होम साइंस का पेपर था। सीबीएससी में दसवीं की परीक्षा देकर निकले छात्रों ने बताया कि पेपर बहुत लेंदी था। केंद्रीय विद्यालय के छात्र अजीत ने कहा एक क्वेश्चन मुझे बहुत कंफ्यूजिंग लगा। रिजल्ट कैसा रहेगा ये अभी कह नहीं सकते। दसवीं की छात्रा दिव्या ने बताया मेरा पेपर बहुत अच्छा हुआ। मैंने समय रहते सभी सवाल कर लिए थे। पर पेपर काफी टाइम टेकिंग रहा। कई स्टूडेंट्स के पेपर छूट भी गए। आईसीएसई ने पहली बार लखनऊ में रीजनल सेंटर बनाकर यहां से 31 जिलों की मॉनिटरिंग शुरू की है। जिला स्तर पर कंट्रोल रूम बनाकर परीक्षा की मॉनिटरिंग की जा रही है। इस बार बोर्ड परीक्षाओं में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। आईसीएसई में अब सेक्शन के अनुसार उत्तर देना होगा और प्रैक्टिकल अप्रोच पर जोर रहेगा। 12वीं की उत्तर पुस्तिकाओं का डिजिटल इवैल्यूएशन यानी मूल्यांकन कंप्यूटर स्क्रीन पर किया जाएगा।

गुटखे के विवाद दुकानदार पर तानी पिस्टल,भौकाल के लिए लेकर घूमता था बंदूक

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मड़ियांव थानाक्षेत्र के आईआईएम तिराहे पर पान मसाला दुकानदार को अवैध पिस्टल दिखाकर धमकाने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पैसे मांगने पर आरोपी नाराज हो गया और पिस्टल तान दिया। आरोपी भीड़ जुटने पर मोटरसाइकिल छोड़कर फरार हो गया था। जिसे बाद में सर्विस रोड से दबोच लिया गया। मुतक्कीपुर निवासी मनोज कुमार ने बताया कि वह पत्नी के साथ आईआईएम तिराहे पर पान मसाले की दुकान चलाते हैं। सोमवार को एक युवक सिगरेट खरीदने आया। जब उससे पैसे मांगे गए तो वह भड़क गया और पैंट में खोंसी पिस्टल दिखाकर बोला, तुम्हारी इतनी हिम्मत कि मुझसे पैसे मांगोगे। शोर मचाने पर भीड़ जुटने लगी तो आरोपी मोटरसाइकिल छोड़कर भाग निकला। इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्रा ने बताया मौके पर पहुंची पुलिस ने बाइक (यूपी 32पीई 3061) को कब्जे में लेकर नंबर गाड़ी मालिक का पता किया गया। बाइक मायापुरम डिप्टी खेड़ा निवासी शशिकांत की निकली। इसके बाद मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने आईआईएम तिराहे के आगे सर्विस रोड से संदिग्ध युवक को घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम अनूप प्रजापति (22) पुत्र शशिकांत प्रजापति बताया। तलाशी में उसके पास से एक अवैध .32 बोर पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। पिस्टल चालू हालत में थी, हालांकि मैगजीन खाली मिली। लाइसेंस मांगने पर आरोपी कोई दस्तावेज नहीं दिखा सका। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह शौकिया पिस्टल रखता है और राहगीरों को डराकर पैसे वसूलता है। गुटखे की दुकान में भी पैसे को लेकर विवाद हुआ था लेकिन भीड़ जुटने की वजह से भाग गया। पुलिस आरोपी से अन्य घटनाओं की पूछताछ कर रही है।

बीएचयू-सीएचएस की प्रवेश प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के केंद्रीय कार्यालय के बाहर आज छात्रों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन सेंट्रल हिंदू स्कूल में प्रवेश प्रक्रिया से जुड़ी मांगों को लेकर किया गया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों और प्राक्टोरियल बोर्ड के बीच तीखी नोकझोंक और धक्का-मुक्की भी हुई। मौके पर पुलिस बल और विश्वविद्यालय का प्राक्टोरियल बोर्ड मौजूद रहा। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना है कि बीएचयू-सीएचएस की कक्षा-9 में प्रवेश हेतु सीटों की संख्या शून्य कर देना विश्वविद्यालय की गरिमा पर आघात है। उनका आरोप है कि मेधावी छात्राओं को उनकी प्रतिभा के आधार पर प्रवेश का अवसर न देना अन्यायपूर्ण निर्णय है। छात्रों ने मांग की कि या तो कक्षा-9 में अतिरिक्त सेक्शन बनाए जाएं अथवा बै की सभी सीटों पर प्रवेश परीक्षा के आधार पर चयन प्रक्रिया लागू की जाए। छात्रों ने यह भी कहा कि कक्षा-6 में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा की प्रक्रिया कोरोना काल से स्थगित है, जिसे तत्काल प्रभाव से बहाल किया जाना चाहिए। उनका तर्क है कि पारदर्शी और प्रतिस्पर्धात्मक प्रवेश परीक्षा ही योग्य विद्यार्थियों को अवसर देने का सर्वोत्तम माध्यम है। प्रदर्शनकारियों ने वर्ष 2026 की सभी कक्षाओं के लिए हॉस्टल आवंटन से संबंधित सीटों की स्पष्ट जानकारी बुलेटिन में प्रकाशित करने की मांग भी उठाई। उनका कहना है कि पारदर्शिता बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन को समय रहते सभी आवश्यक सूचनाएं सार्वजनिक करनी चाहिए। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विद्यालयों में प्रवेश हेतु सीबीएसई के दिशानिर्देशों का पालन किया जाता है। सीबीएसई गाइडलाइन्स के अनुसार एक कक्षा की क्षमता 40 विद्यार्थियों की ही हो सकती है। सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल में आठवीं कक्षा में पहले से ही पर्याप्त संख्या में छात्राएं अध्ययनरत हैं। इस वजह से नवीं कक्षा के तीनों सेक्शन की कुल क्षमता (120) से अधिक का प्रवेश संभव नहीं है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष समेत कई नेता हाउस अरेस्ट,विस घेराव से पहले पुलिस का पहरा

वाराणसी। वाराणसी में पुलिस ने कांग्रेस के जिलाध्यक्ष समेत कई नेताओं को हाउस अरेस्ट किया है। सभी नेता लखनऊ में विधानसभा के घेराव की जा रहे थे।कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राजेश्वर पटेल, महिला जिलाध्यक्ष अनुराधा यादव समेत कई नेताओं के घरों पर पुलिस तैनात कर दी गई है। हालांकि, पुलिस कुछ नेताओं को रोक नहीं सकी। महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे अपनी टीम के साथ देर रात लखनऊ पहुंच गए। उन्होंने अजय राय से मुलाकात कर बनारस से कार्यकर्ताओं के पहुंचने की जानकारी दी। उधर, अजय राय ने बताया कि पुलिस और प्रशासन कांग्रेसियों का उत्पीड़न कर रहा है। 50 जिलों से अब तक शिकायतें आ चुकी है, कई जिलों में पुलिस अफसरों से बात की है। पुलिस ने विभिन्न जिलों में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को हाउस अरेस्ट कर लिया है, उन्हें लखनऊ आने से रोका जा रहा है। आज मंगलवार को एक बार फिर ताकत दिखाने की तैयारी है। पूर्वांचल के विभिन्न जिलों से कार्यकर्ताओं की भीड़ अलग-अलग माध्यमों से लखनऊ पहुंच रही है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष अजय राय ने बताया कि मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत सुबह करीब 11 बजे कांग्रेस नेता प्रदेश मुख्यालय पर जुटेंगे। वहां से जुलूस के रूप में विधानसभा कूच करेंगे। इससे पहले 18 दिसंबर 2024 को विधानसभा घेराव हुआ था। इस घेराव में कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंक दी थी।

सड़क से सरकार और सदन का ध्यान आकर्षण कराया रोजगार और सामाजिक अधिकार अभियान

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। पंचायत चुनाव के पूर्व अति पिछड़े वर्ग के अलग आरक्षण कोटा, प्रदेश में कर्पूरी ठाकुर फार्मूला लागू करने, प्रदेश से हो रहे पूंजी के पलायन पर रोक लगाने, रोजगार-शिक्षा-स्वास्थ्य पर बजट बढ़ाने, हर प्रदेश में सरकारी विभागों में खाली पड़े लाखों पदों को भरने, माइक्रोफाइनेंस कंपनियों की लूट पर रोक लगाने और आदिवासी कोल को जनजाति का दर्जा देने व जनगणना में आदिवासी धर्म कालम को जोड़ने की मांगों पर रोजगार और सामाजिक अधिकार अभियान विधानसभा मार्च कर सड़क से सरकार व सदन का ध्यान आकर्षण कराया। अभियान की तरफ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक

अधिकारियों के माध्यम से भेजा गया। आंदोलन में शामिल होने के लिए आ रहे एआईपीएफ के प्रदेश सचिव डॉ बृज बिहारी की सीतापुर में नजरबंदी की निंदा की गई। आंदोलन का नेतृत्व राष्ट्रीय उदय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और अभियान के संयोजक बाबूराम पाल, ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के प्रदेश महासचिव दिनकर कपूर, भागीदारी मानव समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामधनी बिंद, रोजगार अधिकार अभियान के अर्जुन प्रसाद, किसान मंच के अध्यक्ष सर्वेश कुमार सिंह, कमलेश कुमार पाल, एआईपीएफ नेत्री शगुफ्ता यासमीन आदि ने किया। पत्रक में कहा गया कि प्रदेश के सीएम और सभी विपक्षी दलों को बार-बार मांग पत्र सौंपने के बावजूद सदन में जन मुद्दों को ना उठाने के कारण आज ध्यान आकर्षण कार्यक्रम करने के लिए हम मजबूर हुए हैं। यदि अभी भी सुनवाई नहीं हुई तो 10 मार्च से ईको गार्डन में डेरा डाला जाएगा। मुख्यमंत्री को प्रेषित मांग पत्र में कहा गया कि प्रदेश में कर्पूरी ठाकुर आरक्षण फार्मूला को लागू कर ओबीसी आरक्षण के अंदर अति पिछड़े वर्ग को आरक्षण देने में राज्य सरकार के समक्ष कोई भी संवैधानिक और न्यायिक बाधा नहीं है। इसलिए सरकार को कर्पूरी ठाकुर फार्मूला तत्काल प्रभाव से लागू करना चाहिए। भेदभाव के शिकार पांच समूह दलित, आदिवासी, अति पिछड़ा, पसमांदा मुसलमान और महिलाओं के प्रतिनिधित्व के साथ-साथ संसाधनों में उनके अधिकार को सुनिश्चित किया जाना चाहिए। मांग पत्र में कहा गया कि प्रदेश गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। जितना बजट बनता है लगभग उतना ही कर्ज प्रदेश पर है। यहां तक की भारत सरकार द्वारा जो बजट बनाया गया उसमें प्रदेश की हिस्सेदारी को कम कर दिया गया। प्रदेश की 50 प्रतिशत बैंकों में जमा पूंजी उन्नत प्रदेशों में पलायन कर रही है। इस पूंजी को यहां लगाना चाहिए और शिक्षा-स्वास्थ्य व रोजगार के बजट को बढ़ाना चाहिए। साथ ही प्रदेश के सरकारी विभागों में रिक्त पड़े लाखों पदों पर अभिलंब भर्ती की घोषणा करनी चाहिए। गांव में आधुनिक सूदखोरी और शोषण का केंद्र बनी माइक्रो फाइनेंस कंपनी के नियमन हेतु कानून बनाया जाए। पत्रक में आदिवासियों के साथ हो रहे हैं अन्याय पर ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा गया कि प्रदेश में लाखों कोल आदिवासी को जनजाति का दर्जा दिया जाए और जनगणना में आदिवासी धर्म कोड को शामिल किया जाए। आज के इस कार्यक्रम में युवा मंच के जैनुल आब्दीन, कुली मोर्चा के राम सुरेश यादव, राकेश सिंह, कपिल देव बिंद, सर्वेश कुमार सिंह, उपेंद्र सिंह पाल, जितेंद्र कुमार, रमेश चंद बिंद, राधेश्याम कनौजिया, इंद्रप्रकाश बौद्ध, राम पाल, अमर पाल, विजय बहादुर निषाद, रामकरण पाल, आकाश पाल, पर्वत सिंह, दिनेश कुमार पाल, हरिराम पाल, अंकित, अंकुर पाल समेत सैकड़ो लोगों ने भागीदारी की।

आकाशवाणी लखनऊ नया रेडियो कार्यक्रम पत्रकारों से संवाद शुरू करेगा

लखनऊ। आकाशवाणी लखनऊ अपने श्रोताओं के लिए एक नया रेडियो कार्यक्रम पत्रकारों से संवाद शुरू करने जा रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से श्रोता देश के वरिष्ठ पत्रकारों के अनुभव, उनके जीवन से जुड़ी रोचक बातें और समसामयिक मुद्दों पर खुली चर्चा सुन सकेंगे। यह कार्यक्रम प्रत्येक बुधवार को 101.6 एफएम विविध भारती पर और गुरुवार को 100.7 एफएम रेनबो चौनल पर शाम 5.30 बजे प्रसारित किया जाएगा। इसके जरिए श्रोताओं को खबरों के पीछे की कहानियों को जानने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम का पहला एपिसोड 18 फरवरी 2026 को प्रसारित होगा। इसके पहले अंक में वरिष्ठ पत्रकार नवीन जोशी के साथ बातचीत शामिल की जाएगी। इस संवाद का संचालन सुमोना पांडेय ने किया है, जो इस कार्यक्रम की प्रमुख भी हैं। कार्यक्रम की प्रमुख सुमोना पांडेय के अनुसार, इसका मुख्य उद्देश्य मीडिया और आम जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना है।

एचयूआरएल के कार्यालय का हुआ उद्घाटन किसानों को मिलेगी अच्छी खाद बेहतर फसल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ में एचयूआरएल के प्रबंधक डॉ सिबा प्रसाद मोहंती ने लखनऊ में अपने राज्य कार्यालय का फीता काटकर उद्घाटन किया जिससे संगठन का विस्तार होगा और किसानों के लिए होगी बड़ी पहल लखनऊ में राज्य कार्यालय उद्घाटन के शुभ अवसर पर एचयूआरएल के प्रबंधक डॉक्टर सिबा प्रसाद मोहंती ने उद्घाटन करके कार्यालय की शोभा बढ़ाई कार्यक्रम का शुभारंभ हवन पूजन के साथ संपन्न हुआ इसके बाद वृक्षारोपण अभियान के तहत भवन परिसर में वृक्षारोपण भी किया डॉ मोहंती ने अग्रणी उर्वरक कंपनियों के राज्य प्रभारी अधिकारियों तथा प्रतिष्ठित व्यवसायिक सहयोगियों के साथ बैठक की जिसमें कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई। डॉ सिबा मोहंती ने उर्वरक के क्षेत्र पर प्रकाश डालते हुए कहा एचयूआरएल द्वारा प्रधानमंत्री प्रमाण योजना की चल रही पहलों का उल्लेख करते हुए बताया कि इसका उद्देश्य मृदा स्वास्थ्य संरक्षण एवं सर्वधन करना और कृषि उत्पादन को बढ़ाना है जिसमें एचयूआरएल अब तक लगभग 27,000 हजार करोड रुपए का निवेश कर चुका है परिणाम स्वरुप गोरखपुर, बरौनी, सिंदरी में तीन अत्यधिक यूरिया संयंत्र स्थापित किए गए हैं जिसकी उत्पादन क्षमता 40 लाख टन प्रतिवर्ष है यह क्षमता देश को यूरिया उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और विदेशी आयात पर निर्भरता कम करने की दिशा में एक बड़ा कदम है पीएम मोदी के द्वारा चल रही लखपति दीदी और नमो ड्रोन योजना के सपने को साकार करने में एचयूआरएल भी सक्रिय योगदान देगा अब तक 60 महिला ड्रोन पायलट तैयार की जा चुकी है जिनमें से कई महिलाएं सालाना लाखों रुपए की आए भी कर रही हैं संगठन का लक्ष्य है कि हर गांव में ड्रोन दीदी को स्थापित किया जाए औद्योगिक की दिशा में हिंदुस्तान उर्वरक रसायन लिमिटेड ने लखनऊ में अपना विक्रेता संवाद का आयोजन किया जिसमें लगभग 190 व्यावसायिक सहयोगियो ने भाग लिया जो एचयूआरएल को मजबूत नेटवर्किंग और विश्वसनीय संबंधों का प्रमाण है जो विचार चर्चा रणनीतिक व्यावसायिक विमर्श और दूरदर्शी विचारों के आदान-प्रदान का अवसर बना डॉ सिबा मोहंती ने इस अवसर पर संगठन के सहयोगात्मक विकास परिचालन हितधारक जुड़ाव के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता पर बल देते हुए कहा कि काम तभी संभव है जब सभी मिलकर आगे बढ़ेंगे और काम करेंगे।

अंजलि, सोनाली और कलपी का राज्य स्तरीय खो खो प्रतियोगिता के लिए हुआ चयन

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

को डी.ए.वी. इण्टर कॉलेज, मोती नगर, ऐशबाग, जनपद लखनऊ में एच.सी.एल. फाउंडेशन के द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय खो खो प्रतियोगिता के फाइनल ट्रायल में रघुराज सिंह हायर सेकेंड्री स्कूल की तीन खो खो खिलाड़ियों अंजलि, सोनाली और कलपी का चयन हुआ। एच.सी.एल. फाउंडेशन के खो खो खेल विशेषज्ञों द्वारा प्रारंभिक ट्रायल दिनांक 27.01.2026 को आर.एम.पी. इंटर कॉलेज के मैदान पर आयोजित किया गया था। जिसमें रघुराज सिंह हायर सेकेंड्री स्कूल की तीन खो खो खिलाड़ियों अंजली, सोनाली, और कलपी ने प्रतिभाग किया था। जिनमें से तीनों खिलाड़ियों का चयन फाइनल ट्रायल के लिए हुआ। इससे पहले दिन एच.सी.एल. फाउंडेशन द्वारा मिनी स्टेडियम, गोमती नगर, जनपद लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के फाइनल ट्रायल में इसी विद्यालय की तीन बालिका खिलाड़ियों सुगंधी, आदर्शनी और शगुन का चयन हो चुका है। रघुराज सिंह हायर सेकेंड्री स्कूल की यह तीनों ही बहुत प्रतिभावान और होनहार खिलाड़ी हैं और कई जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में मेडल प्राप्त कर चुकी हैं तथा विद्यालय के शारीरिक शिक्षक/क्रीड़ा प्रभारी डॉ. निखिल कुमार रस्तोगी की देख रेख में खेल का प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं। एच.सी.एल. फाउंडेशन के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार राज्य स्तरीय खो खो प्रतियोगिता का आयोजन आगामी मार्च माह में जनपद लखनऊ में किया जाएगा। विद्यालय की बालिकाओं की इस उपलब्धि पर खेल शिक्षक डॉ. निखिल कुमार रस्तोगी तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य ऋषि कुमार मिश्र ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी अच्छे प्रदर्शन के लिए आशीर्वाद प्रदान किया।

स्व. महेश चंद्र के नाम पर कायस्थ महासभा ने की पुरस्कार की घोषणा

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

बरेली । अखिल भारतीय कायस्थ महासभा बरेली ने स्व महेश चंद्र कमठान जी की स्मृति में प्रत्येक वर्ष उच्च शिक्षा में सर्वोत्तम अंक पाने वाले किसी भी विद्यार्थी को पुरस्कार देने की घोषणा की है। स्व महेश चंद्र कमठान जी ने पीलीभीत जिले में कायस्थ महासभा को स्थापित करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी । वे तहसीलदार के पद से रिटायर्ड होकर समाजसेवा करते रहे गत वर्ष उनका निधन हो गया था आज उनकी बरसी के मौके पर इस पुरस्कार की घोषणा उनके पुत्र अश्विनी कमठान ने की

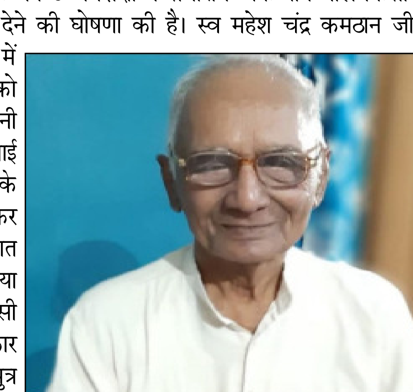

स्व महेश चंद्र कमठान

कमठान वर्तमान में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा बरेली के जिलाध्यक्ष हैं । उनकी बरसी के मौके पर प्रदेश के वन राज्य मंत्री डॉक्टर अरुण कुमार,कैंट विधायक संजीव अग्रवाल, भाजपा महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना, वेद प्रकाश सक्सेना कातिब, शिव कुमार बरतरिया, अविनाश सक्सेना, अम्बरीष सक्सेना, डॉक्टर सुबोध अस्थाना, सुनील सक्सेना मिलन,रवि सक्सेना अवधपुरी, रवि सक्सेना,मनोज सक्सेना गोपाल धूप वाले,शैलेन्द्र सक्सेना शैलू, आशीष सक्सेना, अनूप सक्सेना, अमित सक्सेना मिट्ठू एडवोकेट,प्रशांत सक्सेना, सुंदरम सक्सेना गोलू,शक्ति मंगलम, डब्बल भटनागर, आशीष सिन्हा, रश्मि प्रधान, बबिता रेक्रीवाल, प्रीति कमठान, किरन सक्सेना उपस्थित थे।

वोटर लिस्ट के संग्राम में कूदा चुनाव आयोग

➢ वोटर लिस्ट से नही काटा गया विधायक की पत्नी का नाम: नवदीप
➢ कोई व्यक्ति नही कटवा सकता किसी दूसरे का नाम

लखनऊ। यूपी में एसआईआर के बीच वोटर लिस्ट के संग्राम में अब चुनाव आयोग भी कूद पड़ा है। चुनाव आयोग ने विपक्ष के आरोपों पर जवाब दिए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिनवा ने विपक्ष के आरोपों पर जवाब देते हुए कहा सकलडीहा के विधायक की पत्नी का नाम वोटर लिस्ट से नाम नहीं काटा गया है। बलिया के सिकंदरपुर में 126 वोटरों, प्रतापगढ़ के बाबागंज में 100 वोटरों के काटने के आरोपों की जांच कराई गई तो वह भी निराधार पाए गए। कोई भी व्यक्ति किसी दूसरे का नाम नहीं कटवा सकता है। उसे आपत्ति फॉर्म-7 पर नाम, वोटर आईडी नंबर, किसी दूसरे का नाम कटवाने का कारण लिखना होगा । यही नहीं वह उसी विधानसभा का रहने वाला हो। कोई अज्ञात व्यक्ति किसी का नाम नहीं कटवा सकता है.इससे पहले सोमवार को सपा मुख्यालय में अखिलेश यादव ने एसआईआर के मुद्दे पर भाजपा को घेरने के साथ ही निर्वाचन आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाया है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा फर्जी हस्ताक्षर के जरिए फर्म-7 भरवाकर पीडीए के वोट कटवा रही है। भाजपा की सीक्रेट बैठक में यह तय हुआ था कि लोकसभा में जहां सपा जीती है, वहां वोट कटवाए जाएंगे। कहा कि मंगलवार को सपा विधायकों का प्रतिनिधि मंडल इसे लेकर निर्वाचन आयोग को ज्ञापन सौपेंगे और सदन में भी मुद्दे को उठाएंगे।अखिलेश ने कहा कि सपा के बीएलए तक के नाम कटवाए गए हैं। औरैया के विधुना विधानसभा क्षेत्र में नंदलाल जो पढ़े-लिखे नहीं हैं और अंगूठा लगाते हैं, फर्म सात पर फर्जी हस्ताक्षर कर उनका वोट कटवा दिया गया। विधुना में एक बीएलए ने 126 वोट कटवा दिए। अयोध्या व अन्य जिलों में भी बड़े पैमाने पर फर्जी हस्ताक्षर के जरिए वोट कटवाए जा रहे हैं। सपा के नगर अध्यक्ष के जाली हस्ताक्षर करके हमारे ही मतदाता का वोट कटवा दिया गया। पूर्व विधायक की पत्नी का वोट कटवा दिया गया। कहा कि भाजपा का लक्ष्य क्लियर है। वे विधानसभा चुनाव जीत नहीं रहे हैं, इसलिए वोट कटवा रहे हैं और हमें इसमें उलझाए हैं ताकि रोजगार, गरीबी, महंगाई जैसे बुनियादी मुद्दों से ध्यान हटा रहे। उन पर बात न हो। आरोप लगाया कि यादव-मुस्लिम के अधिक वोट काटे जा रहे हैं। कहा कि सपा ने 47 फर्म-7 भरे और भाजपा ने 1097 से अधिक जबकि अज्ञात लोगों ने 1.28 लाख से अधिक फर्म-7 भरे हैं, वो अज्ञात लोग भाजपा के लोग हैं। ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी होने के बाद वोट कटवाने के लिए फर्म-7 भरवाने का काम शुरू किया गया। भाजपा से जुड़े सामंतवादी व प्रभुत्ववादी लोग पीडीए के वोट कटवा रहे हैं। कहा कि निर्वाचन आयोग ने बीएलए को ट्रेनिंग नहीं दी। गड़बड़ी कर रहे प्रशासनिक अधिकारियों पर कहीं कोई कार्रवाई नहीं की गई।

एटीएस अफसर बनकर दंपती से 90 लाख ठगे,जालसाज गिरोह के 3 सदस्य गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में एटीएस इंस्पेक्टर बताकर एक दंपती से 90 लाख रुपए की साइबर ठगी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों ने आतंकवाद और मनी लॉन्ड्रिंग में फंसाने की धमकी देकर दंपती को बंधक बना लिया और 12 दिनों में आरटीजीएस के जरिए रकम ट्रांसफर करा ली। आरोपी 3 प्रतिशत कमीशन पर एकाउंट उपलब्ध कराते थे। डीसीपी क्राइम कमलेश दीक्षित ने बताया 26 जनवरी 2026 को आलमबाग निवासी राकेश बाजपेई की पत्नी वीना बाजपेई के मोबाइल पर एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को एटीएस मुख्यालय में तैनात इंस्पेक्टर रंजीत कुमार बताया। उसने आतंकवाद और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे गंभीर आरोप लगाकर गिरफ्तारी की धमकी दी। इसके बाद सिग्नल ऐप डाउनलोड कराया गया। जहां अजय प्रताप श्रीवास्तव नाम के व्यक्ति ने खुद को एटीएस अधिकारी बताकर संपर्क किया। आरोपियों ने सुप्रीम कोर्ट के फर्जी आदेश और सीजर दस्तावेज दिखाकर कहा कि गिरफ्तारी से बचने

और खातों की जांच के लिए रुपए दूसरे खातों में ट्रांसफर करने होंगे। दबाव में आकर दंपती ने 29 जनवरी से 9 फरवरी के बीच अलग-अलग खातों में करीब 90 लाख रुपए भेज दिए। बाद में 11 लाख रुपए और मांगे गए। मना करने पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी गई। तब ठगी की जानकारी हुई। घटना के खुलासा के लिए टीम लगी थी। टीम ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान पिपराइच गोरखपुर निवासी मयंक श्रीवास्तव (24), निवाड़ी गाजियाबाद निवासी इरशाद (23), प्रेम नगर मुंडका दिल्ली निवासी मनीष उर्फ आकाश (24) के रूप में हुई। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी मयंक श्रीवास्तव ने बताया आर्थिक तंगी के चलते इरशाद के संपर्क में आया। इरशाद ने कमीशन का लालच देकर बैंक खाता इस्तेमाल किया। 7 फरवरी को उसे दिल्ली बुलाकर पहाड़गंज के एक होटल में ठहराया गया। वहां उसकी मुलाकात इरशाद, आकाश उर्फ मनीष और जीतू उर्फ जीतेन्द्र से कराई गई। मयंक के मोबाइल का पासवर्ड लेकर उसके जरिए साइबर फ्रॉड के करोड़ों रुपए के लेन-देन किए गए। उसे 10 हजार रुपए नगद दिए गए और दो लाख रुपए देने का वादा किया गया। उसकी आईसीआईसीआई और एचडीएफसी बैंक की चेकबुक व डेबिट कार्ड भी ले लिए गए। इरशाद ने पूछताछ में बताया कि वह 3: कमीशन पर आकाश उर्फ मनीष और जीतू उर्फ जीतेन्द्र के लिए एकाउंट होल्डर को फंसाता था। व्हाट्सऐप कॉल से संपर्क रखता था और बैंक खाते, चेकबुक व डेबिट कार्ड जुटाता था। आकाश उर्फ मनीष ने भी 3: कमीशन पर काम करने की बात स्वीकार की। मयंक की दोनों चेकबुक और डेबिट कार्ड उसके कब्जे से बरामद हुए हैं। डीसीपी क्राइम ने बताया 9 फरवरी 2026 को मयंक के खाते में 1 करोड़ 6 लाख 30 हजार रुपए आए थे। एनसीसीआरपी पोर्टल पर जांच में तमिलनाडु समेत कई राज्यों से संबंधित शिकायतें दर्ज मिली हैं। उनसे संपर्क किया जा रहा है। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

हिन्दी दैनिक तीसरा विकल्प न्यूज़
लखनऊ से प्रकाशित
बुधवार, 18 फरवरी, 2026

संजय दत्त करेंगे 'नेट ज़ीरो' सरोजनीनगर अभियान का शुभारंभ - डॉ राजेश्वर सिंह

➲ विधायक राजेश्वर सिंह संग संजय दत्त का रोड शो, नेट ज़ीरो सरोजनीनगर अभियान की शुरुआत
➲ पर्यावरण संरक्षण और मतदान जागरूकता, संजय दत्त व विधायक राजेश्वर सिंह युवाओं से करेंगे संवाद
➲ विधायक राजेश्वर सिंह व संजय दत्त करेंगे 'नेट ज़ीरो सरोजनीनगर' अभियान का शुभारंभ, युवाओं से मतदान हेतु नामांकन का आह्वान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। विधानसभा क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण, जन-जागरूकता एवं नागरिक उत्तरदायित्व को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन 22 फ़रवरी 2026 को दोपहर 11:00 बजे से 3:00 बजे तक, बंगला बाज़ार, सरोजनीनगर विधानसभा में किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सरोजनीनगर के विधायक डॉ राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में आयोजित होगा, जिसमें भारतीय सिनेमा के प्रख्यात अभिनेता संजय दत्त मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत संजय दत्त सरोजनीनगर क्षेत्र में एक भव्य रोड शो के माध्यम से नागरिकों एवं युवाओं से संवाद करेंगे। इसके पश्चात वे पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 'पर्यावरण वीरों (Environment Warriors)' को सम्मानित करते हुए पुरस्कार प्रदान करेंगे। इस अवसर पर संजय दत्त द्वारा बहुप्रतीक्षित 'नेट ज़ीरो सरोजनीनगर' अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया जाएगा, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में पर्यावरण-संरक्षण, हरित जागरूकता एवं सतत विकास को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम का एक प्रमुख उद्देश्य युवाओं एवं नव मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ना भी है। संजय दत्त इस अवसर पर युवाओं से अपील करेंगे कि वे मतदाता सूची में अपना नामांकन सुनिश्चित करें, अपने मतदाता पहचान पत्र बनवाएं तथा लोकतंत्र के सबसे महत्वपूर्ण अधिकार - मतदान -का सक्रिय रूप से प्रयोग करें। विधायक डॉ राजेश्वर सिंह ने कहा कि सरोजनीनगर में विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण एवं लोकतांत्रिक जागरूकता को समान प्राथमिकता दी जा रही है। 'नेट ज़ीरो सरोजनीनगर' अभियान इसी दूरदर्शी सोच का प्रतीक है। यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण, युवा भागीदारी एवं नागरिक जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

नगर निगम की बड़ी लापरवाही उजागर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। स्वच्छता अभियान के दावों के बीच नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। नगर निगम ज़ोन-1 क्षेत्र में खुले में कूड़ा ढोती ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की तस्वीरें सामने आई हैं, जो ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2016 के उल्लंघन की ओर इशारा कर रही हैं। लखनऊ मंगलवार को बारूद खाना से सिटी स्टेशन की ओर जाती नगर निगम की कूड़े से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली बिना ढके सड़कों पर दौड़ती दिखाई दी। ट्रॉली से उड़ता कूड़ा राहगीरों और वाहन चालकों के बीच गिरता रहा,जिससे न सिर्फ दुर्गंध फैली बल्कि संक्रमण का खतरा भी बढ़ गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि खुले में कूड़ा ढोने से सड़कें गंदी हो रही हैं और दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।नियमों का उल्लंघन ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 के तहत कूड़े के सुरक्षित और ढके परिवहन का प्रावधान है। इसके बावजूद खुले ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में कूड़ा ले जाया जाना प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाता है। इस संबंध में पर्यावरण अभियंता संजीव प्रधान ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जाती है। यह मामला भी संज्ञान में आया है और जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। जब शहर को स्वच्छ बनाने के दावे किए जा रहे हैं,तो आखिर ऐसी लापरवाही क्यों?क्या जिम्मेदार अधिकारी समय रहते ठोस कदम उठाएंगे या यूं ही सड़कों पर उड़ता रहेगा कूड़ा?

जिले में आज से बोर्ड परीक्षाएं शुरू,48333 छात्र होंगे शामिल

अमेठी। जिले में कल से हाई स्कूल और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। जिले के 85 परीक्षा केंद्रों पर कुल 48,333 छात्र-छात्राएं इन परीक्षाओं में शामिल होंगे। विभाग ने नकल विहीन और सुचारु रूप से परीक्षा संपन्न कराने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए पूरे जिले को 4 जोन और 13 सब-जोन में बांटा गया है। इन जोनों और सब-जोनों के लिए चार जोनल और 13 सब-जोनल मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। जिला मुख्यालय गौरीगंज के जीजीआईसी में एक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसे राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम से भी जोड़ा गया है। सभी परीक्षा केंद्रों को सीसीटीवी कैमरों से लैस किया गया है, जिनकी निगरानी कंट्रोल रूम से की जाएगी। छात्रों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए स्वच्छ पेयजल, लड़के-लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालय, मेडिकल टीम और निर्बाध बिजली आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि, परीक्षा को नकल विहीन और सकुशल संपन्न कराने के लिए हम पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सभी आधारभूत सुविधाएं छात्रों को उपलब्ध कराई जाएंगी।

नरेगा बचाओ आंदोलन के चलते कई कांग्रेस नेता हाउस अरेस्ट

अमेठी। जिले में कई कांग्रेसी नेता लगातार दूसरे दिन भी हाउस अरेस्ट हैं। मनरेगा बचाओ आंदोलन के तहत लखनऊ विधानसभा का घेराव करने जा रहे कांग्रेसियों पर अमेठी पुलिस ने कार्रवाई की है। इन नेताओं के घरों के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। हालांकि, कांग्रेस जिलाध्यक्ष पुलिस को चकमा देकर विधानसभा घेराव में शामिल होने के लिए लखनऊ पहुंच चुके हैं। दरअसल, प्रदेश कांग्रेस के नेतृत्व में आज मनरेगा बचाओ आंदोलन के तहत कांग्रेसी विधानसभा का घेराव करने वाले हैं। इसी के मद्देनजर अमेठी पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई थी। पिछले 24 घंटे से जिले के कई बड़े कांग्रेसी नेताओं को हाउस अरेस्ट कर उनके घरों के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया है। जिन नेताओं को हाउस अरेस्ट किया गया है, उनमें युवक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष शुभम सिंह, जायस के कांग्रेस नेता शकील इदरीसी, गांधीनगर के अनुराग, मुसाफिरखाना के राजू ओझा और कृपा शंकर सिंह समेत अन्य कांग्रेसी नेता शामिल हैं। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंघल पुलिस को चकमा देकर विधानसभा घेराव में शामिल होने के लिए लखनऊ पहुंचे हैं। यह आंदोलन भाजपा द्वारा मनरेगा का नाम बदलकर सी बी जी राम जी किए जाने के विरोध में किया जा रहा है।

युवक लापता,परिजन दो दिन से तलाश में, पुलिस ने मामला दर्ज किया

अमेठी। जिले के मुंशीगंज कोतवाली क्षेत्र के पूरे बोधई गढ़ामाफी गांव से एक युवक अचानक लापता हो गया है। परिजन पिछले दो दिनों से उसकी तलाश कर रहे हैं, लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी रवि यादव (पुत्र नरेंद्र यादव) 16 फरवरी को घर से किसी काम के लिए निकला था। देर शाम तक उसके वापस न लौटने पर परिवार चिंतित हो उठा। परिजनों ने पहले आसपास के गांवों, बाजारों और संभावित स्थानों पर उसकी खोजबीन की। जब कहीं पता नहीं चला, तो उन्होंने रिश्तेदारों और परिचितों से फोन पर संपर्क कर जानकारी ली, लेकिन वहां भी उसके पहुंचने की पुष्टि नहीं हुई। मंगलवार सुबह रवि के पिता मुंशीगंज कोतवाली पहुंचे और लिखित तहरीर देकर बेटे की गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर युवक की तलाश शुरू कर दी है। इधर, परिजन हर तिराहे-चौराहे, बाजार और रेलवे स्टेशन के आसपास खोजबीन कर रहे हैं। साथ ही संभावित रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच कराई जा रही है। पुलिस ने युवक को जल्द से जल्द खोज निकालने का आश्वासन दिया है।

गिरा मकान का छज्जा, एक की मौत, सिद्धगिरी बाग इलाके में हुआ हादसा

वाराणसी। वाराणसी के सिगरा थानाक्षेत्र के सिद्धगिरी बाग इलाके में निर्माणधीन मकान का बारजा गिरने से दो मजदूर घायल हो गए। जिन्हे फौरन ट्रामा सेंटर भेजा गया। इलाज के दौरान एक मजदूर की मौत हो गई।वहीं एक का इलाज चल रहा है। जिसके सिर, कमर और हाथ में चोट आयी है।सिगरा थाना परभाईर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेजवा दिया है। प्रत्यक्षदर्शी राकेश ने बताया टीवीएस शोरूम के ऊपर कार्य चल रहा था। फर्स्ट फ्लोर पर मजदूर काम कर रहे थे और छत पर भी मजदूर काम कर रहे थे। अचानक छत पर पीओपी से बन रहे बारजे का एक हिस्सा नीचे बाहर की तरफ काम कर रहे मजदूरों पर आकर गिरा और दो मजदूर उसमे दब गए। दोनों मजदूरों को तुरंत बीएचयू ट्रामा सेंटर ले जाया गया जहां इलाज के दौरान एक की मौत हो गई और एक के इलाज चल रहा है। घायल मजदूर अमन मौर्या ने बताया हम लोग काम कर रहे थे अचानक ऊपर से छज्जा गिर गया। जिससे मै और दिनेश कुमार मौर्या कछवां रोड घायल हो गए मुझे सिर, हाथ और कमर में चोट आयी है। हम लोगों को ट्रामा सेंटर लाया गया जहां दिनेश की मौत हो गई है। दिनेश तीन भाई बहनों ने में सबसे बड़ा था।

सपा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन,बोले सीवर की समस्या से परेशान जनता

वाराणसी। वाराणसी के वार्ड नंबर 27 स्थित आजाद नगर (बजरडीहा) में पिछले दो वर्षों से चली आ रही सीवर जाम और जलजमाव की समस्या को लेकर क्षेत्रीय जनता ने जलकल विभाग कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों में समाजवादी पार्टी (सपा) के कार्यकर्ता भी शामिल रहे, जिन्होंने जमीन पर बैठकर नारेबाजी की और विभागीय अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। आरोप है कि सीवर लाइन जाम होने के कारण गंदा पानी सड़कों और गलियों में भरा रहता है, जिससे आवागमन बाधित हो रहा है। जलजमाव के कारण क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। कई बार शिकायत दर्ज कराने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया, जिससे लोगों में आक्रोश है। धरने के दौरान जलकल महाप्रबंधक, सचिव और अन्य उच्च अधिकारी नगर आयुक्त के साथ बैठक में व्यस्त थे। इसी बीच रेवड़ी तालाब चौकी इंचार्ज शिवम श्रीवास्तव धरना स्थल पर पहुंचे और उन्होंने उच्च अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर स्थिति से अवगत कराया। उनके हस्तक्षेप के बाद विभाग की ओर से तत्काल कर्मचारियों को मौके पर भेजकर साफ-सफाई कार्य प्रारंभ कराने का आश्वासन दिया गया। अमन यादव ने कहा अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि जब तक संतोषजनक ढंग से सीवर की सफाई और जलनिकासी की व्यवस्था नहीं हो जाती, तब तक अभियान जारी रहेगा।

सरनाम जयंती 2026- सद्भावना कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

बीकेटी। बक्शी का तालाब के छेत्र अस्ती में आज दिनांक 17 फरवरी 2026, मंगलवार को दोपहर 12 बजे से महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज अस्ती में बाबू सरनाम सिंह सूर्यवंशी की जयंती के उपलक्ष्य में सद्भावना कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में साहित्य, शिक्षा और सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम देखने को मिला। हर्ष मिश्रित वातावरण के बीच कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुई। आयोजकों ने बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी जयंती समारोह को साहित्यिक अनुष्ठान के रूप में मनाया गया, जिसमें हिंदी साहित्य के सृजन और संवर्धन में योगदान देने वाले विद्वानों को सम्मानित किया गया। कवि सम्मेलन में गूंजे सद्भाव के स्वर सद्भावना कवि सम्मेलन में आमंत्रित कवियों ने राष्ट्रभक्ति, सामाजिक एकता और मानवीय मूल्यों पर आधारित रचनाएं प्रस्तुत कीं। श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से कवियों का उत्साहवर्धन किया। विद्यालय परिसर साहित्यिक ऊर्जा से सराबोर रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पवन सिंह चौहान (एमएलसी सीतापुर, अध्यक्ष एसआर इंस्टीट्यूट) उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में गोपाल उपाध्याय (राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री), श्री कृष्णा चौधरी (राष्ट्रीय संपर्क प्रमुख), प्रवीण सिंह चौहान (अध्यक्ष एसएस इंस्टिट्यूट कॉलेज), संजय सिंह बाजपेई, आलोक कुमार यादव, शिव शंकर सिंह (संयोजक), माता प्रसाद सिंह, विनोद कुमार (वन दरोगा बीकेटी), बलवीर सिंह राठौर, अजीत सिंह चौहान (कार्यक्रम अध्यक्ष) सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। विद्यालय के प्रबंधक अनिल सिंह सूर्यवंशी द्वारा सभी अतिथियों एवं साहित्यकारों को शॉल, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बाबू सरनाम सिंह सूर्यवंशी का जीवन शिक्षा, समाज सेवा और साहित्य के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा है। उनके आदर्शों को आत्मसात करना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने शिक्षा के साथ-साथ संस्कार और साहित्य के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का कार्य करते हैं। अंत में सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह आयोजन न केवल जयंती समारोह रहा, बल्कि समाज में सद्भाव और साहित्यिक चेतना का प्रेरक संदेश भी बन गया।

बिना असुविधा श्रद्धालुओं को होंगे रामलला के दिव्य दर्शन: जयवीर

लखनऊ। राज्य पर्यटन विकास निगम यूपीएसटीडीसी ने श्रद्धालुओं की आस्था और सुविधा को सर्वोपरि रखते हुए लखनऊ से अयोध्या तक विशेष टूर पैकेज की शुरुआत की है। सुगम दर्शन सेवा के माध्यम से अब राम भक्त बिना लंबी कतारों में प्रतीक्षा किए सीधे श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र में रामलला के दर्शन कर सकेंगे। अयोध्या जिला प्रशासन के सहयोग से तैयार विशेष व्यवस्था श्रद्धालुओं के आध्यात्मिक अनुभव को अविस्मरणीय बनाएगी। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यूपीएसटीडीसी द्वारा 2025 से संचालित लखनऊ-अयोध्या टूर पैकेज को यात्रियों का भरपूर समर्थन मिला है। श्रद्धालुओं, पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक दिवसीय आरामदायक यात्रा के लिए टेंपो ट्रैवलर सेवा प्रारंभ की जा रही है, जिसकी पहली यात्रा 21 फरवरी को प्रस्तावित है। श्रद्धालु विशेष टूर पैकेज की बुकिंग यूपीएसटीडीसी की आधिकारिक वेबसाइट नचेजकब.बव.पद के माध्यम से कर सकते हैं।यात्रा की शुरुआत प्रातः 8 बजे लखनऊ के होटल गोमती से होगी, जो करीब 10.30 बजे तक अयोध्या पहुंचेगी। यात्रियों को हनुमानगढ़ी, श्रीराम जन्मभूमि और कनक भवन के पावन दर्शन कराए जाएंगे। दोपहर के समय सरयू गेस्ट हाउस में भोजन के उपरांत सरयू रिवर फ्रंट राम की पैड़ी एवं नागेश्वरनाथ मंदिर का भ्रमण कराया जाएगा। सायं लगभग 8.30 बजे यात्रियों की लखनऊ वापसी होगी।टूर पैकेज में यात्रियों को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र में सुगम दर्शन की विशेष सुविधा मिलेगी। रामनगरी जाने वाले यात्रियों को टेंपो ट्रैवलर से आरामदायक यात्रा, सरयू गेस्ट हाउस में दोपहर का भोजन, संध्याकालीन चाय, स्थानीय गाइड तथा शुद्ध पेयजल की सुविधा मिलेगी। यूपीएसटीडीसी का मानना है कि टूर पैकेज राम भक्तों विशेष आध्यात्मिक अनुभव देगा। वरिष्ठ नागरिकों के लिए 1,500 रुपए तथा अन्य यात्रियों के लिए 2,000 रुपए यात्रा शुल्क है।

अंतरजनपदीय वाहन चोर गिरफ्तार,चोरी के दो डाले और 6 बाइक बरामद

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की मड़ियांव पुलिस ने शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी का दो डाला (छोटा हाथी) और उसमें लदी छह मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। आरोपी अलग-अलग थानाक्षेत्रों से बाइक चुराकर हरदोई ले जाकर बेच देता था। इंस्पेक्टर मड़ियांव शिवानंद मिश्रा ने बताया कि सोमवार-मंगलवार की रात पुलिस गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि चारपहिया व दोपहिया वाहन चोरी करने वाला एक युवक यादव चौराहे से हरदोई रोड की तरफ जाने वाली सड़क पर चोरी के गाड़ियों के साथ मौजूद है। सूचना पर टीम ने पुलिस बल को मौके पर बुलाया और घेराबंदी की। मुखबिर के इशारे पर सड़क किनारे तिरपाल से ढके खड़े एक डाले को घेरा गया। पुलिस को आता देख उसमें बैठा युवक भागने लगा लेकिन टीम ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी की पहचान हरदोई निवासी अजीत शुक्ला उर्फ सुंदरम शुक्ला (20) के रुप में हुई। मौजूदा समय में फैजुल्लागंज लखनऊ रहता है। तलाशी में उसके पास से मोबाइल, आधार कार्ड और नकदी बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि डाला चोरी का है और उसमें लदी मोटरसाइकिलें भी चोरी की हैं। जिन्हें वह हरदोई ले जाने की फिराक में था। आरोपी ने बताया कि डाले को न्याय विहार, फैजुल्लागंज से चुराया था। डाला तिरपाल से ढका था उसे हटाकर देखने पर कुल छह मोटरसाइकिलें लदी मिली। पूछताछ में आरोपी ने एक और डाला चोरी करने की बात कबूली। जो फैजुल्लागंज से घैला रोड की तरफ खड़ा मिला। जांच में वह वाहन (यूपी 32एफएन 5957) गाजीपुर क्षेत्र से चोरी करना पाया गया। आरोपी राहगीरों की मदद से चोरी की बाइकों को डाले में लदवाता था, ताकि किसी को शक न हो। पुलिस का कहना है कि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है और जल्द ही और खुलासे होने की संभावना है।

मुसाफिरखाना उप शाखा का वार्षिक चुनाव,शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

अमेठी। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ की जनपद अमेठी उप शाखा मुसाफिरखाना का वार्षिक चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। इस चुनाव में अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारी निर्विरोध चुने गए, जिससे संगठन में एकजुटता का संदेश गया। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद परिणामों की घोषणा की गई। रजनीश श्रीवास्तव को अध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुना गया। देवेश उपाध्यक्ष, अभिषेक जैकर कनिष्ठ उपाध्यक्ष, अरुण दोहरे मंत्री, मोहम्मद सलमान उपमंत्री, रामजग शुक्ला कोषाध्यक्ष और नीरज त्रिपाठी एडीटर पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए। निर्वाचन की घोषणा के बाद, उपस्थित लेखपालों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर संगठन की मजबूती, लेखपालों की समस्याओं के समाधान और राजस्व कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने का संकल्प लिया गया।

हाडाईन खेड़ा शिव मंदिर सौंदर्यीकरण एवं नाली निर्माण कार्य का पार्षद गीता देवी गुप्ता द्वारा हुआ शुभारंभ

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। महापौर सुषमा खर्कवाल, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विधायक राजेश्वर सिंह, पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर, युवा नेता नीरज सिंह एवं माननीय नगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी के मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद से वार्ड की माननीय पार्षद श्रीमती गीता देवी गुप्ता द्वारा हाडाईन खेड़ा स्थित शिव मंदिर के सौंदर्यीकरण एवं नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय मंत्री संजय गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास एवं स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए यह कार्य स्थानीय नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करेगा। मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण से धार्मिक वातावरण और अधिक आकर्षक एवं व्यवस्थित होगा, वहीं नाली निर्माण से क्षेत्र में जल निकासी की समस्या का समाधान होगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से रामस्वरूप, भगवा प्रसाद, जमुना प्रसाद, ज्ञान सिंह, गौरव यादव, ललित यादव, अमित यादव, गंगा प्रसाद, शिव सिंह, रामाश्रय, अजय सहज, राम रौनक तथा पुजारी अजय कुमार सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। माननीय पार्षद श्रीमती गीता देवी गुप्ता ने सभी अतिथियों एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

खुजली की गोलियां खाकर बनाया सुसाइड का वीडियो, मेटा अलर्ट पर पहुंची पुलिस

आगरा। आगरा में प्यार में धोखा मिलने के बाद 20 साल के युवक ने सुसाइड का फर्जी वीडियो बनाया। प्रेमिका को डराने और फेमस होने के लिए उसने इस वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। इसके बाद मेटा के एआई सिस्टम ने इसे सुसाइड का कंटेंट मनाते हुए पुलिस को अलर्ट कर दिया। अलर्ट मिलते ही पुलिस युवक की लोकेशन पर पहुंच गई। घर पहुंचने के बाद पुलिस को युवक सही-सलामत मिला। इसके बाद पुलिस टीम ने युवक की काउंसिलिंग की। उसे समझाया कि इस प्रकार का कोई कदम न उठाए। साथ ही इस तरह के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर न डाले। मामला एत्माद्दौला थाना क्षेत्र का है। अब्बास नगर में रहने वाले साहिल (20) ने बताया पोस्ट मेरी ही आईडी से हुई है। नेट नहीं चल रहा था, इसलिए गलती से पोस्ट हो गई। मुझे कोई परेशानी नहीं थी। साहिल के भाई आजम ने बताया हमें नहीं पता कि उसने ऐसा कोई वीडियो बनाया है। हमें नहीं पता था कि वीडियो से इतनी बड़ी समस्या हो जाएगी। अगर मालूम होता, तो ऐसा वीडियो नहीं बनाने देते। साहिल के बनाए वीडियो में दिख रहा कि उसके हाथ में 18 टैबलेट की दो स्ट्रिप है। साहिल इसमें से टैबलेट निकालता है। इसके बाद सभी टैबलेट एक साथ खा लेता है। फिर वह पानी पी लेता है। वीडियो में लड़के की आंखों में आंसू भरे हुए हैं। साथ ही लिखा है- सब टैबलेट खा गया एक ही बार में। कुछ नहीं रहा मुस्कान, मेरी जिंदगी खत्म हो चुकी है। पोस्ट सोमवार को 11.07 बजे रात में अपलोड किया गया था। वीडियो के बैकग्राउंड में गाना चल रहा है, उस पर एक शायरी भी चल रही है। लिखा है- उसके दिए जख्म मैं अभी से सिलना चाहता हूं। मेरी बर्बादी के पीछे मैं उसे सिलना चाहता हूं। उसकी तस्वीर से मन नहीं भरता यार, अब मैं मरना चाहता हूं। वीडियो अपलोड होने के 30 मिनट में मेटा ने सुसाइड के बारे पुलिस को अलर्ट किया। कहा एक लड़का सुसाइड कर रहा, उसे बचाओ। इसके बाद पुलिस तुरंत एक्शन में आ गई। 10 मिनट के अंदर पुलिस साहिल की लोकेशन पर पहुंच गई, जहां उसका घर था। घर पहुंचने के बाद पुलिस को साहिल सही-सलामत मिला। सिपाहियों ने साहिल और उसके घरवालों से वीडियो को लेकर पूछताछ की। साहिल ने पुलिस को बताया कि वह 10वीं पास है। गाड़ी मैकेनिक है। घर पर पिता सलीम और मां और बड़ा भाई आजम है। एक लड़की से धोखा खाने के बाद वीडियो बनाया था। इसमें जो गोली है, वो खुजली की दवा है।

हनुमान जी का विशाल भंडारे का आयोजन

अमेठी। जिले के गौरीगंज रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को हनुमान जी का विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन दोपहर एक बजे से प्रारंभ हुआ, जो देर शाम तक चलता रहा। भंडारे के मुख्य आयोजक अवशेष सिंह और प्रांजल जायसवाल रहे। कार्यक्रम में व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए कई कार्यकर्ता सक्रिय रूप से लगे रहे। मौके पर जीतेन्द्र तिवारी (जीतू भैया) सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। वहीं रेलवे पार्किंग संचालक आजाद सिंह, अजित सिंह भी आयोजन स्थल पर मौजूद रहे। इसके अलावा सूरज मिश्रा, अनिल राय, सौरभ सिंह, राघबेंद्र पाण्डेय, सर्वेश तिवारी, सत्यम पाण्डेय और रामनरेश समेत अन्य कार्यकर्ताओं ने भंडारे में सहयोग किया। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला और पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा।

मैं धोखा बर्दाश्त नहीं कर सकती

अनन्या पांडे

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे अपनी अपकमिंग फिल्म 'गहराइयां' पर एक खास बातचीत का हिस्सा बनी। अनन्या ने रिलेशनशिप और धोके पर खुलकर बात की और कहा मैं रिश ...और पढ़ें प्रियंका सिंह, जेएनएन। एक्ट्रेस अनन्या पांडे जल्द ही प्रेम व रिलेशनशिप पर केंद्रित फिल्म 'गहराइयां' में नजर आएंगी। जो अमेजन प्राइम वीडियो पर 11 फरवरी को रिलीज होगी। फिल्म पर अनन्या पांडे ने एक खास मुलाकात में खुलकर बातचीत की। महामारी के खतरे के बीच आप गोवा में इस फिल्म की शूटिंग कर रहीं थीं। उस दौरान कैसा माहौल था? हां, वाकई हम लकी थे कि हमें महामारी के दिनों में भी काम करने का मौका मिला। हमारे लिए सुरक्षा सबसे जरूरी थी। हम दो महीनों के लिए गोवा में थे। किसी को वहां से जाने–आने और बाहरी लोगों से मिलने की इजाजत नहीं थी। हमारे बीच बहुत सारी बातें हुई, हमने साथ में वर्कशाप की। सभी कलाकारों के बीच एक बांड बन गया था। मुझे आश्चर्य हुआ था कि निर्देशक शकुन बत्रा ने इस फिल्म में मुझे लेने के बारे में सोचा, क्योंकि मैंने उस वक्त तक सिर्फ दो फिल्में की थी। मैं उनकी फैन रही हूं। 'गहराइयां' में मेरा किरदार काफी जटिल और मैच्योर है। रिश्तों की गहराई को आप कितने अच्छे तरीके से समझती हैं? इतना मैच्योर किरदार करने का अनुभव कहां से आया? ईमानदारी से कहूं तो मुझे लोगों को आब्जर्व करना अच्छा लगता है। इस फिल्म में मेरे किरदार के साथ प्यार में जो चीटिंग हो रही है, उसके बारे में जानना और समझना मेरे लिए नया रहा। मैंने वैसा कुछ अनुभव नहीं किया है, लेकिन जो बेसिक भावनाएं होती हैं, जैसे दुखी होना, किसी भी तरीके से ठगा हुआ महसूस करना, वैसा मैंने महसूस किया है, इसलिए मैं खुद को उससे जोड़ पाई। फिर चाहे वह सतही तौर पर ही हुआ हो। (हंसते हुए) इस फिल्म के लिए थोड़ा गहराई में जाकर तैयारी करनी पड़ी थी। क्या प्यार में आप चीटिंग बर्दाश्त कर पाएंगी? किसी भी रिश्ते को संभालने के लिए आपकी हद क्या है? मैं धोखा बर्दाश्त नहीं कर सकती। हालांकि इस फिल्म से जो चीज मैंने सीखी है, वह यही है कि लोगों को जज नहीं करना चाहिए। एक रिश्ता जो दो लोगों के बीच में होता है, वह उनको ही संभालना होता है। मैं रिश्ता संभालने से ज्यादा सिर्फ उसे निभाने की कोशिश करती हूं। मेरे जितने बेस्ट फ्रेंड्स हैं, वे स्कूल के दोस्त ही हैं। उन्हें मैं तीन साल की उम्र से जानती हूं। सुहाना (अभिनेता शाह रुख खान की बेटी) और शनाया (अभिनेता संजय कपूर की बेटी) के साथ मैं बड़ी हुई हूं। मेरे जो रिश्ते हैं, वे मुझे जमीन से जोड़े रखते हैं। मेरे रिश्ते व परिवार सबसे अहम हैं। उन्हें मुझे संभालने की आवश्यकता नहीं है। रिश्तों को संभालने से ज्यादा दोनों तरफ से रिश्ते को निभाने की कोशिश मायने रखती है। दीपिका पादुकोण, नसीरुद्दीन शाह दोनों ही सीनियर एक्टर हैं। उनसे क्या सीखा? दीपिका बहुत ही विनम्र हैं। सेट पर पाजिटिव वाइब्स लेकर आती हैं। उनके हाव–भाव से प्यार झलकता है। मैंने उनसे ये चीजें सीखी हैं कि एक मुकाम तक पहुंचने के बाद कैसे दूसरों को कंफर्टेबल कराना जरूरी है। नसीर सर के साथ एक ही दिन शूटिंग की है। मैं उन्हें दूर से ही देख रही थी। काफी नर्वस थी। शकुन मुझे खींच के उनसे मिलवाने के लिए ले गए थे। अपनी अगली तेलुगु और हिंदी फिल्म 'लाइगर' के साथ आप पैन इंडिया सितारों की लिस्ट में शामिल हो जाएंगी। क्या इसे लेकर नर्वस हैं? हां, एक दबाव महसूस कर रही हूं। इसके जरिए मैं चार अलग–अलग इंडस्ट्रीज में कदम रखूंगी, इस लिहाज से नर्वस हूं, लेकिन यह एक मजेदार फिल्म होगी। दक्षिण भारतीय और हिंदी फिल्मों के बीच फर्क अब गायब होता जा रहा है। यह भारतीय फिल्म इंडस्ट्री बन गई है। हम रीजनल और दुनियाभर का सिनेमा देख रहे हैं। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री जब भी ओरिजनल, नई और निडर कहानियां लेकर आएगी तो दक्षिण भारतीय फिल्मों की तरह वह भी हमेशा पसंद की जाएगी। उम्मीद करती हूं कि यहां की फिल्मों को भी दक्षिण भारतीय दर्शकों के लिए डब किया जाएगा।

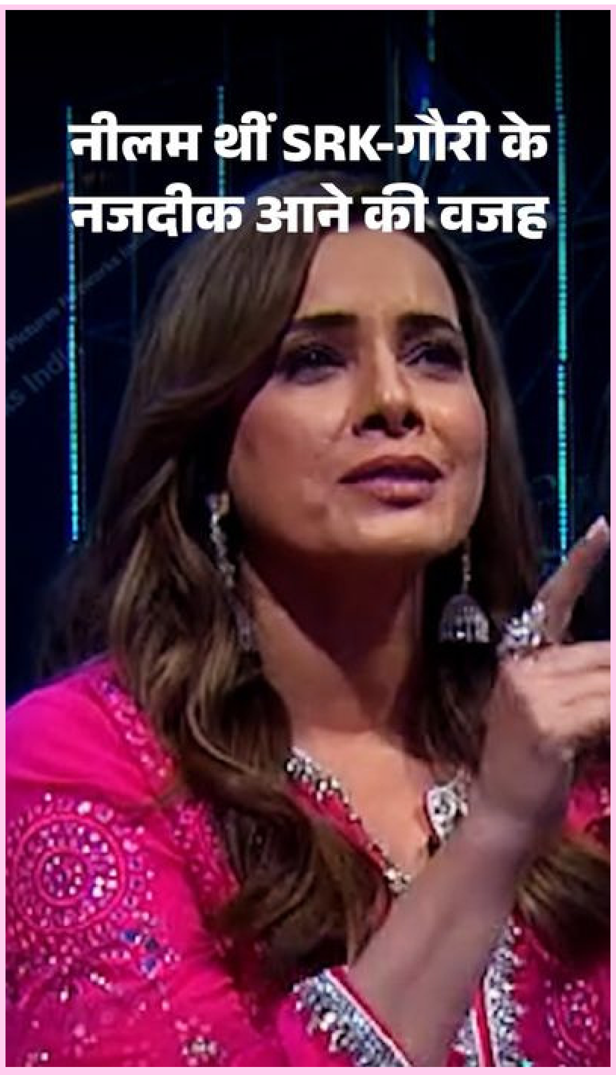

एक्ट्रेस नीलम कोठारी ने हाल ही में कहा कि शाहरुख खान और गौरी की लव स्टोरी में उनका भी बड़ा हाथ रहा है। एक्ट्रेस ने बताया कि उनकी फिल्मों की वजह से दोनों की नजदीकियां बढ़ी थीं। दरअसल, हाल ही में नीलम टीवी शो इंडियन आइडल में पहुंची थीं, जहां एक्ट्रेस ने बताया कि कुछ महीने पहले शाहरुख खान ने उनसे कहा था, 卐नीलम, तुम्हें पता है, गौरी और मेरी शादी की एक वजह तुम भी हो।卐 नीलम ने आगे बताया कि शाहरुख ने इसके पीछे की पूरी कहानी भी उन्हें समझाई। उन्होंने कहा कि जब नीलम फिल्मों में काम कर रही थीं, तब शाहरुख और गौरी उनके बहुत बड़े फैन हुआ करते थे। इसी वजह से दोनों साथ में नीलम की फिल्में देखने जाया करते थे। एक्ट्रेस के मुताबिक, उन फिल्मों के दौरान शाहरुख और गौरी के बीच नजदीकियां बढ़ीं और धीरे–धीरे दोनों की लव स्टोरी आगे बढ़ती चली गई। शो में नीलम ने कहा कि तो शाहरुख और गौरी के साथ होने की एक वजह मैं भी हूं। बता दें कि नीलम 80दृ90 की पॉपुलर एक्ट्रेसेस में से एक रही हैं। उनकी जोड़ी ज्यादातर गोविंदा के साथ पसंद की गई। नीलम और गोविंदा ने साथ में लगभग 14 फिल्मों में काम किया, जिनमें लव 86 (1986), इल्जाम (1986), खुदगर्ज (1987), हत्या (1988) और ताकतवर (1989) जैसी फिल्में शामिल हैं। वहीं नीलम का नाम गोविंदा संग अफेयर को लेकर भी चर्चा में रहा है। हालांकि, हाल ही में एक्ट्रेस ने इस पर रिएक्ट किया और इन दावों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। नीलम कोठारी ने उषा काकड़े प्रोडक्शन से बातचीत में कहा, 卐ओह तेरी! ये कौन बोला? गोविंदा जी बहुत अच्छे इंसान हैं। मगर ये जो सवाल है, ये सच नहीं है। वह कमाल के इंसान हैं और हमने कई हिट फिल्में की हैं। लेकिन ये सच नहीं है। सॉरी–सॉरी, ये बिल्कुल भी सच नहीं। हमारे बीच कुछ भी नहीं है।

जैस्मिन भसीन और अली गोनी कई सालों से एक–दूसरे को डेट कर रहे हैं. अब तो दोनों लिवइन में भी रहते हैं. बस फैंस को इनकी शादी का इंतजार है. जैस्मिन भसीन और अली गोनी टीवी के पॉपुलर कपल में से एक माने जाते हैं. कोई भी इवेंट हो या कोई फंक्शन अक्सर दोनों कपल गोल्स सेट करते दिखते हैं. हाल ही में जैस्मिन भसीन और अली गोनी ने अपने घर पर टीवी के पॉपुलर एक्टर अभिषेक कुमार को इंवाइट किया था. जैसे जैस्मिन भसीन और अली गोनी की सोसाइटी में अभिषेक ने एंट्री ली, मस्ती करते हुए कहा कि लिफ्ट बहुत छोटी है. वहीं, अली व्लॉग बनाते दिखे. जैस्मिन भसीन और अली गोनी के घर अभिषेक एक तोहफा लेकर पहुंचे थे. उन्होंने कहा कि बहुत मेहनत का काम है, जैस्मिन भाभी ने हमारी तारीफ की है. जैस्मिन कहती हैं कि भाभी क्यों बोल रहे हो. इस पर अभिषेक कहते हैं कि शादी हो जाएगी इस साल तो अब तो भाभी ही हो जाओगी. अभिषेक जैसे ही कहते हैं कि इस साल शादी हो जाएगी.जैस्मिन भसीन और अली गोनी दोनों उनकी बात को सुन हंस पड़ते हैं. अभिषेक ने जैसे जैस्मिन भसीन और अली गोनी की शादी की बात कही है. वैसे फैंस को अब लगने लगा है कि जल्द ही दोनों की शादी हो जाएगी.

पुरानी प्रतिद्वंद्विता होगी ताजा, खिताब के लिए भिड़ेंगे डंहदने ब्तसेमद और ब्तनंदं

जर्मनी में जारी 2026 फ्रिडे फ्रीस्टाइल शतरंज विश्व चौंपियनशिप अब अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। रविवार को खिताबी मुकाबले में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन का सामना उनके पुराने प्रतिद्वंद्वी फैबियानो कारुआना से होगा। दोनों दिग्गजों के बीच यह मुकाबला शतरंज प्रेमियों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। बता दें कि सेमीफाइनल में कार्लसन ने उज्बेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को 3-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। मुकाबला बेहद कड़ा रहा और समय प्रबंधन ने अहम भूमिका निभाई। तीसरे गेम में अब्दुसत्तोरोव के पास ड्रॉ का मौका था, लेकिन जोखिम उठाने की कोशिश उन पर भारी पड़ी और कार्लसन ने बाजी अपने नाम कर ली। चौथे गेम में भी कार्लसन ने दबाव बनाए रखते हुए जीत दर्ज की। दूसरी ओर, कारुआना ने जर्मनी के युवा ग्रैंडमास्टर विंसेंट कीमर को 2.5-1.5 से हराया। यह मुकाबला उतार-चढ़ाव से भरा रहा। पहले गेम में कारुआना ने आक्रामक खेल दिखाया, जबकि कीमर ने दूसरे और तीसरे गेम में जोरदार वापसी की कोशिश की। हालांकि निर्णायक गेम में कारुआना ने संयम बनाए रखते हुए 22 चालों में जीत हासिल की और फाइनल का टिकट पक्का किया। गौरतलब है कि कार्लसन और कारुआना इससे पहले 2018 विश्व चौंपियनशिप मुकाबले में भी आमने-सामने आ चुके हैं। लोअर ब्रैकेट में पांचवें स्थान के लिए मुकाबला तय हो गया है, जहां हंस नीमन का सामना भारत के अर्जुन एरिगैसी से होगा। नीमन ने लेवोन अरोनियन को 2.5-1.5 से हराया, जबकि अर्जुन ने जावोखिर सिंदारोव पर 3-1 की जीत दर्ज की। महिला प्रदर्शनी मुकाबले में बिबिसारा असौबायेवा और एलेक्जेंड्रा कोस्टेनीयुक के बीच स्कोर 1-1 से बराबर है। दोनों खिलाड़ियों ने एक-एक मुकाबला जीता और अंतिम दिन निर्णायक बाजियां खेली जाएंगी। मौजूद जानकारी के अनुसार, यह चौंपियनशिप 13 से 15 फरवरी तक जर्मनी के वीसनहाउस स्थित निजी रिसॉर्ट में आयोजित की जा रही है। कुल तीन लाख डॉलर की इनामी राशि रखी गई है, जिसमें विजेता को एक लाख डॉलर मिलेंगे। प्रतियोगिता की शुरुआत आठ खिलाड़ियों के राउंड-रॉबिन चरण से हुई थी, जिसके बाद शीर्ष चार खिलाड़ियों ने नॉकआउट चरण में प्रवेश किया। सभी नॉकआउट मुकाबले चार-चार गेम की श्रृंखला में खेले जा रहे हैं और बराबरी की स्थिति में आर्मागेडन गेम से विजेता तय किया जाता है। रविवार को होने वाला फाइनल मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7रू30 बजे से शुरू होगा। शतरंज जगत की नजरें अब कार्लसन और कारुआना के बीच होने वाली इस बहुप्रतीक्षित टक्कर पर टिकी हुई हैं, जहां अनुभव और रणनीति की असली परीक्षा देखने को मिलेगी।

बड़ी टीमों से खेलने का मौका नहीं मिलता

छोटे देशों को बड़ी टीमों के खिलाफ नियमित रूप से खेलने का मौका देने की वकालत करते हुए अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने रविवार को यहां कहा कि उनकी टीम को किस्मत का साथ नहीं मिला जिससे वे टी20 विश्व कप के शुरुआती चरण से बाहर होने की कगार पर है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में पांच विकेट से हार झेलने के बाद अफगानिस्तान को पिछले मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के हाथों दो सुपर ओवर के बाद दिल तोड़ने वाली हार का सामना करना पड़ा था। इस नतीजे के बाद टीम ग्रुप डी में चौथे स्थान पर है और बाहर होने के करीब पहुंच गई है। राशिद ने सोमवार को यहां यूएई के खिलाफ खेले जाने वाले मैच से पहले कहा, ''मुझे नहीं लगता कि बहुत कुछ गलत हुआ। हमने अच्छा क्रिकेट खेला और थोड़े बदकिस्मत रहे। आपने पिछला मैच देखा, हम बहुत करीब थे, दूसरे सुपर ओवर तक पहुंचे। इससे पता चलता है कि हमने पूरी मेहनत की।卐 उन्होंने कहा, 卐आपने कई मैच एकतरफा देखे होंगे। अगर एक टीम को बड़ी टीमों के खिलाफ खेलने का मौका नहीं मिलता, तो ऐसा ही होता है। अफगानिस्तान को शीर्ष टीमों के खिलाफ मैच खेलने की जरुरत है अगर हम दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ ज्यादा टी20 खेलते तो हमें बेहतर अंदाजा होता कि वे हमें कहां मात दे सकते हैं और हम कहां सुधार कर सकते हैं। अगर आप साल में सिर्फ एक बार, वह भी विश्व कप में उनसे खेलते हैं तो गलती की कोई गुंजाइश नहीं रहती।卐 राशिद ने कहा कि शीर्ष टीमों के खिलाफ नियमित द्विपक्षीय श्रृंखला न खेलने से विश्व कप मुकाबले अफगानिस्तान जैसी टीमों के लिए जरूरत से ज्यादा दबाव वाले हो जाते हैं।

अयोग्य व्यक्ति को काम देना जुर्म

हार के बाद पीसीबी प्रमुख पर भड़के अख्तर, सुनाई खरी-खोटी

नई दिल्ली। भारत से मिली हार के बाद पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी और बाबर आजम को निशाने पर लिया। अख्तर ने नकवी को जमकर खरी-खोटी सुनाई है। पाकिस्तान की हार के बाद पड़ोसी मुल्क में विवाद बढ़ता ही जा रहा है। टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी पर निशाना साधा है और उनके नेतृत्व पर सवाल खड़े किए हैं। पाकिस्तान को कोलंबो में खेले गए टी20 विश्व कप के मुकाबले में भारत के खिलाफ 61 रनों से हार का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान की बल्लेबाजी इस दौरान बेहद खराब रही और टीम पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल सकी। अख्तर ने बाबर पर भी निकाली भड़ास पाकिस्तान की हार

के बाद अख्तर के निशाने पर नकवी रहे। अख्तर ने एक समाचार चौनल से बात करते हुए कहा, अब एक आदमी को तो यह भी नहीं पता कि वह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का चेयरमैन है। अब टीम कैसे चलेगी? आप कह रहे हैं कि एक आदमी (बाबर आजम) को आपने सुपरस्टार बना दिया, लेकिन वह एक भी मैच नहीं जीता सकता। आपने उसे ऐसा स्टार बना दिया जो एक भी मैच नहीं जीत सकता। भाई, जब आप इस तरह के स्टार बनाते हैं, जब आप उन्हें चुनते हैं, जब आप उन्हें छांटते हैं, तभी आपको यह समस्या आएगी। लेकिन बात यह है कि अगर आप देखें तो आपको पता है दुनिया का सबसे बड़ा अपराध क्या है? दुनिया का सबसे बड़ा अपराध यह है कि आप किसी अयोग्य व्यक्ति को कोई बड़ा काम सौंप दें। अख्तर ने कहा, जब आप किसी अयोग्य और अज्ञानी व्यक्ति को कोई बड़ा काम सौंपते हैं, तो वह देश को बर्बाद कर देगा। वह किसी भी संगठन को ध्वस्त कर देगा। उदाहरण आपके सामने है, आप इतने बुद्धिमान हैं कि इसे समझ सकें। बाबर को टीम से बाहर करने की मांग उठी स्टार बल्लेबाज बाबर आजम आलोचनाओं के घेरे में आ गए हैं तथा देश के कई पूर्व खिलाड़ियों ने कुछ अन्य सीनियर खिलाड़ियों के साथ-साथ उन्हें भी टीम से बाहर करने की मांग की है। पूर्व कप्तान बाबर, शादाब खान और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी जैसे अनुभव खिलाड़ी रविवार रात कोलंबो में खेले गए एकतरफा मुकाबले में उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने कहा, अगर यह मेरे हाथ में होता तो मैं बाबर, शादाब और शाहीन को दोबारा टी20 टीम में नहीं चुनता। उन्हें पाकिस्तान के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के कई मौके मिले हैं, लेकिन वे फिर से नाकाम रहे।

क्या ग्रुप चरण में ही थम जाएगा पाकिस्तान का सफर? तालिका में अमेरिका से भी नीचे, भारत शीर्ष पर

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ मिली हार के बाद पाकिस्तान पर टी20 विश्व कप से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। ग्रुप ए की तालिका में पाकिस्तान की टीम तीसरे स्थान पर खिसक गई है और उसे हर हाल में अगले मैच में जीत दर्ज करनी होगी। भारत के खिलाफ मिली हार के बाद पाकिस्तान पर टी20 विश्व कप से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। पाकिस्तान की टीम ग्रुप ए की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गई है और अगर सुपर आठ चरण में पहुंचना है तो अपना अगला मुकाबला हर हाल में जीतना होगा। दूसरी तरफ इस ग्रुप से भारतीय टीम शीर्ष पर रहते हुए सुपर आठ में पहुंच गई है। दिलचस्प बात यह है कि भारत का भी अभी एक मैच शेष है। भारत की पाकिस्तान पर सबसे बड़ी जीत भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने कोलंबो में खेले गए मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी टीम को 61

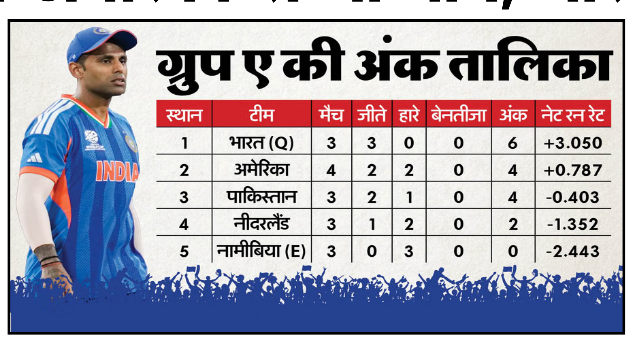

ग्रुप ए की अंक तालिका

स्थान	टीम	मैच	जीते	हारे	बेनतीजा	अंक	नेट रन रेट
1	भारत (Q)	3	3	0	0	6	+3.050
2	अमेरिका	4	2	2	0	4	+0.787
3	पाकिस्तान	3	2	1	0	4	-0.403
4	नीदरलैंड	3	1	2	0	2	-1.352
5	नामीबिया (E)	3	0	3	0	0	-2.443

रनों से हराया। भारत ने ईशान किशन के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 175 रन बनाए। भारत के लिए ईशान किशन ने अर्धशतक लगाया। पाकिस्तान की टीम 18 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट हो गई। यह भारत की टी20 में पाकिस्तान के खिलाफ रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत है। भारत ने टी20 में पाकिस्तान के खिलाफ रनों के लिहाज से जीत के मामले में 2012 के अपने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। भारत की यह चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले भारत ने खेल के सबसे छोट प्रारूप में पाकिस्तान को 11 रनों से हराया था, लेकिन अब टीम ने 14 साल बाद इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया और नए मानक स्थापित किए। ग्रुप ए की अंक तालिका का हाल पाकिस्तान की हार इतनी बड़ी रही कि टीम ग्रुप ए की अंक तालिका में अमेरिका से भी नीचे आ गया है। पाकिस्तान की टीम तीन मैचों में दो जीत और एक हार के साथ चार अंक लेकर तीसरे स्थान पर खिसक गई है, जबकि अमेरिका की टीम चार मैचों में दो जीत और दो हार के साथ चार अंक लेकर दूसरे स्थान पर आ गई है। पाकिस्तान को अगर सुपर आठ के लिए क्वालिफाई करना है तो उसे हर हाल में नामीबिया के खिलाफ मैच जीतना होगा। भारत ने तीन मैचों में तीन जीत दर्ज कर छह अंकों के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर अपना दबदबा बरकरार रखा है। क्या नामीबिया कर पाएगा बड़ा उलटफेर? ग्रुप ए में अमेरिका ने अपने चारों मैच खेल लिए हैं और वह फिलहाल भारत के बाद दूसरे स्थान पर है। भारत से हारने के बाद पाकिस्तान को झटका लगा है क्योंकि अब उसे हर हाल में अपना आखिरी मैच जीतना होगा। पाकिस्तान का अंतिम मैच नामीबिया से 18 फरवरी को खेला जाएगा। इसी दिन भारत और नीदरलैंड के बीच मैच होगा। यह लगभग तय है कि ग्रुप ए से सुपर आठ में पहुंचने वाली टीम अमेरिका या पाकिस्तान ही होगी। नीदलैंड के दो अंक हैं और अगर वह आखिरी मैच जीत लेती है

यह जीत भारत के लिए

नई दिल्ली। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव पाकिस्तान पर जीत से गदगद हैं और उन्होंने कहा कि यह जीत भारत के लिए है। सूर्यकुमार ने साथ ही बताया कि किस तरह पहले बल्लेबाजी करना उनकी टीम के लिए फायदेमंद रहा। भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान पर जीत के बाद कहा कि ये जीत भारत के लिए है। भारत ने रविवार को कोलंबो में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान को 61 रनों से हराकर सुपर आठ चरण के लिए क्वालिफाई किया। भारत ने इस तरह विश्व कप में जीत की हैट्रिक लगाई और पाकिस्तान को चारों खाने चित्त करने में सफल रहा। भारत का सामना अब ग्रुप चरण के अंतिम मैच में नीदरलैंड से 18 फरवरी को होगा। ईशान और गेंदबाजों के दम पर जीता भारत भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने ईशान किशन के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 175 रन बनाए। भारत के लिए ईशान किशन ने अर्धशतक लगाया। पाकिस्तान की टीम 18 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट हो गई। यह भारत की टी20 में पाकिस्तान के खिलाफ रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत है। इस मैच में पहले ईशान किशन ने शानदार प्रदर्शन किया और फिर भारतीय गेंदबाजों ने अपना दम दिखाया। सूर्यकुमार बोले- हमने अच्छा स्कोर खड़ा किया सूर्यकुमार ने कहा कि इस पिच पर 155 रन प्रतिस्पर्धी स्कोर होता और वह 15 से 20 रन अधिक बनाने में सफल रहे। भारतीय टी20 कप्तान ने कहा, मेरे ख्याल से यह जीत भारत के लिए है। हम इसी तरह का क्रिकेट खेलना चाहते थे। इस पिच पर पहले बल्लेबाजी करना बेहतर विकल्प था। पहले बल्लेबाजी करते समय यह कहना मुश्किल था कि प्रतिस्पर्धी स्कोर कितना होता। लेकिन जैसे ही हम 175 पर पहुंचे तो हमें लगा कि हमने प्रतिस्पर्धी स्कोर से 15-20 रन अधिक बना लिए हैं। 155 रन पर यह बहुत करीबी मुकाबला होता। भारतीय कप्तान ने अपने बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने वैसा ही क्रिकेट खेला जैसा वे खेलना चाहते थे।

अर्थ जगत

नाभा पवार का अधिग्रहण करेगी टोरेंट पावर, इतने करोड़ में एलएंडटी की इकाई से डील तय

नई दिल्ली। टोरेंट पावर ने एलएंडटी पावर डेवलमेंट लिमिटेड से नाभा पावर में 100ः हिस्सेदारी 6,889 करोड़ रुपये के एंटरप्राइज वैल्यू पर खरीदने का समझौता किया है। इस डील के बाद कंपनी की कुल ऑपरेशनल क्षमता 5 ळॅ से बढ़कर 6.4 ळॅ हो जाएगी। टोरेंट पावर ने लार्सन एंड टुब्रो की इकाई से नाभा पावर के अधिग्रहण की घोषणा की है। कंपनी के बयान के अनुसार यह सौदा 6,889 करोड़ रुपये के एंटरप्राइज वैल्यू पर किया जाएगा। कंपनी के अनुसार, यह सौदा जरूरी नियामकीय मंजूरियों और सामान्य क्लोजिंग शर्तों के अधीन रहेगा। नाभा पावर लिमिटेड (एनपीएल) एल एंड टी पावर डेवलपमेंट लिमिटेड (एल एंड टीपीडीएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, जो स्वयं इंफ्रास्ट्रक्चर दिग्गज स्-ज् की सब्सिडियरी है। टोरेंट पावर की परिचालन क्षमता बढ़ेगी इस अधिग्रहण के पूरा होने के बाद टोरेंट पावर की परिचालन क्षमता 5 गीगावॉट से बढ़कर 6.4 गीगावॉट हो जाएगी। टोरेंट ग्रुप के चेयरमैन समीर मेहता ने कहा कि एनपीएल कंपनी के पोर्टफोलियो में एक स्थापित ऑपरेटिंग एसेट जोड़ेगी, जो पूरी तरह अनुबंधित कैश फ्लो और मजबूत ऑपरेशनल ट्रैक रिकॉर्ड से समर्थित है। उन्होंने कहा कि यह अधिग्रहण पहले दिन से ही राजस्व और मुनाफे में उल्लेखनीय बढ़ोतरी करेगा। मुख्य व्यवसायों को मजबूत करने का लक्ष्य वहीं, एनएंडटी के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर एस.एन. सुब्रह्मण्यन ने कहा कि एनपीएल की बिक्री कंपनी की मुख्य व्यवसायों को मजबूत करने और वैल्यू अनलॉक करने की रणनीति के अनुरूप है, जिससे दीर्घकालिक हितधारकों के लिए मूल्य सृजन होगा। साल 2014 में चालू हुआ नाभा पावर का 1,400 मेगावॉट (2ग्700 डॅ) सुपरक्रिटिकल कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट पंजाब के पटियाला जिले के राजपुरा में स्थित है और यह 25 वर्षीय पावर परचेज एग्रीमेंट (च्च्।) के तहत संचालित होता है। प्लांट के पास एसईसीएल और एनसीएल के साथ दीर्घकालिक ईंधन आपूर्ति समझौते भी हैं, साथ ही वैकल्पिक कोयला खरीद की व्यवस्था भी मौजूद है। कंपनी के अनुसार, इस सुपरक्रिटिकल पावर एसेट ने वित्त वर्ष 2024-25 में 4,866 करोड़ रुपये का राजस्व, 1,153 करोड़ रुपये का समायोजित ईबीआईटीडीए और 95.36 प्रतिशत का प्लांट अवेलेबिलिटी फैक्टर दर्ज किया।

लाल निशान पर खुला घरेलू शेयर बाजारय सेंसेक्स 350 अंक टूंटा, निफ्टी 25400 के नीचे

नई दिल्ली। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को घरेलू बाजार गिरावट के साथ खुला। वहीं पिछले कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1048.16 अंक गिरकर 82,626.76 अंक पर बंद हुआ था, जबकि एनएसई निफ्टी 336.10 अंक गिरकर 25,471.10 अंक पर बंद हुआ था। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को लाल निशान पर खुला। वैश्विक बाजारों में मिले-जुले रुझान के चलते सोमवार को बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने कमजोर शुरुआत की, लेकिन शुरुआती नुकसान के बाद निवेशकों द्वारा चुनिंदा खरीदारी करने से बाद में इनमें अस्थिरता देखने को मिली। विदेशी निवेशकों की निकासी और डॉलर के मजबूत होने के कारण सोमवार को शुरुआती सत्र में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 1 पैसा फिसलकर 90.67 पर आ गया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 537.49 अंक या 0.65ः की तेजी के साथ 83,164.25 अंक पर आ गया। वहीं निफ्टी 192.55 अंक या 0.76 प्रतिशत बढ़कर 25,660 अंक पर आ गया। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 349.81 अंक या 0.42 प्रतिशत गिरकर 82,276.95 पर आ गया। वहीं, व्यापक बाजार सूचकांक एनएसई निफ्टी 98.4 अंक गिरकर 25,372.70 पर पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियों का हाल सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में पावरग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, सन फार्मास्युटिकल्स, एटर्नल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, आईटीसी, ट्रेंट, एशियन पेंट्स और टाटा स्टील लाभ कमाने वाली कंपनियां रहीं। दूसरी ओर, इंफोसिस, अदानी पोर्ट्स, स्टेट बैंक ऑफइंडिया, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टेक महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) प्रमुख पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। आईटी शेयरों में हुई बिकवाली का असर दिखा जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि पिछले सप्ताह आईटी शेयरों में हुई भारी बिकवाली का असर निकट भविष्य में भी बाजारों पर बना रहेगा। शुक्रवार को आईटी शेयरों के एडीआर में आई मामूली रिकवरी से आईटी शेयरों को समर्थन मिलने की संभावना नहीं है। संस्थान आईटी शेयरों की बिकवाली जारी रख सकते हैं और वित्तीय, ऑटोमोबाइल, पूंजीगत वस्तुएं, दूरसंचार और फार्मा जैसे क्षेत्रों की ओर रुख कर सकते हैं, जहां आय वृद्धि की अच्छी संभावना है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच भू-राजनीतिक तनावों को लेकर चिंताओं के कारण ब्रेंट क्रूड का मूल्य लगभग 68 अमेरिकी डॉलर के आसपास नाजुक रूप से संतुलित है। इस पर बारीकी से नजर रखनी होगी। विजयकुमार ने कहा कि कुल मिलाकर, 2026 के लिए बाजार की संभावनाएं अच्छी दिख रही हैं क्योंकि बुनियादी बातें बेहतर हो रही हैं और दीर्घकालिक औसत के अनुरूप मूल्यांकन उचित स्तर पर आ गए हैं। हालांकि मिड और स्मॉल कैप शेयरों का मूल्यांकन अपेक्षाकृत अधिक है, फिर भी वे उम्मीद से बेहतर कमाई दर्ज कर रहे हैं। एशियाई बाजारों में रहा मिला-जुला हाल एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला, हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक 0.4 प्रतिशत बढ़ा जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक स्थिर रहा। चीन और दक्षिण कोरिया के बाजार चंद्र नव वर्ष की छुट्टियों के कारण बंद रहे। अमेरिकी शेयर बाजार शुक्रवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुआ। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 67.78 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड मामूली रूप से बढ़कर 67.78 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

तीन दिन के भारत दौरे पर आज रात मुंबई पहुंचेंगे फ्रांस के राष्ट्रपति, जानें पूरा कार्यक्रम

नई दिल्ली। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 16 से 19 फरवरी तक चार दिवसीय भारत दौरे पर हैं, जिसकी शुरुआत मुंबई से होगी। इस दौरान वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर द्विपक्षीय सहयोग, रक्षा, नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और इंडो-पैसिफिक जैसे मुद्दों पर चर्चा करेंगे। आइए विस्तार से जानते हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 16 फरवरी को तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर भारत पहुंच रहे हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, मैक्रों 16 से 19 फरवरी तक मुंबई और नई दिल्ली में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे।

यह उनका प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण पर भारत का चौथा दौरा होगा, जो भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी की गहराई और निरंतरता को दर्शाता है। मुंबई में उच्चस्तरीय कार्यक्रम और द्विपक्षीय बैठक राष्ट्रपति मैक्रों सोमवार देर रात मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पहुंचेंगे। 17 फरवरी को वे प्रधानमंत्री मोदी से मुंबई के लोक भवन में मुलाकात करेंगे। इसके बाद राजभवन के दरबार हॉल में दोनों नेता समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान करेंगे और संयुक्त प्रेस वक्तव्य जारी करेंगे। इसी दिन ताज महल पैलेस होटल में इंडिया-फ्रांस इनोवेशन फोरम आयोजित होगा, जबकि शाम को गेटवे ऑफ इंडिया पर श्इंडिया-फ्रांस ईयर ऑफ इनोवेशन एंड कल्चरल कमेमोरेशन 2026श् का संयुक्त उद्घाटन किया जाएगा। एआई इम्पैक्ट समिट में वैश्विक फोकस 18 फरवरी को मैक्रों नई दिल्ली पहुंचेंगे और भारत मंडपम में आयोजित इंडिया ।प् इम्पैक्ट समिट 2026 में हिस्सा लेंगे। 19 फरवरी को वे उद्घाटन समारोह, कंट्री पवेलियंस का दौरा, लीडर्स प्लेनरी और वर्किंग लंच में भाग लेंगे। यह समिट कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उभरती प्रौद्योगिकियों और वैश्विक नीति सहयोग पर केंद्रित है, जिसमें दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्ष, नीति-निर्माता और टेक लीडर्स शामिल होंगे। श्होराइजन 2047 रोडमैपश् और इंडो-पैसिफिक पर चर्चा विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस दौरे के दौरान दोनों नेता श्होराइजन 2047 रोडमैपश् के तहत रक्षा, प्रौद्योगिकी, नवाचार, अनुसंधान, ऊर्जा और लोगों के बीच संपर्क जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। साथ ही इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सहयोग और वैश्विक व क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचार-विमर्श होगा। रणनीतिक और रक्षा सहयोग के लिहाज से अहम दौरा यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब भारत अपने रक्षा और तकनीकी साझेदारों को विविध बनाने की दिशा में काम कर रहा है। हाल ही में भारत द्वारा बड़े रक्षा सौदों की मंजूरी, जिनमें फ्रांसीसी लड़ाकू विमानों और मिसाइलों की खरीद की खबरें भी शामिल हैं, इस साझेदारी के रणनीतिक महत्व को रेखांकित करती हैं। प्रधानमंत्री मोदी का फरवरी 2025 का फ्रांस दौरा, 2023 में बैस्टिल डे पर मुख्य अतिथि के रूप में उनकी उपस्थिति और 2024 के गणतंत्र दिवस पर मैक्रों की बतौर मुख्य अतिथि भागीदारी इन सभी घटनाओं ने दोनों देशों के बीच भरोसे और सहयोग को नई गति दी है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।